दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
सुप्रभात रायपुर
आम आदमी का खास अखबार

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 25 | अंक : 168 रायपुर, शनिवार, 05 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ` 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

3 मंत्री ओ.पी.ने जीएसटी ...

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

इंजीनियर से एक्टर... 6

सूचना - जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

बाढ़ की चेतावनी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में मानसूनी बारिश की गतिविधि जारी है। इस बीच मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में अगले 24 घंटे के लिए भारी वर्षा से बाढ़ की संभावना जताई है। आज प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक के साथ अंधड़, व्रजपात की संभावना है।

उत्तर छत्तीसगढ़ और बस्तर संभाग में भारी बारिश का अनुमान बताया गया है। पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा तापमान अंबिकापुर में 29.2 डिग्री और सबसे कम तापमान 21.2 डिग्री दुर्ग में दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में सक्रिय मानसून की स्थिति जारी रहने की संभावना जताई है। अगले 3 दिनों तक बिलासपुर और सरगुजा संभाग के जिलों में एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं 6 और 7 जुलाई को उत्तर और दक्षिण छत्तीसगढ़ में वर्षा की तीव्रता बढ़ने की संभावना है। राजधानी रायपुर में आसमान पर बादल छाए हुए हैं। गरज चमक साथ के साथ वर्षा होने की संभावना जताई गई है। इस दौरान तापमान 24 से 27 डिग्री के बीच रह सकता है।

उपसेना प्रमुख का बयान
बोले- 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत ने 3 दुश्मनों को हराया

एजेंसी, नई दिल्ली

पहलगाम हमले के बाद भारत के पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय उप सेना प्रमुख का बड़ा बयान सामने आया है। उप सेना प्रमुख (क्षमता विकास एवं संधारण) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने कहा की ऑपरेशन के दौरान भारत न सिर्फ पाकिस्तान से लड़ रहा था बल्कि चीन से भी कहीं न कहीं संघर्ष में था। उन्होंने कहा कि पूरे अभियान के दौरान एयर डिफेंस और उसका ऑपरेशन महत्वपूर्ण था। इस बार, हमारे जनसंख्या केंद्रों (ष्द्ब1द्वद्यद्बड्डष्ठ्ठ) पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया, लेकिन अगली बार हमें इसके लिए तैयार रहना होगा। बता दें कि, दोनों देशों के बीच जब संघर्ष चल रहा था तब भारतीय सेना से मार खा रही पाकिस्तानी सेना लगातार बॉर्डर से लगे रिहायशी इलाको को निशाना बना रहा था। लेफ्टिनेंट जनरल राहुल ने कहा कि हमारे पास एक सीमा थी और दो विरोधी थे, वास्तव में तीन। पाकिस्तान अग्रिम मोर्चे पर था और चीन हर संभव सहायता प्रदान कर रहा था।

पाकिस्तान के पास 81 फीसदी सैन्य हार्डवेयर चीन के

फिक्की की ओर से आयोजित 'न्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजीज' कार्यक्रम में बोलते हुए लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा, 'पाकिस्तान के पास 81 फीसदी सैन्य हार्डवेयर चीन के हैं। चीन अपने हथियारों का टेस्ट अन्य हथियारों के विरुद्ध करने में सक्षम है, इसलिए यह उनके लिए एक लाइव लैब की तरह है। तुर्किए ने भी इस प्रकार की सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब डीजीएमओ स्तर की वार्ता चल रही थी, तो पाकिस्तान को चीन से हमारे महत्वपूर्ण वेक्टरों के बारे में लाइव अपडेट मिल रहे थे। हमें एक मजबूत एयर डिफेंस की जरूरत है।'

ऑपरेशन सिंदूर से कुछ सबक मिले- भारतीय सेना

उन्होंने कहा, 'एक पंच तैयार था। पाकिस्तान को एहसास हुआ कि अगर वह छिपा हुआ पंच काम कर गया, तो उनकी हालत बहुत खराब हो जाएगी। इसलिए उन्होंने युद्ध विराम की मांग की।' वहीं, लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले करने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की जमकर तारीफ की। उन्होंने टारगेट चयन, योजना में रणनीतिक संदेश, टेक्नोलॉजी और ह्यूमन इंटेलीजेंस के इंटीग्रेशन पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर से कुछ सबक मिले हैं। नेतृत्व की ओर से रणनीतिक संदेश स्पष्ट था। कुछ साल पहले की तरह दर्द को सहने की कोई गुंजाइश नहीं है। लक्ष्यों की प्लानिंग और चयन बहुत सारे डेटा पर आधारित था जो टेक्नोलॉजी और ह्यूमन इंटेलीजेंस जानकारी का उपयोग करके एकत्र किया गया था।

तिब्बत के मुद्दे पर बोलने में सावधानी बरते भारत : दलाई लामा

एजेंसी, बीजिंग

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को दलाई लामा के उत्तराधिकारी को चुनने की प्रक्रिया पर अपना बयान दिया था। अब इस पर चीन की प्रतिक्रिया आई है। चीन ने कहा है कि भारत को तिब्बत से जुड़े मुद्दों पर बयान देने में सावधानी बरतनी चाहिए, जिससे इसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर न पड़े।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भारत को 14वें दलाई लामा की चीन विरोधी और अलगाववादी व्यवहार के बारे में पता होना चाहिए और शिजांग (तिब्बत) से जुड़े मुद्दों पर अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को अपने शब्दों और कार्यों में सावधानी बरतनी चाहिए।

उत्तराधिकारी चुनने में चीन चलाना चाहता है अपनी मर्जी

बता दें कि चीन तिब्बत को शिजांग कहता है। 14वें दलाई लामा ने अपना उत्तराधिकारी चुनने के लिए 2015 में अपने कार्यालय द्वारा स्थापित गादेन फोडरंग ट्रस्ट को अधिकार दिया हुआ है। वहीं चीन इस मामले में अपना दखल रखना चाहता है और उसका कहना है कि उत्तराधिकारी चुनने की प्रक्रिया चीन की सरकार की नीतियों के तहत पूरी की जाए।

किरेन रिजिजू का बयान भारत की तरफ से इस मुद्दे पर पहली प्रतिक्रिया है। उन्होंने कहा था कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी पर फैसला स्थापित संस्था तिब्बती बौद्धों के नेता द्वारा ही लिया जाएगा, किसी और द्वारा नहीं। चीन ने कहा है कि भारत को शिजांग से जुड़े मुद्दों पर चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना बंद करना चाहिए, जिससे चीन-भारत संबंधों के सुधार और विकास पर इसका असर न पड़े।

केंद्र सरकार के दो मंत्री किरेन रिजिजू और राजीव रंजन सिंह 6 जुलाई को धर्मशाला में दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। लेकिन मंत्री की तरफ से कहा गया है कि जन्मदिन समारोह एक धार्मिक समारोह है और इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है।

भूस्खलन से किरंदुल-विशाखापत्तनम रेल लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही ठप्प

जगदलपुर (प्रतिदिन राजधानी)

ओडिशा के कोरापुट जिले के पास मल्लीगुड़ा और जराटी स्टेशनों के बीच हुए भूस्खलन ने किरंदुल-विशाखापत्तनम रेल लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही को ठप कर दिया है. बुधवार से ही जगदलपुर से चलने वाली यात्री और मालगाड़ियां प्लेटफॉर्म पर ही खड़ी हैं.

भूस्खलन की वजह से पटरी पर पड़े मलबे को हटाने के लिए रेलवे करीब 300 श्रमिकों और 13 आधुनिक मशीनों की मदद से लगातार काम में जुटा है. वाल्टेयर मंडल के डीआरएम ललित बोहरा और रायगड़ा मंडल के डीआरएम अमिताभ सिंघल मौके पर निगरानी कर रहे हैं. दो दिन से जारी इस अभियान में बारिश के कारण दिक्कतें आ रही हैं, जिससे काम की रफ्तार धीमी पड़ गई है.

बताया गया है कि पहाड़ी से एक बड़ा बोल्डर और मलबा खिसककर सीधे ट्रैक पर आ गिरा है, जिससे पटरी पूरी तरह जाम हो गई. सुरक्षा को देखते हुए रेलवे ने एहतियातन 10 यात्री ट्रेनों को रद्द कर दिया है. साथ ही जगदलपुर से पुरी जाने वाली रथयात्रा स्पेशल ट्रेन को अब कोरापुट से रवाना किया जाएगा.

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले संबंधित हेल्पलाइन या वेबसाइट से अपडेट जरूर लें. वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के. संदीप ने कहा है कि स्थिति की नियमित निगरानी हो रही है, लेकिन सेवा कब तक शुरू होगी इसका स्पष्ट अनुमान अभी नहीं दिया जा सकता।

रद्द ट्रेनें
- जगदलपुर-राउरकेला इंटरसिटी
- जगदलपुर-भुवनेश्वर हीराखंड एक्सप्रेस
- विशाखापत्तनम-किरंदुल पैसेंजर
- किरंदुल-विशाखापत्तनम पैसेंजर
- हावड़ा-जगदलपुर समलेश्वरी
- जगदलपुर-हावड़ा समलेश्वरी
- विशाखापत्तनम-किरंदुल एक्सप्रेस
- किरंदुल-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस
- जगदलपुर-पुरी रथयात्रा स्पेशल

रायपुर में बोर खनन पर लगी रोक हटी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में लगाए गए बोर खनन पर प्रतिबंध को अब हटा लिया गया है। मानसून की सक्रियता और वर्षा की शुरुआत के साथ रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने 1 जुलाई को यह आदेश जारी किया। इससे अब आम लोग फिर से बोरिंग करवा सकेंगे।

बता दें कि 1 अप्रैल 2025 से रायपुर जिले में पेयजल संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत बोर खुदाई पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इस दौरान केवल अत्यावश्यक स्थितियों में ही कलेक्टर की अनुमति से बोरिंग की जा सकती थी। बिना अनुमति के बोरिंग कराने पर जुर्माने और कानूनी कार्रवाई का प्रावधान था।

हालांकि, प्रतिबंध हटने के बाद भी प्रशासन ने यह साफ किया है कि बोर खनन के दौरान सभी निर्धारित तकनीकी और कानूनी नियमों का पालन जरूरी होगा। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि अगर उनके पास पहले से जलस्रोत उपलब्ध है तो अनावश्यक बोरिंग से बचें, ताकि भूजल संतुलन कायम रह सके।

समुदायों के विरोध के बाद वन विभाग ने FRA को लेकर जारी किया गया आदेश लिया वापस

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वन विभाग ने जनसंगठनों के विरोध के बाद उस आदेश को वापस ले लिया है जिसमें ग्राम सभाओं के सामुदायिक वन संसाधन अधिकारों (CFRR) के क्रियान्वयन में खुद को नोडल एजेंसी घोषित कर दिया था। जिसे व्यापक स्तर पर वन अधिकार कानून, 2006 का उल्लंघन माना गया। वन विभाग के 15 मई को जारी इस आदेश पर जन संगठनों ने आपत्ति जताई थी, और साफ कर दिया था कि ग्रामसभाओं के अधिकारों से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नोडल एजेंसी को बताया टंकण त्रुटि

इस संबंध में जारी एक नये पत्र में वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि 15 मई और 23 जून 2025 को जारी दोनों पत्रों को वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार औपचारिक रूप से वापस लिया गया है। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि पूर्ववर्ती आदेश में नोडल एजेंसी शब्द एक टंकण त्रुटि थी, जिसे बाद में समन्वयक के रूप में संशोधित किया गया था।

हालांकि, विभाग यह भी दोहराता है कि CFRR योजनाओं का क्रियान्वयन राष्ट्रीय वर्किंग प्लान कोड, 2023 के अनुरूप किया जाना चाहिए, और इसी कारण फील्ड अधिकारियों को परामर्श जारी किया गया था।

वनाधिकार कार्यकर्ताओं ने जन संगठनों की जीत बताया

छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन के आलोक शुक्ला और छत्तीसगढ़ वनाधिकार मंच के अनुभव शोरी ने वन मंत्री के हस्तक्षेप से आदेश की वापसी का स्वागत करते हुए इसे जन संगठनों और ग्रामसभाओं की एकता और प्रतिरोध की जीत बताया। नए आदेश पर संतोष जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि हम आशा रखते है कि भविष्य में, समुदायों और ग्रामसभाओ के अधिकारों पर कुठाराघात करने की विभाग दोबारा चेष्टा नहीं करेगा।

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी
सांप डसे तो झाड़-फूंक में न गवाएं समय, तुरंत पहुंचे अस्पताल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बरसात का मौसम शुरू होते ही बारिश के पानी का सांप, बिच्छुओं व अन्य जंतुओं के बिलों में भर जाने के कारण ये सुरक्षित स्थान की तलाश में अक्सर बाहर आ जाते हैं। भोजन की खोज में ये घरों में घुस जाते हैं जिससे लोगों को इसके द्वारा काटे जाने का खतरा बढ़ जाता है। सर्पदंश जानलेवा भी हो जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादातर लोग सर्पदंश के मामले में चिकित्सा विज्ञान पर विश्वास नहीं करते और बैगा-गुनिया से झाड़-फूंक कराते हैं। सर्पदंश के शिकार लोग अंधविश्वास व अज्ञानता के कारण असमय काल-कवलित हो जाते हैं।

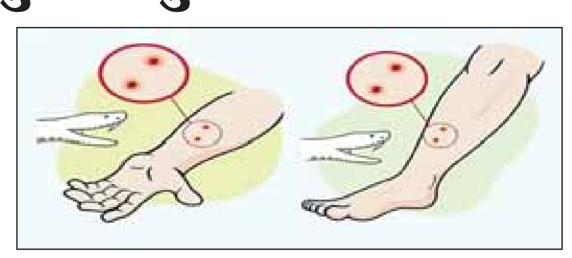

बेमेतरा जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सर्पदंश की स्थिति में बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत रोहडेलकर ने बताया कि झाड़-फूंक से सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति की जान नहीं बचाई जा सकती है। अंधविश्वास के कारण ग्रामीण सर्पदंश के मामलों में झाड़-फूंक में समय नष्ट कर मरणासन्न स्थिति में पीड़ितों को चिकित्सालय लाते हैं जिस कारण पीड़ितों का जीवन बचाने में चिकित्सक भी असफल रहते हैं। उन्होंने बताया कि बेमेतरा के ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश के मामलों में बचाव के लिए जनसामान्य में जागरूकता लाने विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। बेमेतरा जिला चिकित्सालय और विकासखण्ड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सर्पदंश के निःशुल्क इलाज के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाईयां (एण्टी स्नेक वेनम) उपलब्ध हैं।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक बंसोड़ ने सर्पदंश के प्रकरणों में कमी लाने और इससे बचाव के उपायों पर कहा कि अगर आप घर से बाहर जा रहे हैं और उस क्षेत्र में पर्याप्त रोशनी नहीं है, तो अपने साथ टार्च अवश्य रखें तथा जूते जरूर पहनें। घरों में प्रकाश की समुचित व्यवस्था बनाए रखें। घरों में कूड़े-करकट का ढेर लगाकर न रखें। शयन कक्ष में भोजन सामग्री, धान आदि न रखें।

सब-लेफ्टिनेंट आस्था पुनिया बनीं नौसेना की पहली महिला फाइटर पायलट

एजेंसी, नई दिल्ली

सब-लेफ्टिनेंट आस्था पुनिया भारतीय नौसेना की पहली महिला फाइटर पायलट बन गई हैं। वे ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला हैं। आस्था पुनिया अब मिग-29 जैसे फाइटर जेट उड़ाएंगी। नौसेना ने इसको लेकर सोशल मीडिया पर भी जानकारी दी है।

बता दें कि इंडियन नेवी के टोही विमान और हेलीकॉप्टर स्ट्रीम में महिला पायलट पहले से हैं। हालांकिआस्था लड़ाकू विमान उड़ाएंगी। नौसेना देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाती है। अब आस्था की भूमिका भी इसमें और ज्यादा बढ़ जाएगी।

इंडियन नेवी ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर की है. इसमें आस्था पुनिया की तस्वीर को भी शामिल किया गया है। नेवी ने पोस्ट में लिखा, नेवल एविएशन में एक नया अध्याय जुड़ गया है। भारतीय नौसेना ने 03 जुलाई 2025 को इंडियन नेवल एयर स्टेशन में द्वितीय बेसिक हॉक कन्वर्जन कोर्स के समापन के साथ एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया। लेफ्टिनेंट अतुल कुमार ढुल और एसएलटी आस्था पुनिया को रियर एडमिरल जनक बेवली, एसीएनएस (वायु) से प्रतिष्ठित 'विंग्स ऑफ गोल्ड' पुरस्कार प्राप्त हुआ।

मुख्यमंत्री साय ने वॉटर वुमन शिप्रा पाठक का किया सम्मान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 'वॉटर वुमन' के नाम से विख्यात शिप्रा पाठक ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने शिप्रा पाठक के पर्यावरण संरक्षण और विशेष रूप से सिंदूर पौधरोपण को जन-जन तक पहुंचाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उन्होंने शिप्रा पाठक को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि शिप्रा पाठक ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए किए गए कार्यों के लिए व्यापक स्तर पर पहचान प्राप्त की है। उनके नेतृत्व में पौधरोपण अभियान ने न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया है, बल्कि आम लोगों को पेड़ लगाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित भी किया है।इस अवसर पर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रोफेसर हरिशंकर सिंह भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिप्रा पाठक के पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए गए कार्य समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि छत्तीसगढ़ सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और ऐसे प्रयासों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

न्यायालय नायब तहसीलदार, तहसील- मंदिर हसौद, जिला- रायपुर (छ.ग.)

-: ईश्तहार :-

रा.प्र.क्र.- ...... /अ-6(अ)/2024-25
ग्राम-कुहेरा, प.ह.नं.- 25,
रा.नि.मं.- पलौद,
तहसील- मंदिर हसौद, जिला- रायपुर

एतद् आपको सूचित किया जाता है कि, आवेदक मंजू साहू पति संतोष साहू, निवासी ग्राम-रायपुर, तहसील व जिला रायपुर के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है कि ग्राम- कुहेरा, प.ह.नं.- 25, रा.नि.मं.- पलौद, तहसील- मंदिर हसौद, जिला- रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 701/2 का भाग रकबा 0.023 हे. भूमि को आवेदक के द्वारा पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 17.02.2016 के माध्यम से क्रय किया गया है, जिसका नामांतरण क्रमांक 30 आदेश दिनांक 26.04.2016 है। परंतु वर्तमान राजस्व ऑनलाईन अभिलेख में आवेदित भूमि विक्रेता के नाम पर दर्ज चला आ रहा है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि के वर्तमान ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में अपना नाम दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को दावा आपत्ति को तो वे इस न्यायालय मे दिनांक 18/07/2025 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 02/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
मंदिर हसौद (छत्तीसगढ़)

न्यायालय तहसीलदार, मंदिर हसौद, जिला- रायपुर (छ.ग.)

-: ईश्तहार :-

क्रमांक/वाचक/तह./2025
मंदिर हसौद, दिनांक 04.07.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अमिता चतुर्वेदी पति यशवंत चतुर्वेदी, निवासी-गोकुल नगर, गली नं.-1 गुलमोहर पार्क के पास, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है, कि ग्राम-कुहेरा, प.ह.नं.-25, रा.नि.मं. मंदिर हसौद, तहसील-मंदिर हसौद, जिला-रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 658 का भाग 0.022 हे. भूमि को आवेदक के द्वारा पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 06.02.2016 के द्वारा विक्रेता अश्वनी एवं अन्य से क्रय किया गया है जिसको आनलाईन अभिलेख में दुरूस्त करना चाहता है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि के आनलाईन अभिलेख में अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति का दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 18.07.2025 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत अवधि के बाद दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अतः यह ईश्तहार आज दिनांक 04.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर
तहसीलदार
मंदिर हसौद (छत्तीसगढ़)

न्यायालय तहसीलदार, मंदिर हसौद, जिला- रायपुर (छ.ग.)

-: ईश्तहार :-

क्रमांक/वाचक/तह./2025
मंदिर हसौद, दिनांक 04.07.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक चमेली भुवाल पति विरेन्द्र भुवाल, निवासी-गोपाल नगर, राम नगर, वार्ड नं.-18, नेहरू चौक, गुढ़ियारी रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है, कि ग्राम-कुहेरा, प.ह.नं.-25, रा.नि.मं.-मंदिर हसौद, तहसील-मंदिर हसौद, जिला-रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 658 का भाग 0.022 हे. भूमि को आवेदक के द्वारा पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 06.02.2016 के द्वारा विक्रेता अश्वनी एवं अन्य से क्रय किया गया है जिसको आनलाईन अभिलेख में दुरूस्त करना चाहता है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि के आनलाईन अभिलेख मे अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति का दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 18.07.2025 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत अवधि के बाद दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अतः यह ईश्तहार आज दिनांक 04.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर
तहसीलदार
मंदिर हसौद (छत्तीसगढ़)

न्यायालय तहसीलदार, मंदिर हसौद, जिला- रायपुर (छ.ग.)

-: ईश्तहार :-

क्रमांक/वाचक/तह./2025
मंदिर हसौद, दिनांक 04.07.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक मीना साहू पति स्व. भागवत प्रसाद साहू एवं अन्य 01, निवासी-अयोध्या नगर, कृष्णा नगर, राम नगर, महात्मा गांधी स्कूल के पास, गली नं.-6, गुढ़ियारी, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है, कि ग्राम-कुहेरा, प.ह.नं.-25, रा.नि.मं. मंदिर हसौद, तहसील-मंदिर हसौद, जिला-रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 701/2 का भाग 0.022 हे. भूमि को आवेदक के द्वारा पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 06.02.2016 के द्वारा विक्रेता बोधन जांगडे पिता शेखू जांगडे से क्रय किया गया है जिसको आनलाईन अभिलेख मे दुरूस्त करना चाहता है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि के आनलाईन अभिलेख मे अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति का दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 18.07.2025 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत अवधि के बाद दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अतः यह ईश्तहार आज दिनांक 04.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर
तहसीलदार
मंदिर हसौद (छत्तीसगढ़)

न्यायालय तहसीलदार, मंदिर हसौद, जिला- रायपुर (छ.ग.)

-: ईश्तहार :-

क्रमांक/वाचक/तह./2025
मंदिर हसौद, दिनांक 04.07.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक मंजू लोधी पति किशोर लोधी, निवासी-राम कृष्ण मंदिर के पास, राम नगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है, कि ग्राम-कुहेरा, प.ह.नं.-25, रा.नि.मं. मंदिर हसौद, तहसील-मंदिर हसौद, जिला-रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 658 का भाग 0.022 हे. भूमि को आवेदक के द्वारा पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 06.02.2016 के द्वारा विक्रेता अश्वनी एवं अन्य से क्रय किया गया है जिसको आनलाईन अभिलेख मे दुरूस्त करना चाहता है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि के आनलाईन अभिलेख मे अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति का दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 18.07.2025 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत अवधि के बाद दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अतः यह ईश्तहार आज दिनांक 04.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर
तहसीलदार
मंदिर हसौद (छत्तीसगढ़)

न्यायालय नायब तहसीलदार, तहसील- मंदिर हसौद, जिला- रायपुर (छ.ग.)

-: ईश्तहार :-

रा.प्र.क्र.- ...... /अ-6(अ)/2024-25
ग्राम-कुहेरा, प.ह.नं.- 25,
रा.नि.मं.- पलौद,
तहसील- मंदिर हसौद, जिला- रायपुर

एतद् आपको सूचित किया जाता है कि, आवेदक ओम प्रकाश साहू पिता संतोष साहू, निवासी ग्राम- रायपुर, तहसील व जिला रायपुर के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है कि ग्राम- कुहेरा, प.ह.नं.- 25, रा.नि.मं.- पलौद, तहसील- मंदिर हसौद, जिला- रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 701/2 का भाग रकबा 0.02 हे. भूमि को आवेदक के द्वारा पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 17.02.2016 के माध्यम से क्रय किया गया है, जिसका नामांतरण क्रमांक 46 आदेश दिनांक 26.04.2016 है। परंतु वर्तमान राजस्व ऑनलाईन अभिलेख में आवेदित भूमि विक्रेता के नाम पर दर्ज चला आ रहा है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि के वर्तमान ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में अपना नाम दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को दावा आपत्ति को तो वे इस न्यायालय मे दिनांक 18/07/2025 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 02/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
मंदिर हसौद (छत्तीसगढ़)

न्यायालय तहसीलदार, मंदिर हसौद, जिला- रायपुर (छ.ग.)

-: ईश्तहार :-

क्रमांक/वाचक/तह./2025
मंदिर हसौद, दिनांक 04.07.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सुखदेव कुमार पिता तुलसी राम साहू, निवासी- वार्ड नं.-03, पुनित शंकराचार्य स्कूल के पास, बडा अशोक नगर, गुढ़ियारी, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है, कि ग्राम-कुहेरा, प.ह.नं.-25, रा.नि.मं.-मंदिर हसौद, तहसील-मंदिर हसौद, जिला-रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 658 का भाग 0.027 हे. भूमि को आवेदक के द्वारा पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 20.10.2015 के द्वारा विक्रेता अश्वनी एवं अन्य से क्रय किया गया है जिसको आनलाईन अभिलेख में दुरूस्त करना चाहता है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि के आनलाईन अभिलेख में अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति का दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 18.07.2025 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत अवधि के बाद दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अतः यह ईश्तहार आज दिनांक 04.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर
तहसीलदार
मंदिर हसौद (छत्तीसगढ़)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-3, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

दिनांक 30/06/2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम कोटा प.ह.नं. 51 रा.नि.म. रायपुर 3, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि के संबंध में आवेदक मोहम्मद अबु इरफान पिता मोहम्मद अब्दुल गजनफा निवासी एम.आई.जी. 1/99, वार्ड 2, झंडा चौक कबीर नगर टाटीबंध, रायपुर द्वारा होम फस्ट फाईनेस कंपनी इंडिया लिमिटेड द्वारा प्राधिकृत अधिकारी परेश पमनानी पिता पुरूषोत्तम पमनानी निवासी प्रथम तल वो 2, रिंग रोड नंबर 2, रिलायंस पेट्रोल पंप के पीछे, भनपुरी द्वारा ग्राम कोटा प.ह.नं. 51, रा.नि.मं. रायपुर 3 तहसील व जिला रायपुर स्थित ख.न. 130/377 रकबा 1020 वर्गफुट भूमि का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 19/05/2025 के परिपालन में हमारे द्वारा दिनांक 07/07/2025 को समय 4.00 बजे पश्चात से किया जाना नियत है।

अतः उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामीगण तथा आसपास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर आवेदित खसरा नंबरों के संबंध में जो भी उजर, दावा या आपत्ति हो तो समक्ष में प्रस्तुत करे। सीमांकन पश्चात किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नही होगी। आपकी अनुपस्थिति में भी सीमांकन कार्य किया जा सकता है। तथा मौके पर अपने अपने पंजीकृत दस्तावेजों के साथ उपस्थित रहने का कृपा करें।

मुहर
राजस्व निरीक्षक
रायपुर-3, कोटा
तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-3, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

दिनांक 30/06/2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम कोटा प.ह.नं. 51 रा.नि.म. रायपुर 3, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि के संबंध में आवेदक केशव महानंद पिता सुदर्शन निवासी राठौर चौक हनुमान मार्केट रामसागरपारा, रायपुर द्वारा होम फस्ट फाईनेस कंपनी इंडिया लिमिटेड द्वारा प्राधिकृत अधिकारी परेश पमनानी पिता पुरूषोत्तम पमनानी निवासी प्रथम तल वो 2, रिंग रोड नंबर 2, रिलायंस पेट्रोल पंप के पीछे, भनपुरी द्वारा ग्राम कोटा प.ह.नं. 51, रा.नि.मं. रायपुर 3 तहसील व जिला रायपुर स्थित ख.न. 130/376 रकबा 1020 वर्गफुट भूमि का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 19/05/2025 के परिपालन में हमारे द्वारा दिनांक 07/07/2025 को समय 4.00 बजे पश्चात से किया जाना नियत है।

अतः उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामीगण तथा आसपास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर आवेदित खसरा नंबरों के संबंध में जो भी उजर, दावा या आपत्ति हो तो समक्ष में प्रस्तुत करे। सीमांकन पश्चात किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नही होगी। आपकी अनुपस्थिति में भी सीमांकन कार्य किया जा सकता है। तथा मौके पर अपने अपने पंजीकृत दस्तावेजों के साथ उपस्थित रहने का कृपा करें।

मुहर
राजस्व निरीक्षक
रायपुर-3, कोटा
तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -01 सिरपुर भवन व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)

ई-मेल-eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कालोनी वीर सावरकर नगर, हीरापुर रायपुर में एल.आई.जी. भवन योजना में से भवन / भूखण्ड क्रमांक एल.आई.जी.-1716, स्लाईस-03, कु. सरिका केशवानी पिता श्री शंकर लाल केशवानी को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। आबंटी / नामांतरी द्वारा दिनांक 06.05.2010 को विक्रय विलेख निष्पादित कर उक्त भवन के विक्रय हेतु उनके द्वारा दिनांक 06.06.2025 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा कु. सरिका केशवानी पिता श्री शंकर लाल केशवानी विवाह उपरांत महाराष्ट्र शासन के राजपत्र के रजिस्ट्रेशन नं. MPNCITY/236/2015-17 एवं NR-174711 माध्यम से विवाह उपरांत परिवर्तित नाम श्रीमती सिमरन अर्जुन मुखी पति श्री अर्जुन मुखी एवं क्रेता श्रीमती सुष्मिता कुमारी पटनायक पति श्री राजा पटनायक के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड / भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, रायपुर

न्यायालय तहसीलदार आरंग जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क. ब/121 वर्ष 2024-25
ग्राम- लखौली

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक की नीलकंठ निर्मलकर पिता श्री स्व इतवारीराम निर्मलकर ग्राम लखौली तहसील आरंग, द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपने पुत्री कु. श्वेता के जन्म दिनांक 05-02-2016 है, का पंजीयन कराने हेतु पंजीयक जन्म मृत्यु को आदेश जारी करने की मांग किया है, ताकि जन्म / मृत्यु का प्रमाण पत्र आवेदक को प्राप्त हो सकें।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 18-07-2025 तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 03-07-2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
आरंग (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)

ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID -rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./22342/न.पा.नि./जोन क्र.- 5/2025
रायपुर, दिनांक 02.07.2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 22342
वार्ड का नाम - 39-ठाकुर प्यारेलाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR560C00164 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RUKHAMANI BHANWAR पिता/पति श्री/श्रीमती SOBHA RAM BHANWAR के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती HARISH BAWANKAR पिता/पति श्री/श्रीमती SOBHARAM BAWANKAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)

ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID -rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./22341/न.पा.नि./जोन क्र.- 5/2025
रायपुर, दिनांक 02.07.2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 22341
वार्ड का नाम - 39-ठाकुर प्यारेलाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR569N00169 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती Abhay Pandurang Godase पिता/पति श्री/श्रीमती Pandurang Godase के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती 1. MADHU CHOUBEY W/O ARUN KUMAR CHOUBEY 2. FANISHCHOUBEY S/O ARUN KUMAR CHOUBEY 3. MANISH CHOUBEY S/O ARUN KUMAR CHOUBEY पिता/पति श्री/श्रीमती ... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)

मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./22415/न.पा.नि./ जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 04/07/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 22415
वार्ड का नाम -2- पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR802F00340 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ASHISH SHARMA पिता/पति श्री/श्रीमती KAILASHCHAND SHARMA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SUNITA SINGH पिता/पति श्री/श्रीमती SUJEET SINGH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर) जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर(छ.ग.)

तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा झलवारा-शहडोल रेलखंड का संरक्षा निरीक्षण

प्रतिदिन राजधानी, रायपुर

तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा बिलासपुर मंडल अंतर्गत झलवाराझशहडोल रेलखंड का व्यापक संरक्षा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा, परिचालन प्रणाली, स्टेशन विकास कार्यों एवं यात्री सुविधाओं की समग्र समीक्षा की गई । इस अवसर पर मुख्यालय के प्रधान विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण मंडल रेल प्रबंधक, बिलासपुर श्री राजमल खोईवाल सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं पर्यवेक्षकगण उपस्थित रहे।

इस दौरान महाप्रबंधक के द्वारा न्यू कटनी जंक्शन से झलवारा के मध्य विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया । झलवारा स्टेशन पर महाप्रबंधक महोदय ने यात्री सुविधाओं एवं संरक्षा मानकों का जायजा लिया। इसके उपरांत उन्होंने विलायतकलाँ रोडङ्कचंदिया रोड खंड में कर्व नंबर 22, एसईजे नंबर 17 तथा रेलवे मेजर ब्रिज क्रमांक 196 का गहन निरीक्षण कर गर्डर, ट्रैक और अन्य संरचनात्मक पहलुओं की समीक्षा की। चंदिया रोड स्टेशन पर साइडिंग निरीक्षण के साथ अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उमरिया स्टेशन में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित संरचनाओं, वेटिंग हॉल, प्लेटफॉर्म, यार्ड एवं पॉइंट्स का निरीक्षण किया गया। इंजीनियरिंग ट्रैक मशीन विभाग द्वारा स्मॉल ट्रैक मशीन के उपयोग का प्रदर्शन भी किया गया, जिसे महाप्रबंधक महोदय ने सराहा। इसी क्रम में उन्होंने नवनिर्मित रेलवे सुरक्षा बल बाहरी चौकी का उद्घाटन किया तथा समपार संख्या बीके-90 का निरीक्षण कर गेटमैन की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन किया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं मीडिया से भी यात्री सुविधाओं को लेकर संवाद किया गया।

ईरकभट्टी के बच्चों की आँखों में लौटी चमक, बंद स्कूल में फिर से गूंजे क, ख, ग..

प्रतिदिन राजधानी, रायपुर

कभी वीरान पड़ा था ये स्कूल.... दरवाजों पर ताले लटकते थे, कमरे धूल और सन्नाटे से भरे रहते थे। लेकिन आज वही ईरकभट्टी का प्राथमिक शाला बच्चों की चहचहाहट और पाठों की गूंज से फिर से जीवंत हो उठा है। अबुझमाड़ के इस सुदूर गांव में फिर से शिक्षा की लौ जल उठी है, जिसका श्रेय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार द्वारा संचालित 'नियद नेल्ला नार' योजना और युक्तियुक्तकरण की पहल को जाता है। बीते कुछ वर्षों में माओवादी गतिविधियों के चलते गांवों की रंगत फीकी पड़ गई थी। बच्चों के हाथों से किताबें छूट गई थीं, स्कूलों के आँगन सुनसान हो गए थे और मांदर की थाप भी खामोश हो गई थी। नारायणपुर जिले के ईरकभट्टी भी ऐसा ही एक गांव था, जहां लोग हर हाल में जीवन को संवारने की कोशिश करते थे, लेकिन शिक्षा जैसी बुनियादी जरूरत तक से वंचित थे। यहां के निवासी श्री रामसाय काकड़ाम कहते है कि पहले लगता था कि हमारे बच्चे शायद कभी स्कूल का नाम भी नहीं जान पाएंगे, लेकिन अब जब शिक्षकों की नियुक्ति हो गई है और स्कूल फिर से खुल गया है, तो लगता है मानो गाँव में फिर से जान लौट आई हो।

'नियद नेल्ला नार' यानी 'आपका अच्छा गांव' योजना ने ईरकभट्टी जैसे दूरदराज और संघर्षरत गांवों में एक नई उम्मीद जगाई है। सुरक्षा कैंपों के पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों में योजनाओं को प्रभावी तरीके से पहुँचाया जा रहा है। इसी क्रम में ईरकभट्टी में सड़क बनी, बिजली पहुंची और वर्षों से बंद पड़ा प्राथमिक स्कूल फिर से खुल गया। शासन के युक्तियुक्तकरण प्रयास से प्राथमिक शाला ईरकभट्टी में अब दो शिक्षक नियमित रूप से पदस्थ हैं। श्री अशोक भगत और श्रीमती लीला नेताम नामक शिक्षक यहां के बच्चों को पढ़ा रहे हैं। वे न केवल पठन-पाठन का कार्य कर रहे हैं, बल्कि अभिभावकों को भी प्रेरित कर रहे हैं कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजें।

मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता के पोस्टर का किया विमोचन

प्रतिदिन राजधानी, रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन किया। यह प्रतियोगिता 1 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक आयोजित की जा रही है। इसका प्रमुख उद्देश्य स्वदेशी परंपराओं के पुनरुद्धार पर आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनमानस में जागरूकता का वातावरण तैयार करना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी चुनौती है, जिससे निपटने के लिए भावी पीढ़ियों को जागरूक और संवेदनशील बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्कूली और महाविद्यालयीन छात्र इस अभियान में सहभागी होकर न केवल अपनी रचनात्मक क्षमताओं का विकास करेंगे बल्कि पारंपरिक जीवन मूल्यों और पर्यावरणीय संतुलन को भी मजबूत करेंगे। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण गतिविधि संस्थान के प्रतिनिधि श्री अक्षय अलकरी, श्री मनोहर चंदेल, श्री आनंद पांडे और डॉ. अनुज नारद सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

Notice u/s 72 of the Indian Partnership Act, 1932

It is hereby notified that a change has taken place in the constitution of Partnership Firm, namely "Sardar Products", Raipur whereby Shri Mahender Pal Singh retired from Partnership Firm and is not partner after 19th May, 2025.

Place: Raipur
Date: 30/05/2025

For, Sardar Products
(Partner)

कार्यालय सेनानी, प्रथम वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई

क्रमांक- प्रथम बटा/छसबल/भि/साअ/269-A/2025, दिनांक- 03/07/2025

निविदा विज्ञप्ति

प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई परिसर में एक नग महिला बैरक निर्माण कराने बाबत् मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। प्रत्येक निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/- (सात सौ पचास) तथा निविदा के अनुसार प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई परिसर में प्रशिक्षण बैरक प्रथम तल कराने हेतु सीलबन्द लिफाफे के उपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम/पता सहित कार्यालय में उचित माध्यम से जमा करें।

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित राशि	धरोहर राशि
1	प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई परिसर में एक नग प्रशिक्षण बैरक प्रथम तल कराने बाबत्	19,58,000/-	19580/-

निविदा प्रापत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र (आयकर प्रमाण पत्र संहित) के साथ रूपये 750/- कोषालय में लेखा शीर्ष 0055 पुलिस मिसलिनियस रिसिप्ट, 800 के अर्न्तगत सेनानी, प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई, जिला-दुर्ग छ.ग. के नाम से जमा कर चालान की मूल प्रति सेनानी, प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई, जिला-दुर्ग छ.ग. को प्रस्तुत कर कार्यालयीन दिवस में निविदा फार्म प्राप्त किये जा सकते है।

निविदा की समय सारणी

1	निविदा फार्म जमा करने का पता	कार्यालय, सेनानी प्रथम वाहिनी छसबल, भिलाई (छ.ग.)
2	निविदा फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 11.07.2025 को 17.00 बजे तक
3	निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 28.07.2025 को समय 12.00 बजे तक
4	टेक्निकल बिड जमा किये जाने का स्थान, समय एवं तिथि	कार्यालय, सेनानी प्रथम वाहिनी छसबल, भिलाई, (छ.ग.) दिनांक 28.07.2025 को समय 15.00 बजे तक
5	फायनेंसियल बिड खोले जाने का स्थान, समय एवं तिथि	पृथक से सूचित किया जावेगा
6	बिड की वैद्यता	31.03.2026 तक

नोट :- 01- किन्ही कारणों से यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित किया जाता है, तो दूसरे कार्यालयीन दिवस पर निविदा खोली जावेगी।

02- डाक द्वारा भेजा गया निविदा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

सेनानी,
प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई

G-252601988/3

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)

पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई-मेल:- rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 21732/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2025
रायपुर दिनांक 04/07/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21732
वार्ड का नाम - 10 - रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR227R00171 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती BHARATLAL THAKUR पिता/पति श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्री मनमोहन सिंह पिता / पति श्री/श्रीमती पिता स्व. भरत सिंह ठाकुर ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ shapath patr, sahmati patr, adhar card, mrityu praman patr/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 02)

शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID-rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं. / 22348/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 2/2025
रायपुर दिनांक 04/07/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 22348
वार्ड का नाम- 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR222H00043 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ASHISH , ARYAN KHANDELWAL पिता/पति श्री/श्रीमती SHYAMLAL KHANDELWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्री अमनदीप सिंह छाबड़ा पिता/पति श्री/श्रीमती पिता इन्दरजीत सिंह छाबड़ा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 2
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 04)

प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
Email ID-rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं. / 21545/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 4/2025
रायपुर दिनांक 04/07/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21545
वार्ड का नाम-64- डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 64 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR656C00148 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RAM BAI DEWANGAN पिता/पति श्री/श्रीमती LATE. SUNESHWAR के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती भारती देवांगन पिता/पति श्री/श्रीमती पति राम किशोर देवांगन ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ मलमा बिक्रीनामा/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 4
नगर पालिक निगम, रायपुर छ.ग.

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर 04 मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ: जिला रायपुर तहसील-रायपुर प.ह.न.-00073 देवपुरी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- RD 202425440725700154

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00073 के अंतर्गत ग्राम देवपुरी के वर्तमान भूमिस्वामी आफरीन पिता/पति-स्व. अब्दुल कलीम रिजवी पता-नेहरु नगर रायपुर नमरा रिजवी पिता/पति-स्व. अब्दुल कलीम रिजवी पता नेहरु नगर रायपुर , नाबा. मो. फराज रिजवी स्व. अब्दुल कलीम रिजवी पिता/पति-चली माँ आफरीन पति स्व.अ. कलीम पता-नेहरु नगर रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 221/6 (0.0190) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/केला मो. फराज रिजवी पिता/पति अब्दुल कलीम रिजवी पत्ता-नेहरु नगर रायपुर, नमरा रिजवी पिता/पति-अब्दुल कलीम रिजवी पता-नेहरु नगर रायपुर, आफरीन पिता/पति अब्दुल कलीम रिजवी पता-नेहरु नगर रायपुर के नाम पर पंजीयन/ फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 11/07/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय आतिरिक्त तहसीलदार 04 रायपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/06/2025 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार: Rakesh Dewangan
मुहर
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार नजूल रायपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202507114300002/215

मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:-अ-20(1) सन् : 2024-25
तेलीबांधा प.ह.न. 00064 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार राजेन्द्र सूद पिता स्व. सुदेश कुमार सूद
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेन्द्र सूद पिता स्व. सुदेश कुमार सूद. सरोजलता सूद पति स्व. सुदेश कुमार सूद निवासी आनंद नगर रायपुर द्वारा इस आशय से आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि तेलीबांधा स्थित नजूल भूमि प.ह.नं 113 खसरा नं. 68/1, 81/1, 305/1, 306/2 का भाग रकबा 1875 व. फु भूमि को शासन की नीति के तहत नवीनीकरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के समर्थन में आवेदन पत्र के साथ मेन्टनेंस खसरा एवं अन्य दस्तावेज की छायाप्रति के साथ आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्तागण के माध्यम से दिनांक 21/07/2025 को या उसके पूर्व कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक-07 किसी भी दिन न्यायालयीन समय पर उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 04/07/2025 को जारी किया जाता है।

CHANDRA Kumar SINHA
न्यायालय तहसीलदार नजूल
कलेक्ट्रेट परिसर
मुहर
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार नजूल रायपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202507114300003/216

मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:-अ-20(1) सन् : 2024-25
तेलीबांधा प.ह.न. 00064 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार दीनदयाल सोनी कलाकार
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीनदयाल सोनी कलाकार पिता केशव प्रसाद सोनी निवासी आनंद नगर रायपुर द्वारा इस आशय से आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि तेलीबांधा स्थित नजूल भूमि प.ह. नं 115 खसरा नं 84 1305 1. 205 2 का भाग आनलाईन प्लाट नं. 1001 25 रकबा 1500 व. फु भूमि को शासन की नीति के तहत नवीनीकरण न हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के समर्थन में आवेदन पत्र के साथ मेन्टनेंस खसरा एवं अन्य दस्तावेज की छायापनि के साथ आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्तारागा के माध्यम से दिनांक 2107 2025 को या उसके पूर्व कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक-07 किसी भी दिन न्यायालयीन समय पर उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

CHANDRA Kumar SINHA
न्यायालय तहसीलदार नजूल
कलेक्ट्रेट परिसर
मुहर
रायपुर (छ.ग.)

मंत्री ओ.पी.ने जीएसटी सुधारों पर रखा ठोस विजन

जीएसटी राजस्व संग्रहण विषय पर मंत्रियों के समूह (GoM) की बैठक आयोजित

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में जीएसटी कलेक्शन के संदर्भ में राज्य स्तर पर नियमित समीक्षा और डेटा आधारित निर्णय प्रक्रियाओं ने दिए सकारात्मक परिणाम - वित्त मंत्री चौधरी

प्रतिदिन राजधानी,रायपुर

देशभर में जीएसटी राजस्व संग्रहण को और अधिक पारदर्शी, तकनीक-सक्षम और प्रभावी बनाने के लिए गठित मंत्रियों के समूह (त्रश्वरू) की महत्वपूर्ण बैठक आज राजधानी दिल्ली में आयोजित हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने राज्य के अनुभव साझा किए और बोगस व्यवसायियों पर सख्त कार्रवाई, पंजीयन प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक के प्रयोग तथा फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट पर रोकथाम के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। इस समूह का संयोजन गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद पी. सावंत कर रहे हैं। बैठक में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने बतौर सदस्य भागीदारी की और राज्य के अनुभव एवं नीतिगत सुझाव साझा किए। बैठक का मुख्य उद्देश्य राजस्व संग्रहण में आ रही चुनौतियों का आकलन कर व्यापक समाधान तलाशना था।

बैठक के दौरान देश के विभिन्न राज्यों के वित्त मंत्रियों ने अपने-अपने राज्यों में जीएसटी के राजस्व पर पड़ने वाले आर्थिक व अन्य कारकों का विस्तार से विश्लेषण किया। इस अवसर पर चौधरी ने छत्तीसगढ़ में एंटी इवेजन और अनुपालन के क्षेत्र में की गई पहलों की जानकारी दी। ओ.पी. चौधरी ने बताया कि कर अपवंचन रोकने और वास्तविक करदाताओं को सहूलियत देने के लिए छत्तीसगढ़ में डाटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित टूल्स का सघन उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से राज्य के राजस्व में उल्लेखनीय बढ़ोतरी संभव हुई है। बैठक में बीफा, जीएसटी प्राइम और ई-वे बिल पोर्टल जैसी अत्याधुनिक प्रणालियों के प्रजेंटेशन भी हुए। चौधरी ने सुझाव दिया कि इन नवाचारों को पूरे देश में समान रूप से लागू करने से बोगस व्यवसायियों की पहचान और कार्यवाही में तेजी लाई जा सकेगी। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ने विशेष रूप से फर्जी बिलों पर नियंत्रण, फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट की रोकथाम, तथा पंजीकरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए केंद्रीयकृत डिजिटल तंत्र के विकास पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन उपायों से न केवल राजस्व बढ़ेगा बल्कि करदाताओं में विश्वास भी स्तर सकारात्मक परिणाम दिए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का अनुभव अन्य राज्यों के लिए उपयोगी मॉडल बन सकता है।

अपराध डायरी

महादेव के बाद अब लूडो-किंग पुलिस ने पकड़े मध्यप्रदेश के सट्टेबाज

प्रतिदिन राजधानी,रायपुर

शहर में पुलिस ने मध्यप्रदेश से आए सट्टेबाजों के एक गैंग को धर दबोचा है। इन सटोरियों ने पुलिस को चकमा देने के लिए लूडो किंग गेम का सहारा लिया और वाट्सऐप ग्रुप बनाकर ऑनलाइन सट्टा चलाया। पुलिस ने सरकंडा थाना क्षेत्र की स्वर्णिम इरा कॉलोनी में छापा मारकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस को मुखबिर से खबर मिली थी कि मध्यप्रदेश के कुछ युवक बिलासपुर में ऑनलाइन सट्टा चला रहे हैं। जांच में पता चला कि ये सट्टेबाज वाट्सऐप पर श्याम लूडो किंग नाम का ग्रुप बनाकर लूडो गेम के जरिए हार-जीत का दांव लगा रहे थे।

पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस की मदद से पुख्ता जानकारी जुटाई और स्वर्णिम इरा कॉलोनी में एक किराए के मकान पर छापा मारा। यहां मुख्य आरोपी राहुल छाबड़ा पकड़ा गया, जो मध्यप्रदेश के शहडोल का रहने वाला है। राहुल एक हफ्ते पहले ही बिलासपुर आया था और उसने अपने दोस्तों सुमित चंदवानी, ओमप्रकाश नगवानी और मोहित बर्मन के साथ मिलकर सट्टे का खेल शुरू किया।

ये लोग वाट्सऐप ग्रुप में सटोरियों को जोड़कर उन्हें खास कोड देते थे, जिसके जरिए ऑनलाइन लूडो प्लेटफॉर्म पर सट्टा खेला जाता था।

पुलिस ने आरोपियों के पास से पांच मोबाइल फोन जब्त किए, जिनमें करीब 20 लाख रुपये के लेनदेन और हिसाब-किताब के रिकॉर्ड मिले। सरकंडा पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है ताकि इस सट्टा नेटवर्क के और कनेक्शन का पता लगाया जा सके।

झूठी एफआईआर पर अपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग

प्रतिदिन राजधानी,रायपुर

बीते 19 जून को राजधानी में छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ एजुकेशन के खिलाफ सिविल लाइन्स थाने में एक झूठी एफ.आई.आर. दर्ज की गई है। अब इस एफ.आई.आर. के खिलाफ उ. म. डायोसिस ने काउंटर एफ. आई. एफ.आई.आर. दर्ज कराई है। इसकी शिकायत उप मुख्यमंत्री गृह विजय शर्मा एवं डी.जी.पी. से भी की गयी है।

छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ एजुकेशन की अध्यक्ष व राइट रेव. सुषमा कुमार, छत्तीसगढ़ डायोसिस के उपाध्यक्ष रेव समीर फ्रेंकलीन एवं प्रवक्ता डीकन मनशीश केजू ने पत्रकार वार्ता में बताया कि यशराज सिंग, बीनू बैनेट, अजय जॉन, की नागराजू एवं निलिमा रॉबिन्स आदि ने पुलिस प्रशासन की धोखे में रखकर पुराने दस्तावेजों के आधार पर झूठी एफ.आई.आर. दर्ज करवाई है। दरअसल जिस अवधि में पदाधिकारियों की वैधता को लेकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की गई है। उस अवधि में अजय जॉन कोषाध्यक्ष और , नागराजू स्वयं एजुकेशन बोर्ड में मेंबर थे।

श्री लॅरिन्स छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ एजुकेशन में पदाधिकारी हैं इसकी पुष्टि रजिस्ट्रार फर्म एण्ड सोसायटी के पंजीकृत दस्तावेजों से की जा सकती है। यशराज सिंग, बीनू बैनेट, अजय जॉन, व्ही. नागराजू, निलिमा रॉबिन्स आदि ने पुलिस को गुमराह कर षड्यंत्र पूर्वक सुनियोजित तरीके से सी.एस.पी. सिविल लाइन्स के जरिए थाना प्रभारी पच दबाव डालकर देश के संविधान के अनुसार अपराध किया है। इस वजह से हमने काउंटर एफ.आई. आर. कराई है। छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ एजुकेशन की ओर से इस मामले में छबि बिगाड़ने वालों के खिलाफ भी कार्यवाई की जाएगी।

महिला कर्मी के साथ रेप, गर्भपात कराने वाले को 10 साल कैद

प्रतिदिन राजधानी,रायपुर

दुकान में काम करने वाली महिला को बहला फुसलाकर उसके साथ रेप करने वाले आरोपी नबी आलम खान को फॉस्ट ट्रेक विशेष न्यायाधीश विनय कुमार प्रधान ने पॉक्सो मामले में 10 साल कैद की सजा सुनाई है। आरोपी है कि नबी आलम ने महिला कर्मी के साथ जबरन दुष्कर्म और गर्भपात कराया था।

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करता रहा

अभियोज पक्ष से विमला तांण्डी ने बताया कि घटना तीन साल पहले गुढ़ियारी क्षेत्र की है। पीड़िता मुर्रा भट्ठी स्थित लोकनाथ महराज के मकान में किराए पर रह रही थी, जहाँ अभियुक्त नबी आलम खान से उसकी पहली मुलाकात हुई थी। अभियुक्त ने उसे अपनी दुकान में नौकरी दी और बाद में मुर्रा भट्ठी में ही किराए का मकान दिलवाया।

पीड़िता ने आरोप लगाया है कि 15 जून 2022 को जब वह दुकान में अकेली थी, तब अभियुक्त ने शटर बंद कर जबरन संबंध बनाए और शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करता रहा। विरोध करने पर मारपीट भी करता था। पीड़िता मई 2023 में दो माह की गर्भवती हो गई, तब भी अभियुक्त ने शादी करने से इनकार कर जबरन गर्भपात कराने का दबाव डाला। पीड़िता के अनुसार, 9 सितंबर 2023 को भी नबी आलम उसके किराये के मकान में जबरन घुसकर शारीरिक संबंध बनाया। जब उसने शादी की बात की, तब उसने इंकार कर दिया। मामले की रिपोर्ट गुढ़ियारी पुलिस ने धारा 376(2)क एन, 313 आईपीसी एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(2)(1) के तहत मामला दर्ज कर नबी आलम को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने प्रकरण में आरोपी को फॉस्ट ट्रेक कोर्ट में पेश किया गया। जहा पर विशेष न्यायाधीश विनय कुमार प्रधान ने आरोपी को 10 साल कैद की सजा सुनाई है।

नाबालिग से रेप मामले में रिश्तेदार को सजा

प्रतिदिन राजधानी,रायपुर

रायपुर, उरला इलाके में 5 साल पहले किशोरी के साथ यौन शोषण मामले में अदालत ने फैसला सुनाया है। आरोपी शंकर चौधरी को धारा 376(2)(ढ), 376(2)(च), 506(2) और 323 के अंतर्गत दोषी पाए जाने पर 10 साल कठोर कारावास की सुनाई है। अभियोजन का मामला यह है कि वर्ष 2020 में 18 साल से कम उम्र की पीड़िता को उसके ही घर में आरोपी जो नाबालिग और उसकी मां के साथ रहता था। दोनों पर जबरन दबाव बना कर किशोरी के साथ दुष्कर्म करता था। विरोध करने पर मारपीट और धमकी देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। आरोपी पीड़िता का रिश्तेदार और संरक्षक है। किशोरी और उसकी मां ने उरला थाना जाकर रेप का मामला दर्ज कराई । पुलिस ने आरोपी शंकर चौधरी के खिलाफ 376(2)(ढ),(च) 506 (2) का अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पीड़िता सहित अन्य लोगों से पूछताछ किया गया। गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने शंकर चौधरी को दोषी करार देते हुए 10 की सजा से दंडित किया है। दोनों पर जबरन दबाव बना कर किशोरी के साथ दुष्कर्म करता था। विरोध करने पर मारपीट और धमकी देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। आरोपी पीड़िता का रिश्तेदार और संरक्षक है। किशोरी और उसकी मां ने उरला थाना जाकर रेप का मामला दर्ज कराई । पुलिस ने आरोपी शंकर चौधरी के खिलाफ 376(2)(ढ),(च) 506 (2) का अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पीड़िता सहित अन्य लोगों से पूछताछ किया गया। देते हुए 10 की सजा से दंडित किया है। दोनों पर जबरन दबाव बना कर किशोरी के आरोपी पीड़िता का रिश्तेदार और संरक्षक है। किशोरी और उसकी मां ने उरला थाना जाकर रेप का मामला दर्ज कराई । पुलिस ने आरोपी शंकर चौधरी के खिलाफ 376(2)(ढ),(च) 506 (2) का अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

चर्लापल्ली-रक्सौल-चर्लापल्ली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का चांदाफोर्ट एवं वड्सा स्टेशनों में ठहराव की सुविधा

प्रतिदिन राजधानी,रायपुर

गाड़ी संख्या 07051/07052 एवं 07005/07006 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए और उनकी यात्रा को सुगम बनाने के लिए चर्लापल्ली और रक्सौल के मध्य साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का चांदा फोर्ट एवं वडसा स्टेशन में ठहराव का निर्णय लिया गया है । दिनांक 05 जुलाई 2025 (प्रत्येक शनिवार) को गाड़ी संख्या 07051 (चर्लापल्ली-रक्सौल साप्ताहिक स्पेशल) और दिनांक 08 जुलाई 2025 (प्रत्येक मंगलवार) को गाड़ी संख्या 07052 (रक्सौल-चर्लापल्ली साप्ताहिक स्पेशल) एवं ठीक इसी प्रकार दिनांक 07 जुलाई 2025 (प्रत्येक सोमवार) को गाड़ी संख्या 07005 (चर्लापल्ली- रक्सौल साप्ताहिक स्पेशल) और दिनांक 10 जुलाई 2025 (गुरुवार) को संख्या 07006 (रक्सौलङ्कचर्लापल्ली साप्ताहिक स्पेशल) का चांदाफोर्ट एवं वड्सा स्टेशनों में ठहराव की सुविधा उपलब्ध रहेगी । उपरोक्त गाड़ी की चांदाफोर्ट एवं वड्सा मे ठहराव का विवरण ≂- दिनांक 05 जुलाई 2025 को चर्लापल्ली से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 07051 चर्लापल्ली-रक्सौल साप्ताहिक एक्सप्रेस का बल्हारशाह आगमन 03.10 बजे प्रस्थान 03.20 बजे, चांदाफोर्ट मे आगमन 03.34 बजे प्रस्थान 03.36 बजे, वड्सा आगमन 05.07 बजे प्रस्थान 05.09 बजे एवं गोंदिया आगमन 06.57 बजे प्रस्थान 07.07 बजे रहेगा । ठीक इसी प्रकार विपरीत दिशा से दिनांक 08 जुलाई 2025 को रक्सौल से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या गाड़ी संख्या 07052 रक्सौल-चर्लापल्ली साप्ताहिक एक्सप्रेस का गोंदिया आगमन 17.37 बजे प्रस्थान 17.47 बजे, वड्सा आगमन 19.07 बजे प्रस्थान 19.09 बजे, चंदाफोर्ट आगमन 20.39 बजे प्रस्थान 20.41 बजे एवं बलहारशाह आगमन 22.00 बजे प्रस्थान 22.10 बजे होगी ।

दिनांक 07 जुलाई 2025 को चर्लापल्ली से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 07005 चर्लापल्ली-रक्सौल साप्ताहिक एक्सप्रेस का बल्हारशाह आगमन 04.00 बजे प्रस्थान 04.10 बजे, चांदाफोर्ट मे आगमन 04.25 बजे प्रस्थान 04.27 बजे, वड्सा आगमन 06.20 बजे प्रस्थान 06.22 बजे एवं गोंदिया आगमन 07.50 बजे प्रस्थान 08.00 बजे रहेगा

सर्वर में गड़बड़ी से आबकारी आरक्षक भर्ती के हजारों अभ्यार्थी परीक्षा से वंचित

छत्तीसगढ़ आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा 2025, के लिए आवेदन प्रक्रिया में तकनीकी गड़बडी पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल चिंता जताई है। अभ्यार्थियों से प्राप्त आवेदन पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अभ्यार्थियों को हो रही समस्या के लिए व्यापम को पत्र लिखकर अवगत कराया है। 27 जुलाई को होने वाली भर्ती परिक्षा में 200 पदों के लिए परीक्षा आयोजित की गई है। इसके लिए 4 जून से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई। इसके लिए व्यापम ने अभ्यार्थियों के लिए अधिकारिक वेबसाई भी जारी किया है। लेकिन प्रदेशभर से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने इस पर आपत्ति जताई है।

सुषमा के स्नेहिल सृजन

मूसलाधार

अंबर से झरता यहाँ,
नीर मूसलाधार।
बीज डालते खेत में,
रोपड़ विविध प्रकार।
हरियाली सोहे धरा,
सुषमा' शुभ आषाढ़-
भूमिपुत्र हैं भीगते,
गरजे मेघ अपार।।
हल की धुन में झूमते,
माटी से है प्यार।
समुचित वृष्टि हो सदा,
करते करुण पुकार।
पग-पग पर श्रद्धा झरे,
अनुपम उनका कार्य-
खेत लबालब जल भरे,
माँगे नभ उपहार।।

सुषमा प्रेम पटेल ,रायपुर छ ग

खड़गे के दौरे को लेकर कांग्रेस मुख्यालय में बैठक

प्रतिदिन राजधानी,रायपुर

. कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 7 जुलाई को छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहे हैं. उनके दौरे को लेकर तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं. इसी कड़ी में शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में अहम बैठक आयोजित की गई. बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे. बैठक में खड़गे की प्रस्तावित सभा की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई.

प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में यह बैठक हुई. बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत, पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे मौजूद रहे. वहीं सह प्रभारी, प्रदेश प्रभारी महामंत्री, पूर्व मंत्री, विधायक और रायपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष भी शामिल हुए. इस बैठक में राष्ट्रीय

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दौरे और सभा को लेकर चर्चा की जा रही है. सभा को सफल बनाने के लिए गठित विभिन्न समितियों की आज दिनभर बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिनमें अब तक की तैयारियों की समीक्षा और आगे की रणनीति को लेकर निर्देश दिए जाएंगे.

बता दें कि बीते दिनों छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने राजीव भवन में बैठक ली थी. इस दौरान उन्होंने मैराथॉन बैठकों के बाद घोषणा की थी कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे 7 जुलाई को छत्तीसगढ़ दौरे पर आएंगे. इस दौरान विशाल रूप में किसान-जवान-संविधान सभा आयोजित की जाएगी.

पानी निकालने के लिए उच्च क्षमता वाले पंप लगाए

अंडर ब्रिज में पानी भरने की समस्या रोकने के लिए रेल कर्मियों ने किया तैयारी

प्रतिदिन राजधानी,रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल ने मानसून के समय रोड अंडर ब्रिज में आने वाली समस्या के समाधान के लिए आम जनमानस की सुविधा के हेतु सुगम आवागमन के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा रोड अंडर ब्रिज में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान हेतु विशेष कदम उठाए गए हैं । अंडर ब्रिज में जमा मिट्टी, कचरा एवं जल निकासी नालियों की गहन सफाई की गई है । जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए उच्च क्षमता के मोटर पंप लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से पानी को तुरंत बाहर निकाला जा सकेगा रायपुर रेल मंडल में स्थित लगभग 52 रोड अंडर ब्रिज है

जिसमें से 09 रोड अंडर ब्रिज राज्य शासन द्वारा रखरखाव किए जाते हैं। 43 रोड अंडर ब्रिज पर रायपुर रेल मंडल ने ब्रिज की आवश्यकता अनुसार 05 हॉर्स पावर से लेकर 20 हॉर्स पावर के प्रत्येक रोड अंडर ब्रिज पर 02 पंप लगाए हैं। जिससे रोड अंडर ब्रिज में पानी भराव की समस्या ना हो रोड अंडर ब्रिज को निर्माण करते समय ग्रेविटी फ्लो आफ वॉटर का ध्यान रखा जाता है जिससे पानी अंडर ब्रिज में नहीं ठहरता फिर भी तेज बारिश के समय पानी भराव होने पर पंप की सहायता से उसे निकाला जाता है जिससे रहागीरों को आवागमन में व्यवधान न हो एवं सुगम आवागमन संभव हो।

रायपुर रेल मंडल के क्षेत्र के अनुसार निर्मित रोड अंडर ब्रिज जैसे बलोदा बाजार, भाटापारा, बिल्हा, टोर , बरबंधा, नेहुरडीह, मांढर, टेकरी सन्यासीपारा, अमानाका, डुमरतलाब, उरला, सिरसा, सुपेला, भिलाई पावर हाउस, नेहरू नगर, रायपुर नाका, मंदिर हसौद लखोली के बीच अंडर ब्रिज सहित दुर्ग-दल्लीराजहरा क्षेत्र के रोड अंडर ब्रिज सहित अन्य रोड अंडर ब्रिज में भी उपरोक्त व्यवस्था लागू की गई है। संबंधित इंजीनियर/पर्यवेक्षकों को अंडर ब्रिज के पास संबंधित रेल कर्मी का नाम एवं फोन नंबर निर्देशित किया गया है।

इसके साथ ही रेलवे ट्रैक पर स्थित ब्रिजों पर पानी के लेवल की पेट्रोलिंग करने हेतु एवं ट्रैक पैरामीटर को दर्ज करने हेतु संबंधित इंजीनियर को निर्देशित किया गया है। मानसून में निर्बाध रेल सेवा सुनिश्चित करने के लिए सभी सेक्शनों के स्खलन होने वाले पहाड़ों, साइड ड्रेन, पुलों में पानी निकासी के रास्तों, पहाड़ों से आने वाली पानी के ड्रेन प्रणाली आदि का गहन निरीक्षण कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य कराया गया है । जलभराव वाले स्थानों पर पानी की निकासी हेतु पाइप लगाए गए हैं ।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ़) द्वारा निरंतर ऑपरेशन उपलब्ध अभियान चलाया जा रहा है

प्रतिदिन राजधानी,रायपुर/बिलासपुर

भारतीय रेलवे द्वारा रेल यात्रियों को आरक्षित बर्थ/ सीट के साथ आरामदायक यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु कई प्रकार की सुविधाएँ दी गई है । बिना रेलवे स्टेशन गए अपने आसपास ही कंप्यूटर एवं मोबाइल के माध्यम से यात्रा टिकट बूक करने हेतु ई-टिकट की सुविधा भी इन्ही में से एक है । इस सुविधा का लाभ भी रेल यात्रियों को मिल रहा है एवं इसे कम समय में काफी लोकप्रियता भी हासिल हुआ है । विगत कुछ समय से देश के प्रायः सभी जगहो से ई-टिकट की सुविधा में टिकट दलालो के द्वारा नियम विरुद्ध टिकटो की बूकिंग तथा कालाबाजारी की खबरे भी मिलती रही है । समय-समय पर रेलवे के वाणिज्य तथा रेलवे सुरक्षा बल विभाग के द्वारा छापेमारी कर इस मामले में संलिप्त व्यक्तियों पर कार्रवाई भी की जाती रही है ।

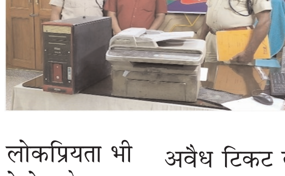

रेलवे सुरक्षा बल द्वारा रेलवे में यात्रा करने वाले व्यक्तियों को आसानी से रेलवे रिजर्वेशन टिकट उपलब्ध हो जाए । इसके लिए रेलवे सुरक्षा बल के द्वारा अवैध टिकट दलालो के विरूद्ध नकेल से अवैध टिकट दलालो के विरूद्ध प्रत्येक माह दो से तीन स्पेशल ड्राईव तीनो मण्डलों में अपराध गुप्तचर शाखा की टीम को शामिल करते हुए चलाया जा रहा

सम्पादकीय

मतदाता सूची सुधार अभियान कहीं लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन न बन जाए

इसमें कोई दोराय नहीं कि देश की लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत करने के लिए होने वाले चुनाव में सभी वैध मतदाताओं को मतदान का अधिकार होना चाहिए और नियम के मुताबिक अपात्र लोगों को मतदाता सूची से हटाया जाना चाहिए। इस दृष्टि से बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश के मायने समझे जा सकते हैं। सवाल है कि अगर इस सूची को दुरुस्त करने के क्रम में किसी मजबूरी या अन्य परिस्थितियों की वजह से वैसे लोग भी मतदान के अधिकार से वंचित हो जाते हैं, जो वास्तव में इसके हकदार हैं, तो इसकी जवाबदेही किस पर होगी। यह सही है कि समय-समय पर अलग-अलग वजहों से अपात्र हो चुके लोगों को मतदाता सूची से बाहर करने की जरूरत होती है। लेकिन अब नई परिस्थितियों में जिस तरह चुनाव आयोग ने सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया की शुरुआत की है, उसमें इस बात की आशंका खड़ी हो गई है कि क्या इसमें बड़ी तादाद में वैसे लोग भी मतदान के लिए अपात्र करार दिए जाएंगे, जिनके पास आयोग की ओर से मांगे गए दस्तावेज किन्हीं वजहों से उपलब्ध नहीं हैं! मतदाता सूची को त्रुटियों से रहित बनाने का काम निश्चित तौर पर संवैधानिक रूप से सही है, लेकिन विपक्षी दलों की ओर से इसके औचित्य पर सवाल उठाने के भी अपने आधार हैं। आयोग की ओर से इस सूची में बने रहने के लिए जिन स्वीकार्य दस्तावेजों को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है, बिहार के बहुत सारे लोगों को लिए यह एक बेहद मुश्किल काम होगा।

ऐसे लोगों की भी संख्या अच्छी-खासी होगी, जिनके पास खुद को सही साबित करने के लिए जरूरी दस्तावेज नहीं होंगे और अगर वे इन्हें नए सिरे से बनवाने के काम में लगेंगे तो इसके लिए समय की जरूरत होगी। जबकि बिहार में अक्तूबर में ही विधानसभा चुनाव होने हैं और मतदाता सूची को दुरुस्त करने के लिए महज एक माह का समय दिया गया है। स्वाभाविक ही इस समय के चुनाव पर भी सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में प्रक्रिया पूरी होने के बाद आयोग की ओर से विधानसभा चुनाव के लिए जो अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी, अगर उसमें शामिल होने के पात्र लोग किन्हीं वजहों से छूट गए, तो उनके दावों और आपत्तियों को निपटाने के लिए क्या व्यवस्था की जाएगी? यह छिपा नहीं है कि बिहार में एक बड़ी आबादी ऐसे गरीब और कम शिक्षित लोगों की है, जिनके पास सरकार की ओर से जारी आधिकारिक दस्तावेज नहीं होंगे। खासतौर पर जन्म पंजीकरण के मामले में काफी पीछे रहने की वजह से बहुत कम लोगों के पास जन्म प्रमाणपत्र हैं। हालांकि हाशिये के समुदायों के ज्यादातर लोगों की पहुंच आधार और राशन कार्ड तक है, जिनकी मांग आमतौर पर हर चीज के लिए की जाती है। मगर यह समझना मुश्किल है कि आखिर किन वजहों से इन्हें स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची से बाहर रखा गया है। निर्वाचन आयोग की ओर से भले ही यह कहा जा रहा है कि ज्यादातर लोगों को ताजा दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं होगी, लेकिन जितनी बड़ी संख्या में लोग इस दायरे में आएंगे, उनके लिए भी निर्धारित दस्तावेज जमा करना आसान नहीं होगा।

शोध एवं विकास की बाधाएं दूर होने की आस, बाजी पलटेगी आरडीआई योजना

उद्योग और अकादमिक जगत के बीच की कमजोर कड़ी से भी कंपनियों को अक्सर कुशल शोधार्थी नहीं मिल पाते और अत्याधुनिक शोध से वे दूर रह जाती हैं। तमाम भारतीय कंपनियों में कारपोरेट गवर्नेंस का स्तर भी एक बड़ा अवरोध है, जिसमें दीर्घकालिक क्षमता निर्माण पर तात्कालिक लाभ को तरजीह दी जाती है। चूंकि भारत में विज्ञान-केंद्रित स्टार्टअप्स के लिए गहन वेंचर कैपिटल (उद्यमों के लिए जोखिम पूंजी) इकोसिस्टम का अभाव है तो शुरुआती उड़ान भरने के लिए भी उन्हें वित्तीय ईंधन नहीं मिल पाता। नियामकीय अनिश्चितता और सीमित बौद्धिक संपदा समर्थन भी कंपनियों को शोध एवं निवेश में प्रयास बढ़ाने के प्रति हतोत्साहित करता है। परिणामस्वरूप भारत में शोध एवं विकास को संपदा से अधिक बोझ समझा जाता है। इस मोर्चे पर कायम विसंगतियों को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने एक जुलाई को रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन (आरडीआइ) योजना का एलान किया है।

आदित्य सिन्हा।

किसी देश को यदि दीर्घकालिक एवं स्थायी प्रकृति की आर्थिक प्रगति का लक्ष्य हासिल करना है तो उसके लिए शोध एवं विकास (आरएंडडी) में निवेश आवश्यक ही नहीं, अपितु अनिवार्य होता है। इतिहास ऐसी मिसालों से भरा हुआ है। ब्रिटेन की औद्योगिक क्रांति सुव्यवस्थित वैज्ञानिक अन्वेषण और पेटेंट अधिकारों को संहिताबद्ध करने की कवायद से प्रेरित थी, जिसने विभिन्न उद्योगों में नए आविष्कारों को प्रोत्साहित किया। बीसवीं सदी में महाशक्ति के रूप में अमेरिका के उभरने के पीछे विज्ञान को सरकारी नीतियों के केंद्र में रखने की अहम भूमिका थी। अमेरिका ने इस दौरान नेशनल साइंस फाउंडेशन और डिफेंस एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट एजेंसी-डारपा जैसे संस्थानों की स्थापना के साथ रक्षा, अंतरिक्ष और मेडिकल शोध में बड़े पैमाने पर निवेश किया। इसने एयरोस्पेस से लेकर इंटरनेट तक जैसे तमाम क्षेत्रों को नए आयाम दिए। हाल में चीन के उभार और विशेषकर एक प्रौद्योगिकी महाशक्ति के रूप में बनी उसकी पहचान में शोध एवं विकास को नीतियों के केंद्र में रखने की अहम भूमिका रही है। संभावनाशील अत्याधुनिक तकनीकों में चीनी सरकार और औद्योगिक क्षेत्र के निवेश ने बीजिंग को बढ़त दिलाई है। स्पष्ट है कि जिस देश ने विज्ञान को अपनी नीतियों के मूल में रखा, तो न केवल उसने समृद्धि के नए प्रतिमान गढ़े, बल्कि अपनी संप्रभुता का भी विस्तार किया। भारत के आरएंडडी परिदृश्य पर निवेश के सूखे को समाप्त करने के लिए सरकार ने हाल के वर्षों में भरसक प्रयास किए हैं। अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ), हाई-टेक क्षेत्रों के लिए विस्तारित उत्पादन आधारित प्रोत्साहन-पीएलआइ योजना से लेकर सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष और क्वांटम टेक्नोलाजी में निवेश विज्ञानोन्मुखी विकास की दिशा में गंभीर नीतिगत प्रतिबद्धता के प्रतीक हैं। हालांकि निजी क्षेत्र ने इसमें सही तालमेल नहीं दिखाया, जो जोखिम लेने का इच्छुक नहीं दिखता। अमेरिका, जापान और चीन जैसे देशों की शोध एवं विकास गतिविधियों में जहां निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत तक है, वहीं भारत में यह महज एक तिहाई के दायरे में सिमटा हुआ है। विकास की गति जिन कारणों से अपेक्षित रूप से तेजी नहीं पकड़ पा रही, उनमें से एक यह भी है। निजी क्षेत्र के इस सतर्कता भरे रवैये के पीछे के कारणों की पड़ताल करें तो पहला यही दिखता है कि तमाम कंपनियां उन प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों में सक्रिय हैं जहां लागत का पहलू बहुत मायने रखता है और उनमें मुनाफा भी बहुत ज्यादा नहीं होता। ऐसे में किसी दीर्घकालिक नवाचार से मिलने वाले लाभ को लेकर अनिश्चितता बनी रहती है।

एक लाख करोड़ रुपये की यह योजना भारत को वैश्विक नालेज एवं इनोवेशन केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिहाज से बाजी पलटने वाली साबित हो सकती है। इससे आरएंडडी निवेश की धारा में वित्तीय प्रवाह बढ़ेगा। इसमें कई उपयोगी प्रविधान किए गए हैं। जैसे नवाचार-केंद्रित परियोजनाओं के लिए निजी क्षेत्र को शून्य या बहुत कम ब्याज पर दीर्घकालिक ऋण या इक्विटी फंडिंग उपलब्ध कराई जाएगी। इससे उदीयमान क्षेत्रों से लेकर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए आवश्यक निवेश उपलब्ध हो सकेगा, जिससे क्वांटम टेक्नोलाजी, स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर और एयरोस्पेस जैसे तमाम क्षेत्रों में नई संभावनाएं साकार होंगी। आरडीआइ योजना के अंतर्गत वित्तीय संसाधन एक विशेष उद्देश्य कोष के माध्यम से द्वितीयक स्तर पर सक्रिय कोष प्रबंधकों को प्राप्त होंगे। ये प्रबंधक पूंजी को ऋण, इक्विटी या किसी अन्य रूप में डीप-टेक फंड को उपलब्ध कराएंगे। यह संस्थागत ढांचा रणनीतिक सुसंगति, जवाबदेही और दक्षता को सुनिश्चित करता है। हायर टेक्नोलाजी रेडीनेस लेवल्स (टीआरएल) के लिए स्पष्ट रूप से वित्तीय संसाधनों का प्रबंध करते हुए यह योजना भारतीय आरएंडडी परिदृश्य में उद्यमों का उस खतरनाक पड़ाव से बेड़ा पार लगाएगी, जहां अधिकांश उद्यम दम तोड़ देते हैं। इसमें उन उद्यमों पर विशेष ध्यान होगा, जिनकी तकनीक भारत की आर्थिक सुरक्षा एवं संप्रभुता की संरक्षा में सहायक होगी। विशेष रूप से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों एवं किसी देश द्वारा निर्यात नियंत्रण की दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण है। इस योजना में सरकार केवल संसाधन प्रदाता के रूप में ही नहीं, बल्कि एंकर निवेशक के रूप में भी एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाने जा रही है। इससे उन क्षेत्रों में भी निवेश का सवेरा होगा, जहां अभी तक निराशा का अंधेरा था।

पीएम मोदी की अफ्रीकी व दक्षिण अमेरिकी देशों की यात्रा से ग्लोबल साउथ को मिलेगी मजबूती, भारत की वैश्विक धमक बढ़ेगी

कमलेश पांडे।

जब वैश्विक पटल पर अमेरिका और चीन एक दूसरे पर पलटवार करने के लिए रूस के मित्र भारत को अपने-अपने खेमे में मिलाने के लिए तरह-तरह की भारत विरोधी चालें चल रहे हैं, वहीं भारत अपनी सधी चाल से रूस को भी हैरत में डालते हुए ग्लोबल साउथ यानी तीसरी दुनिया के देशों पर निरंतर अपनी पकड़ मजबूत करता जा रहा है। इसलिए पीएम नरेंद्र मोदी विगत 11 वर्षों से लगातार वैश्विक यात्रा कर रहे हैं और भारत की वैश्विक स्थिति को काफी मजबूती प्रदान कर चुके हैं। उनकी कोशिश है कि भारत दुनिया के गुटनिरपेक्ष देशों को एक सशक्त नेतृत्व प्रदान करे और अपने साथ साथ सभी देशों का आशातीत विकास करे। इससे सत्य व अहिंसा की वैश्विक भावना को भी मजबूती मिलेगी। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने 9 दिवसीय विदेश दौरे पर 2 जुलाई को घाना की राजधानी अकरा के लिए रवाना हो गए। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य भी भारत के वैश्विक साझेदारी को ग्लोबल साउथ और अटलांटिक के दोनों पक्षों के साथ संबंधों को मजबूत करना है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री की इस यात्रा में घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा शामिल हैं। पीएम मोदी ने इन देशों को भारत की विदेश नीति के लिए महत्वपूर्ण साझेदार बताया, जो ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और बहुपक्षीय सहयोग से जुड़े हैं। अपने इस विदेश यात्रा के दौरान पीएम मोदी अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के कई देशों की यात्रा करेंगे, जिसके अपने वैश्विक मायने हैं। इसके अलावा वह ब्राजील की मेजबानी में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी शामिल होंगे, जहां वह ग्लोबल साउथ से जुड़े मुद्दों को उठाएंगे। स्पष्ट है कि उनकी यह यात्रा ग्लोबल साउथ में भारत की धमक बढ़ाएगी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अफ्रीकी देश घाना की पहली द्विपक्षीय यात्रा की शुरुआत 2-3 जुलाई को की। वह पिछले तीन दशक में यहां आने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा के निमंत्रण पर मैं 2-3 जुलाई को घाना का दौरा करूंगा। घाना ग्लोबल साउथ में एक मूल्यवान साझेदार है और अफ्रीकी संघ और पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने निवेश, ऊर्जा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और विकास साझेदारी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि घाना की संसद में बोलना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।

बता दें कि घाना के राष्ट्रपति जान महामा 2015 में इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट के लिए भारत आए थे। वह जनवरी 2025 में तीसरी बार राष्ट्रपति चुने गए हैं। चूंकि घाना भारत को बड़े पैमाने पर वस्तुओं का निर्यात करता है और पश्चिम अफ्रीका की सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं में से वह एक है। लिहाजा दोनों देश व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। घाना से भारत के आयात में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी गोल्ड की है। प्रधानमंत्री मोदी महामा के साथ द्विपक्षीय भागीदारी की समीक्षा करने के साथ ही आर्थिक, ऊर्जा, रक्षा और विकास सहयोग के जरिये इसे और मजबूत बनाने के तौर-तरीकों पर बात करेंगे। वहीं, 3-4 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी त्रिनिदाद एवं टोबैगो की यात्रा करेंगे। क्योंकि कैरिबियाई द्वीप में रहने वाले कुल प्रवासी भारतीयों में से 40-45 प्रतिशत त्रिनिदाद एवं टोबैगो में रहते हैं। प्रधानमंत्री कमला परसाद बिसेसर और राष्ट्रपति क्रिस्टिनी कार्ला कंगालू दोनों ही भारतीय मूल के हैं। लिहाजा प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी की त्रिनिदाद एवं टोबैगों की यह पहली यात्रा होगी। पीएम मोदी ने कहा कि वह भारत के साथ गहरी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच जुड़ाव साझा करता है। उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू से मिलूंगा, जो इस साल के प्रवासी भारतीय दिवस की मुख्य अतिथि थीं और दूसरी बार कार्यभार संभालने वालीं प्रधानमंत्री कमला परसाद-बिसेसर से मुलाकात करूंगा। उल्लेखनीय है कि प्रवासी समुदाय के लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 180 साल पहले भारतीय पहली बार त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे थे। यह दौरा हमारे पुश्तैनी और रिश्तेदारी के विशेष बंधनों को नया जीवन देने का अवसर देगा। पीएम मोदी पोर्ट ऑफ स्पेन से ब्यूनस आयर्स जाएंगे, जो 57 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का अर्जेंटीना का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा। वहीं, 1999 के बाद भारतीय पीएम की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा भी होगी। क्योंकि पीएम मोदी ने नवंबर 2024 में गुयाना की यात्रा की थी। देखा जाए तो महज आठ माह में कैरेबियाई द्वीप की दूसरी यात्रा से इस बात का संकेत मिलता है कि भारत इस क्षेत्र को कितनी अहमियत दे रहा है। बता दें कि करीब 180 वर्ष पहले भारतीय प्रवासी यहां त्रिनिदाद एवं टोबैगो आए थे। दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं और वित्त वर्ष 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 34.16 करोड़ डॉलर पहुंच गया। वहीं, 4-5 जुलाई को पीएम मोदी दक्षिणी अमेरिकी देश अर्जेंटीना की यात्रा करेंगे। गत 57 वर्ष में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। जहां वह अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेयी से मुलाकात के दौरान रक्षा, कृषि, खनन, तेल गैस और ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर बात करेंगे। अर्जेंटीना को लैटिन अमेरिका में एक प्रमुख आर्थिक साझेदार और जी20 में निकट सहयोगी बताते हुए उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रपति जेवियर माइली से मुलाकात का इंतजार कर रहा हूं, जिनसे मैं पिछले साल भी मिला था। हम कृषि, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, व्यापार, पर्यटन, प्रौद्योगिकी और निवेश जैसे क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को बढ़ाने पर ध्यान देंगे।

सनद रहे कि इससे पहले नवंबर, 2024 में ब्राजील में आयोजित जी20 समिट के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। भारत और अर्जेंटीना ने खनिज संसाधनों खास कर लीथियम के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया है। पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों की खपत कम करने और स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने में लीथियम की भूमिका बेहद अहम है। अर्जेंटीना भारत के लिए सोयाबीन और सूरजमुखी तेल का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है।

अपराधियों से निपटने में विफल नीतीश सरकार देगी हथियार लाइसेंस

योगेंद्र योगी।

राजनीतिक दल सत्ता प्राप्ति के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। इससे बेशक राज्य का चाहे कितना ही नुकसान क्यों ना हो। बिहार जैसा प्रदेश जो एक दौर में नस्लवाद और जातीय हिंसा के लिए कुख्यात रहा, अब भी अपराधों के मामले में पीछे नहीं हैं। बिहार में सत्ता में कोई भी राजनीतिक दल रहा हो, अपराधों से सभी का गहरा रिश्ता रहा है। बिहार में कानून-व्यवस्था हमेशा से एक चुनौती रही है। हालात यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने में नाकाम रही है। इसका सरकार ने आसान विकल्प खोज लिया है। वह यह है कि अब मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य जैसे जनप्रतिनिधि आत्मरक्षा के लिए लाइसेंसी हथियार रख सकेंगे। जिससे लगभग ढाई लाख जनप्रतिनिधियों को फायदा मिलेगा। राज्य के गृह विभाग ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को इस संबंध में आवेदनों की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश जारी किया है। बिहार में आगामी चंद महीनों बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में नीतिश सरकार के इस फैसले को चुनाव से जोड़ कर देखा जा रहा है। बिहार सरकार ने यह फैसला राज्य में पंचायत प्रतिनिधियों पर हमले और हत्याओं की बढ़ती घटनाओं के कारण लिया है। इसके विपरीत सच्चाई यही है कि ऐसा करके नीतिश सरकार ने ग्रामीण जनप्रतिनिधियों को साधने की कोशिश की है। यदि नीतिश कुमार के इस फैसले को पंचायत प्रतिनिधियों की सुरक्षा के हित में भी माना जाए तब यह प्रदेश में अपराध की हालत को दर्शाता है। जिस प्रदेश में जनप्रतिनिधी ही सुरक्षित नहीं हैं, वहां आम अवाम की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा। सवाल यह भी है कि लाखों की संख्या में हथियारों के लाइसेंस देने से क्या राज्य में हिंसा में बढ़ोत्तरी नहीं होगी। बिहार में यदि पुलिस तंत्र प्रभावी और मजबूत होता तो यह नौबत नहीं आती कि लाखों जनप्रतिनिधियों को हथियारों के लिए लाइसेंस दिया जाए। इससे जाहिर है कि मुख्यमंत्री नीतिश ने

अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के बजाए हथियारों के लाइसेंस देने का आसान विकल्प चुना है। बड़ा सवाल यह भी है कि जनप्रतिनिधी अपनी सुरक्षा हथियारों से कर लेंगे, किन्तु प्रदेश की अवाम का क्या होगा। मुख्यमंत्री नीतीश का यह फैसला दर्शाता है कि बिहार में कानून-व्यवस्था लगभग ध्वस्त हो चुकी है। बिहार पुलिस हिंसक अपराध के मामलों में आई तेजी है। बिहार में पिछले 10 वर्षों में राज्य में फर्जी शस्त्र लाइसेंस, अवैध बंदूक और गोला व बारूद की अनाधिकृत तौर पर बिक्री बढ़ी है और यह प्रदेश में बढ़ रही हिंसा की बड़ी वजह है। राज्य के अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने इस दिशा में एक अध्ययन भी किया है। बिहार पुलिस ने यह अध्ययन बिहार पुलिस के महानिदेशक विनय कुमार को सुपर्द किया। पुलिस ने राज्य में हिंसक अपराधों में वृद्धि को सीधे तौर पर राज्य में अवैध हथियारों और गोला-बारूद की बढ़ती बिक्री से जोड़ा है और हत्या, फिरौती के लिए अपहरण, डकैती, लूट, बैंक डकैती और सड़क डकैती जैसे अपराधों के लिए इसे जिम्मेदार माना है। एनसीआरबी (राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो) के अनुसार, बिहार 2017 से 2022 के बीच हिंसक अपराधों के मामले में लगातार शीर्ष पांच राज्यों में शुमार रहा है। इस अध्ययन में यह बात सामने आई कि प्रति वर्ष पटना में 82 हिंसा के मामले औसतन रूप से सामने आए हैं और राज्य की राजधानी हिंसा की राजधानी बन चुकी है। पटना के बाद क्रमशः मोतिहारी में 49.53, सारण 44.08), गया 43.50, मुजफ्फरपुर 39.93 और वैशाली में 37.90 मामले प्रति वर्ष औसतन दर्ज किए जा रहे हैं। हिंसक अपराधों की सबसे अधिक संख्या वाले शीर्ष 10 जिलों में पटना, मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, नालंदा और बेगूसराय शामिल हैं। ये उन शीर्ष 10 जिलों में से भी हैं जिनमें सबसे अधिक आर्म्स एक्ट के मामले हैं। अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि अवैध आग्नेयास्त्र और हिंसक अपराध के मामलों के बीच घनिष्ठ संबंध है। एक दशक के अपराधों के अध्ययन के आधार पर विशेष कार्य बल ने बिहार के डीजीपी से सिफारिश की है कि वे व्यक्तिगत गोला-बारूद कोटा को मौजूदा 200 से घटाकर न्यूनतम कर दें। साथ ही यह भी सिफारिश की गई है कि डीजीपी कार्यालय आग्नेयास्त्रों का उपयोग करने में असमर्थ मानता है, उनके लाइसेंस रद्द कर दे। लाइसेंस प्राप्त मिनीगन कारखानों की निगरानी करें। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में भारत में अपराधों के मामलों में शीर्ष पर उत्तर प्रदेश रहा। इसके बाद अपराधों के पायदान पर क्रमशः केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली और बिहार है। अपराधों की श्रेणी में चोरी के मामले सबसे ज्यादा दर्ज किए गए। इसके बाद दूसरे नंबर पर डकैती और उत्पीडऩ के मामले सामने आए।

मेष
आज का दिन मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। राजनीति में आप थोड़ा सोच समझकर कदम बढ़ाएं। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपकी बहसबाजी होने की संभावना है। आप किसी नए वाहन की खरीदारी कर सकते हैं। आपको अपने कर्जो को भी उतारने के बारे में सोचना होगा।

वृषभ
आज का दिन आपके लिए कोई निर्णय सोच समझकर लेने के लिए रहेगा। आप किसी से कोई वादा सोच समझकर करें। आप अपने घर के रेनोवेशन के बारे में सोच विचारकर सकते हैं। छोटे बच्चों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे।

मिथुन
आज का दिन आपके लिए बिजनेस के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको अपने करियर में अच्छा उछाल देखने को मिलेगा। आपको किसी काम को लेकर अक्समात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आपके कुछ मित्र आपके शत्रु बन सकते हैं, जिन्हें आपको पहचाना होगा।

कर्क
आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको अपने परिवार में किसी सदस्य से काम को लेकर सलाह लेनी होगी। आप वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधान रहकर करें। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा।

सिंह
आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। आपको किसी समस्या को छोटा नहीं समझना है और अपने कामों में ढील बिल्कुल न दें। आप अपने कामों को लेकर यदि लापरवाही दिखाएंगे, तो आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

कन्या
जीवनसाथी से किए हुए वादे को आपको समय रहते पूरा करने की आवश्यकता है। आप अपनी आवश्यकताओं को समय से निपटाने की कोशिश करेंगे और जीवनसाथी प्रेम जीवन जी रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपका कोई लेनदेन चुकता होगा।

तुला
आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने में लगे रहेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपको कोई बड़ी उपलब्धि मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें।

वृश्चिक
आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से कमजोर होने वाला है। आप अपने कामों पर ध्यान देंगे। आप अपनी शारीरिक समस्याओं को नजर अंदाज कर सकते हैं। उच्च अधिकारियों की कृपा आप पर बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपको मनमुताबिक काम मिल सकता है।

धनु
आपके ऊपर काम का बोझ अधिक रहेगा, लेकिन फिर भी आप मेहनत से पीछे नहीं हटेंगे, लेकिन आपको किसी सरकारी काम को लेकर समस्या खड़ी हो सकती है, जो आपकी किसी से सलाह लेकर ही समाप्त होगी। अविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है।

मकर
रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आज का दिन आपके लिए कठिनाइयों से भरा रहने वाला है। आपको किसी काम को पूरा करने में समस्या आएगी और प्रॉपर्टी को लेकर भी कोई डील अटक सकती है।

कुंभ
आज का दिन आपके लिए टेंशनों से भरा रहने वाला है। आपके मन में पारिवारिक समस्याओं को लेकर टेंशन भरपूर रहेगी। जीवनसाथी से आप अपने पारिवारिक बिजनेस को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आपको किसी प्रॉपर्टी संबंधित मामले को भी मिल बैठकर निपटाने की आवश्यकता है।

मीन
आज का दिन आपके लिए अक्समात लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपका कोई बिजनेस पार्टनर आपको धोखा दे सकता है, इसलिए आपको अपनी आंख व कान खुले रखने होंगे। आपका पूजा पाठ में खूब मन लगेगा। माताजी से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी होने की संभावना है।

राजेश मूणत ने जनता कॉलोनी में 65 लाख के कार्यों का किया भूमिपूजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विकास की गति को और तेज करते हुए विधायक राजेश मूणत ने आज जनता कॉलोनी गुढ़ीयारी में दो प्रमुख सामुदायिक भवन निर्माण कार्यों का विधिवत भूमि पूजन किया। इन कार्यों की कुल लागत 65 लाख रुपये है।

इस अवसर पर बालाजी कल्याण मंदिर परिसर (गुढ़ीयारी) में बनने वाले सामुदायिक भवन की लागत को 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने की घोषणा स्वयं विधायक मूणत ने की। वहीं एकता नगर, गुढ़ीयारी में दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर के पास 15 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन का भूमि पूजन भी उन्होंने ही किया।

विधायक मूणत ने कहा, गुढ़ीयारी जैसे ऐतिहासिक और घनी आबादी वाले क्षेत्र में सामाजिक और धार्मिक सुविधाओं को बेहतर बनाना हमारी प्राथमिकता है। सामुदायिक भवन क्षेत्रवासियों के लिए उपयोगी मंच होंगे।उन्होंने यह भी कहा कि महादेव घाट मंदिर परिसर को एक प्रमुख धार्मिक व पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए कारीडोर निर्माण की योजना पर तेजी से काम हो रहा है। खेल के क्षेत्र में युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए 20 से 30 बॉक्स क्रिकेट मैदान विकसित करने की योजना साझा करते हुए विधायक ने कहा कि उनका उद्देश्य है कि क्षेत्र के युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही खेल की बेहतर सुविधाएं मिलें।

इस अवसर पर विधायक मूणत ने यह भी घोषणा की कि वे जल्द ही जन चौपाल कार्यक्रम शुरू करेंगे, जिसके अंतर्गत वे *प्रत्येक वार्ड में स्वयं जाकर जनता से सीधा संवाद करेंगे और जो भी समस्याएं सामने आएंगी, उनका स्थल पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, मैं अपने क्षेत्र का सर्वांगीण विकास चाहता हूँ ङ्क शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, धार्मिक सुविधाएँ, यातायात और स्वच्छता जैसे हर क्षेत्र में। मेरा लक्ष्य रायपुर पश्चिम को छत्तीसगढ़ का सबसे संगठित और उन्नत विधानसभा बनाना है।

इस भूमि पूजन कार्यक्रम में रायपुर नगर निगम की महापौर मती मीनल चौबे और सभापति सूर्यकांत राठौर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। महापौर ने कहा कि नगर निगम और जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयास से क्षेत्र में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं, वहीं सभापति राठौर ने कहा कि सामुदायिक भवन सामाजिक संवाद और समरसता के सशक्त मंच होंगे।

कार्यक्रम में पार्षदगण, मंदिर समिति के सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। यह भूमि पूजन गुढ़ीयारी क्षेत्र में विकास की नई शुरुआत का प्रतीक बन गया है।

नए बच्चे के जन्म पर जिला प्रशासन द्वारा दिए जा रहे 5 फलदार पौधे

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम उठाया है–ग्रीन पालना अभियान। इस अभिनव पहल के अंतर्गत अब सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों के साथ ही उनके माता–पिता को पांच फलदार पौधे–आम, अमरूद, कटहल, पपीता और मुनगा–सौगात स्वरूप भेंट किए जा रहे हैं।

यह पहल सिर्फ पौधारोपण नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और जिम्मेदार जुड़ाव है, जिसमें हर माता–पिता अपने बच्चे की तरह ही इन पौधों की भी देखभाल करेंगे, उन्हें बड़ा करेंगे।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में शुरू हुए इस अभियान में वन विभाग के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग बच्चों के जन्म के साथ ही माता–पिता को 5 फलदार पौधे तथा एक प्रमाण पत्र प्रदाय कर रही है। जो इस नए जीवन और हरियाली के रिश्ते की एक यादगार दस्तावेज़ होगा। यह अभियान न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता को जन्म देगा, बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी प्रकृति से जुड़ाव और संरक्षण का मूल्य सिखाएगा।

सात नगरीय निकायों के अधिकारियों ने देखा सकरी प्लांट

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी) – नगर निगम रायपुर के सकरी स्थित इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट में अध्ययन

सह भ्रमण का आयोजन । नगरीय निकाय भिलाई, दुर्ग, भिलाई–चरोदा, रिसाली, कुम्हारी, जामुल और उतई के 20 अधिकारियों ने शुक्रवार को सकरी स्थित इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का अध्ययन सह भ्रमण किया। दुर्ग–भिलाई नगरीय समूह में एकीकृत ठोस कचरा प्रबंधन और नगर स्वच्छता के संबंध में भ्रमण का आयोजन किया गया। नगर निगम रायपुर के अधिकारियों व प्लांट स्टाफ ने अधिकारियों को प्लांट में वैज्ञानिक तरीके से किए जा रहे कचरे का ट्रीटमेंट प्रोसेस का अवलोकन करवाया।

भ्रमण दल ने कचरे को पृथक्क कर उससे कंपोस्ट बनाने की पूरी प्रक्रिया देखी। साथ ही लैंडफिल और उसके प्रबंधन के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने लीचेट के ट्रीटमेंट से साफ पानी प्राप्त करने की प्रकिया भी जानी। प्लास्टिक कचरे के पृथक्करण और उसे उद्योगों में उपयोग लायक बनाने के लिए ग्रैन्यूल्स में बदलने की पूरी प्रक्रिया भी अधिकारियों ने समझी। कंपोस्ट, उपचारित जल और प्लास्टिक ग्रैनुअल्स की क्वालिटी जांचने के लिए वहां स्थित लैब में अपनाई जाने वाली विधि भी अधिकारियों को बताई गई। भ्रमण में नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय, दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल, रिसाली आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा और नगर पंचायत उतई के मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेंद्र नायक शामिल रहे।

साथ ही भिलाई चरोदा के कार्यपालन अभियंता प्रकाशचंद थवानी, नगर पालिका जामुल के उप अभियंता सचिन भागवत और कुम्हारी के प्रभारी सहायक अभियंता अतुल कुमार सिंग भी भ्रमण दल में शामिल रहे।

इस अवसर पर नगर निगम रायपुर के अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता एवं स्वच्छ भारत अभियान के नोडल अधिकारी रघुमणी प्रधान और उपअभियंता श्रीमती कृष्णा राठी भी उपस्थित रहीं।

महापौर मीनल चौबे ने अधिकारियों को दिए निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किए हैं कि नगर निगम रायपुर के राजस्व के लिए काम करें मगर आम जनता परेशान ना हो.

राजस्व से संबंधित जो भी नियम हों पहले जनता को उनसे अवगत कराए तत्पश्चात ही अर्थदंड की कार्यवाही करें.

सारे काम पारदर्शिता के साथ होने चाहिए.नियम क़ानून स्पष्ट हो.और जनता की जानकारी में हो.बावजूद इसके नियम का पालन ना हो तब कार्यवाही सुनिश्चित हो.नगर निगम जनता के सहयोग से ही शहर को सुंदर और व्यवस्थित करना चाहती है.नगर निगम का उद्देश्य जनहित में काम करना है. नगर पालिक निगम रायपुर के नगर निवेश विभाग द्वारा जारीनिर्देश के

अनुसार सम्पूर्ण निगम सीमा क्षेत्र में विज्ञापन की नीति है कि बिना लिखित अनुमति से नगर निगम सीमा क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक निजी संपत्ति, दीवार, वाहन, ढांचे आदि पर कोई भी प्रचार सामग्री नहीं लगा सकता केवल पंजीकृत विज्ञापन एजेंसियों को ही इसकी अनुमति नियमानुसार दी जाती है। निजी संपत्ति पर लाईसेंस की अवधि एक वर्ष होती है। सार्वजनिक संपत्ति पर टेण्डर के नियमो के अनुसार लाईसेंस अवधि होती है। अस्थायी विज्ञापन हेतु एक माह की अवधि होती है। जिसमें मासिक नवीनीकरण संभव है। वहीं निजी संपत्ति पर एक वर्ष की लाईसेंस अवधि नवीनीकरण योग्य होती है। नगर निगम रायपुर के नगर निवेश विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अनाधिकृत प्रचार पर 50 हजार रू. से 1 लाख रू. तक का जुर्माना करने, 10 हजार रू. तक का हटाने का शुल्क अवैध विज्ञापन पर मूल शुल्क का दो गुना तक दण्ड वसूलने 15 दिनो में सुधार ना करने पर बिना नोटिस के अवैध विज्ञापन हटाये जाने, वाहन जप्ती एफआईआर, काली सूची में डालने की कार्यवाही इसमें संभव है। विज्ञापन शुल्क समय पर जमा ना करने की स्थिति में संबंधित राशि को संपत्तिकर में जोड दिया जायेगा आवश्यकता पडने पर संपत्ति सील करने की कार्यवाही भी की जा सकती है। अतः आम जनता से आग्रह है कि नियमों का पालन करें और कार्यवाही से बचें.

एक भारत श्रेष्ठ भारत की कार्यशाला आज

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश अध्यक्ष देव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री जम्वाल, प्रदेश संगठन महामंत्री साय का मार्गदर्शन होगा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में कल 5 जुलाई को दोपहर 12 बजे एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में एक कार्यशाला आयोजित की गई है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक एवं प्रदेश महामंत्री संजय वास्तव ने बताया कि कार्यशाला में प्रदेश के सभी जिलों के संयोजक सहसंयोजक उपस्थित रहेंगे। कार्यशाला में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय का मार्गदर्शन मिलेगा। वास्तव ने कहा कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत भारत सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य देश के विभिन्न रायों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच आपसी समझ और सांस्कृतिक एकीकरण को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम 2015 में शुरू किया गया था। भाजपा प्रदेश महामंत्री व कार्यक्रम संयोजक वास्तव ने बताया कि यह कार्यक्रम सभी स्कूलों में एक वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव के रूप में आयोजित किया जाता है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत, प्रत्येक राय को किसी अन्य राय के साथ जोड़ा जाता है ताकि वे एक–दूसरे की संस्कृति, भाषा, भोजन, त्योहारों, पर्यटन आदि के बारे में जान सकें और उनका अनुभव कर सकें।

रेलवे पुलिस ने बरामद किए 76 मोबाइल, मोबाइल वापस पाकर शिकायतकर्ताओं के चेहरे खिले

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आए दिन मोबाइल फोन चोरी के मामले सामने आते रहते हैं, विशेष कर रेलवे यात्रा के दौरान मोबाइल फोन चोरी होना आम बात है, वही मोबाइल चोरी की घटना से लोगों को आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है द्य

हालांकि पुलिस और GRP के द्वारा समय–समय पर गुमशुदा मोबाइल फोन की शिकायत पर कार्यवाही करते हुए लोगों तक उनके मोबाइल पहुंचाए जाते हैं, इसी कड़ी में आज रायपुर में त्रक्क के द्वारा 76 गुमशुदा मोबाइल फोनो को बरामद कर शिकायतकर्ताओं के सुपुर्द किया गया द्य

वही मोबाइल पाने के बाद उम्मीद खो चुके मोबाइल धारकों ने खुशी जताई और

डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयन्ती पर प्रतिमा स्थल के समक्ष पुष्पांजलि आयोजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

– नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 2 के सहयोग से डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयन्ती पर दिनांक 6 जुलाई 2025 को प्रातः 11 बजे जी.ई. मार्ग में शारदा चौक के किनारे स्थित उनकी प्रतिमा स्थल के समक्ष उन्हें सादर नमन करने पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजन रखा गया है। पुष्पांजलि आयोजन हेतु नगर निगम संस्कृति विभाग की ओर से नगर निगम जोन 2 जोन कमिश्नर को प्रतिमा स्थल की आवश्यक साफ–सफाई, पुष्प, पुष्पमाला, फूलों की पंखुड़ियां आदि के साथ–साथ अन्य सामान्य यथोचित व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देशित किया गया है।

मैथिलीशरण गुप्त उद्यान तेलीबांधा से झूलों को 24 घंटे के अंदर हटाने की कार्यवाही

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

उद्यान के साथ किसी भी प्रकार की छेड़खानी बर्दाश्त नहीं अन्यथा कड़ी कार्यवाही के लिए तैयार रहे

महापौर मीनल चौबे द्वारा तेलीबांधा परिसर का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें नगर पालिक निगम, रायपुर से अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता एवं उपअभियंता तथा जोन क्र. 03 जोन आयुक्त एवं जोन के समस्त टीम थी एवं कंपनी के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान निम्नानुसार त्रुटियां पाई गई– 1. तेलीबांधा परिसर के भीतर जल विहार कालोनी की तरफ निर्मित सार्वजनिक सुलभ शौचालय बंद पाया गया। 2. तेलीबांधा परिसर में जोन–बी. के मैथिलीशरण गुप्त उद्यान में बहुतायत मात्रा में झूले लगाये गये हैं, जिनके कारण उद्यान का क्षेत्रफल बहुत कम होना पाया गया। 3. तेलीबांधा पाथ–वे पर नेत्र चिकित्सालय के समीप निर्मित पार्किंग एरिया से तेलीबांधा परिसर एंट्री में बोलार्ड्स लगाने के निर्देश दिये गये हैं, ताकि बड़ी गाड़ियां तालाब परिसर में प्रवेश ना कर सके। 4. तेलीबांधा परिसर में कंपनी द्वारा निर्मित

छोटे–छोटे क्योस्क बहुत ही अव्यवस्थित तरिके से स्थापित पाये गये। 5. तेलीबांधा परिसर में पाथ–वे पर तीव्र गति से गाड़ियों का आवागमन भी पाया गया, जिससे कि आमजनों को दुर्घटना की संभावना पाई गई। निरीक्षण के उपरांत महापौर फटकार लगाई और निगम के अधिकारियों को आदेशित किया कि 24 घंटे के अंदर मैथिलीशरण गुप्त उद्यान से झूला हटाने की कार्यवाही प्रारंभ करें, अन्यथा कंपनी का सारा अनुबंध निरस्त कर दिया जाये।

8 आरोपी गिरफ्तार

ऑपरेशन साइबर शील्डः यूल बैंक खातों के रैकेट का भंडाफोड

ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत यूल बैंक अकाउंट धारकों और संवर्धकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। साइबर अपराध में सहायक इन खातों इस अभियान के तहत रायपुर पुलिस ने 8 आरोपियों को गिरतार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर रेंज पुलिस द्वारा चलरायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा के निर्देश पर यह कार्यवाही की गई। साइबर क्राइम पोर्टल में रिपोर्टेड म्यूल बैंक खातों की जांच हेतु रेंज साइबर थाना को निर्देशित किया गया था। इसी के तहत थाना सिविल लाइन में अपराध क्रमांक 44/25, 129/25 धारा 317(2), 317(4), 317(5), 111, 3(5) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। ऐसे उजागर हुआ मामला जांच के साइबर क्राइम पोर्टल की रिपोर्ट, संदिग्ध बैंक लेन–देन, एक ही व्यक्ति के नाम पर कई बैंक खाते और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर म्यूल अकाउंट की पहचान की गई। इन खातों का उपयोग क्रिप्टो करेंसी इन्वेस्टमेंट, फर्जी शेयर ट्रेडिंग ऐप, गूगल रिव्यू टास्क, टेलीग्राम टास्क, केवाईसी अपडेट, व गूगल सर्च जैसे साइबर फ्रॉड में किया जा रहा था।

पुलिस ने पाया कि कुछ आरोपी अपने खातों को किराए पर उपलब्ध कराते थे, वहीं कुछ लोग ठगी की रकम में से 10 से 20 प्रतिशत कमीशन लेकर खाते उपलब्ध कराते थे।

गिरफ्तार आरोपी

राजेश तांडी (38), माउंट कारगिल गली, जगन्नाथ नगर शब्बीर खान (38), मोमिनपारा, रायपुर अजय तांडी (25), सुभाष नगर, मौदहापारा गजेन्द्र ध्रुव (19), कविता नगर, बोरियाखुर्द जीतेश दास (34), मंडी गेट, देवेंद्र नगर किशोर छाबड़ा (49), कटोरा तालाब, रायपुर सचिन लिलहारे (28), बड़ा अशोक नगर, गुढ़ियारी अब्दुल गनी मेमन (37), बगदेही पारा, गोबरा नयापारा

बड़ी साजिश की आशंका, जांच जारी

12 ठेले गुमटियों साइकिल दुकानों से कुल 16800 रू. ई चालान वसूला

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री विष्वदीप के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत आज नगर निगम जोन 6 नगर निवेश विभाग एवं निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग उडनदस्ता द्वारा जोन 6 क्षेत्र अंतर्गत संतोषी नगर से सिद्धार्थ चौक टिकरापारा तक अभियान चलाकर अवैध बैनर पोस्टर हटाने की कार्यवाही की गई। नगर निगम जोन 6 नगर निवेश विभाग ने संतोषी नगर से सिद्धार्थ चौक तक बैनर पोस्टर हटाये और पुजारी पार्क से पचपेडी नाका और संतोषी नगर में लगभग 12 ठेले गुमटियों साइकिल दुकानों से कुल 16800 रू. ई चालान वसूला, जोन 10 ने कौशल्या विहार गेट से डुमरतराई थोक सब्जी मार्केट के सामने तक 11000 रूपये ई चालान किया0 साथ ही पुजारी पार्क टिकरापारा से पचपेडीनाका चौक और संतोषी नगर चौक तक अभियान चलाकर सडक पर कब्जा जमाकर व्यवसाय कर पर कार्यवाही कर कुल 16800 रू. का ई चालान करने की द्वारा जोन क्षेत्र के अंतर्गत कौशल्या विहार गेट से लेकर डुमरतराई थोक सब्जी मार्केट के सामने तक अभियान चलाकर सड़क पर कब्जा कर व्यवसायरत सम्बंधित दुकानदारों पर कार्यवाही कर कुल 11000 रूपये का ई चालान वसूला गया।

इंजीनियर से एक्टर बने पंचायत के सचिव जी

बेरोजगारी झेली, रामलीला में ताड़का भी बने, फिर एक वीडियो ने बदली जितेंद्र उर्फ जीतू भइया की किस्मत

आमतौर पर आईआईटी में पढ़ने वाले बच्चे इंजीनियर बनते हैं और मोटी सैलरी पर विदेश में काम करते हैं, लेकिन एक्टर जितेंद्र कुमार की कहानी थोड़ी अनोखी है। हिंदी में एग्जाम देकर पहले तो उन्होंने आईआईटी क्रैक किया। जब वहां पहुंचे तो इंजीनियरिंग से ज्यादा दिल एक्टिंग करने में लगा। शायद किस्मत को भी उनका एक्टर बनना ही मंजूर था इसलिए कैंपस प्लेसमेंट में उनको नौकरी ही नहीं मिली। एक्टर बनने मुंबई आए तो पहली मुलाकात में मुंबई भी रास नहीं आई। वापस भागकर एमएनसी की नौकरी पकड़ी और जब जॉब में बात हाथापाई तक पहुंची तो वापस मुंबई भागे। दूसरी कोशिश में सपनों की नगरी ने उन्हें गले लगा लिया। टीवीएफ के कई हिट शो का चेहरा बनने के बाद आज वो 'पंचायत' सीरीज में सचिव जी बनकर अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा रहे हैं।

घर का माहौल हमेशा से इंजीनियरिंग वाला रहा

मैं राजस्थान के छोटे से गांव खैरथल में पैदा हुआ। नौवीं तक की पढ़ाई तो यहीं से हुई फिर पापा का ट्रांसफर सीकर में हो गया तो हमलोग वहां चले गए। अपनी दसवीं की पढ़ाई यहीं से पूरी कर मैं दो साल के लिए कोटा चला गया। वहां पर मैंने आईआईटी की तैयारी की। मैं अपने स्कूल में दसवीं का टॉपर रहा हूं। बचपन से तय था कि इंजीनियरिंग करनी है। मेरे घर में पढ़ाई और इंजीनियरिंग का ही माहौल रहा है। मेरे पिताजी, चाचा, ताऊ जी उनके बच्चे सभी इंजीनियर ही रहे हैं। सबने अच्छे कॉलेज से इंजीनियरिंग की है। सिर्फ आईआईटी तक कोई नहीं पहुंचा था। मुझे कम उम्र में ही पता था कि आईआईटी जैसी कोई जगह है, जहां से निकलने पर अच्छा पैकेज मिलता है। छोटे शहरों में बच्चों के सामने दो ही ऑप्शन होता था डॉक्टर या इंजीनियर। दो साल की तैयारी में मैंने आईआईटी क्रैक किया और मुझे आईआईटी खड़गपुर में एडमिशन मिल गया। जीवन के अगले चार साल फिर पश्चिम बंगाल में गुजरे।

रामलीला में ताड़का बना तो एक्टिंग में दिलचस्पी आई

मुझे एक्टिंग के बारे में कोई आइडिया नहीं था। मेरे गांव खैरथल में रामलीला होती थी। अक्सर रामलीला रात के समय होती थी ताकि सारे लोग अपना काम खत्म करके उसे देख सकें। मैं भी रामलीला देखने जाता था। जब मैं वो देखता तो लगता कि ये क्या अतरंगी चीज है, जिसमें परफॉर्म करने बाहर से एक्टर आ रहे हैं। फिर रामलीला मेरे स्कूल में भी होने लगी। मेरी एक्टिंग में कोई दिलचस्पी नहीं थी। मैं स्टेज पर जाने से डरता था, लेकिन एक दिन स्कूल में रामलीला की परफॉर्मेंस थी और उसमें शामिल एक लड़की बीमार पड़ गई और आखिरी मिनट स्कूल से चली गई। मेरी ड्रामा टीचर बेहद परेशान होकर घूम रही थीं कि इतने कम समय में उसकी जगह किसे लिया जाए। तभी मैं क्लास रूम से पानी पीने के लिए निकला और उन्होंने मुझे देखा। मैं बचपन से कान में बाली पहनता था। बाली देखकर उन्हें लगा कि मैं लड़की का रोल निभा सकता हूं। मेरे पास कोई कॉस्टयूम भी नहीं था। स्कूल की उस रामलीला में सारे बच्चे अपने कॉस्ट्यूम में थे और मैंने यूनिफॉर्म में परफॉर्म किया। मैंने ताड़का का रोल निभाया था। जब मैं ताड़का बना तो मैं डर की वजह से अंदर ही नहीं जा रहा था। मैं आखिरी मिनट तक बोलता रहा कि मुझसे नहीं होगा। मुझे स्टेज पर धक्का देकर पहुंचाया गया। मैं जल्दी से स्टेज पर पहुंचा और ताड़का के सीरियस रोल में कॉमेडी करके आ गया। मेरी कॉमेडी लोगों को पसंद आ गई। उस एक प्ले से मेरा स्टेज का डर खत्म हुआ। फिर मैं स्कूल के बाकी कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने लगा।

आईआईटी में बतौर एक्टर मेरी ग्रूमिंग हुई

खैरथल से मैं दूसरा या तीसरा स्टूडेंट था, जिसने आईआईटी क्रैक किया था। खैरथल से होकर आईआईटी क्रैक करने पर मेरे अंदर तीसमार खां वाली फीलिंग थी। मुझे लगता था कि मैं बहुत स्मार्ट और इंटेलिजेंट हूं, लेकिन आईआईटी पहुंचकर मेरे सारे भ्रम टूट गए। वहां पहुंचकर मुझे एहसास हुआ कि यहां मेरे से ज्यादा पढ़ने वाले लोग हैं। मेरे से ज्यादा अच्छी रैंक लेकर भी आए हैं। यहां का सिलेबस बहुत टफ था। यहां आकर मेरी पढ़ाई छूट गई। मैंने जेईई आईआईटी का एग्जाम हिंदी में क्रैक किया था। ऐसा बहुत कम बच्चे ही कर पाते हैं। आमतौर पर अधिकांश बच्चे इंग्लिश में ही एग्जाम देते हैं। कुछ बच्चे हिंदी मीडियम से पढ़ाई करते हैं, लेकिन एग्जाम इंग्लिश में देते हैं। मेरा पूरा बैकग्राउंड ही हिंदी मीडियम का था। आईआईटी जाकर मुझे समझ नहीं आया कि मुझे अंग्रेजी समझ नहीं आ रही या सिलेबस मुश्किल है। ऐसे में कॉलेज के अंदर जो अलग-अलग लैंग्वेज के ड्रमैटिक्स क्लब थे, उनमें मेरी रुचि बढ़ी। मैं हिंदी ड्रमैटिक्स में शामिल हो गया और खूब सारे प्ले-शो किए। बतौर एक्टर मेरी ग्रूमिंग आईआईटी में ही हुई।

सीनियर्स ने रैगिंग में अल पचीनो का मोनोलॉग बुलवाया

मुझे पढ़ाई बहुत मुश्किल लग रही थी। दो-तीन दिन के लेक्चर के बाद मैंने तय किया कि एक शेड्यूल बनाऊंगा। जैसा कि मैंने कोटा में पढ़ाई के दौरान बनाया था। एक दिन मैं कॉमन रूम में बैठा था, तभी कुछ सीनियर्स वहां आ गए। उन्होंने सारे फ्रेशर्स को कॉमन रूम में बुलाकर दरवाजा बंद किया। फिर उन्होंने सबको एक पेपर दिया, जिसमें 'सेंट ऑफ ए वुमन' से अल पचीनो का ऑस्कर विनिंग मोनोलॉग था। मैंने अपने सीनियर से बहुत बदतमीजी से बात की और कहा कि मैं नहीं करूंगा। मैं यहां पढ़ने आया हूं, ये सब करने नहीं। फिर उन्होंने सख्ती से बोला कि तुम्हें करना होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि तुम शाम को मेरे रूम पर आओ, मैं तुम्हें ये स्पीच पूरा दिखाता हूं। मैं उनके रूम पर गया और चार-पांच घंटे उस स्पीच को देखा क्योंकि अगले दिन मुझे उसे परफॉर्म करना था। मैं रातभर रट्टा मारकर अगले दिन परफॉर्म करने पहुंचा। मैंने अल पचीनो की इतनी गंदी मिमिक्री की, सारे लोग हंसते-हंसते लोटपोट हो गए। परफॉर्मेंस के बाद मुझसे कहा गया कि तुम्हारा कॉन्फिडेंस अच्छा था। कल हिंदी एल्यूकशन है, तुम उसमें जरूर हिस्सा लेना। हिंदी वाले पार्ट के लिए मैंने 'गुरु' फिल्म से अभिषेक बच्चन के कोर्ट सीन को परफॉर्म किया और गोल्ड जीत लिया। फिर मैंने ड्रमैटिक्स के लिए ऑडिशन दिया। वहां पर भी सीनियर बैठे थे। रैगिंग वाला माहौल था। मैं अपने दोस्त के साथ ऑडिशन देने गया, लेकिन माहौल देखकर मैंने जाने से इनकार कर दिया, लेकिन मेरे दोस्त ने मुझे समझाया तो मैंने ऑडिशन दिया और सिलेक्ट हो गया।

कॉलेज में अंग्रेजी न आने की वजह से इनसिक्योर रहा

मेरी पूरी पढ़ाई हिंदी मीडियम में रही। जब मैं आईआईटी गया तो मैं इस बात को लेकर काफी इनसिक्योर रहा। वहां पर सामने से मुझे किसी ने बुरा फील नहीं कराया। मैं खुद अंग्रेजी न आने की वजह से इतना डरा हुआ था कि पहले दिन ही मैं लोगों को बताने लगा कि मुझे इंग्लिश नहीं आती है। दरअसल, पहले दिन ही फॉर्म और कई फॉर्मेलिटीज करनी थी और ये सारी चीजें इंग्लिश में ही होनी थीं। मैं बहुत डरा हुआ था इसलिए जो मेरे आस-पास बैठता, मैं उसे बताता। मैं उनसे कहता कि मुझे इंग्लिश नहीं आती, तुम्हें आती है क्या? वो मुझसे कहते कि उन्हें भी नहीं आती। परेशान होने की जरूरत नहीं है, सब मैनेज हो जाएगा।

फिल्में
- शुरुआत का इंटरवल
- शुभ मंगल ज्यादा सावधान
- गॉन केश
- चमन बहार
- जादूगर
- ड्राई डे
- लैंट्रानी

वेब सीरीज
- परमानेंट रूममेट्स
- टीवीएफ पिचर्स
- इम्मेच्योर
- टीवीएफ ट्रिपलिंग
- कोटा फैक्ट्री
- पंचायत
- बड़ा नाम करेंगे

आईआईटी से पढ़ने के बाद भी कैंपस सिलेक्शन नहीं हुआ

ऐसा माना जाता है कि आईआईटी में पढ़ने के बाद सबको जॉब मिल जाती है। मेरे बैच में भी 97 फीसदी स्टूडेंट्स की जॉब लग गई थी। मैं उन तीन फीसदी में था, जिन्हें जॉब नहीं मिली। इस बात से मैं काफी परेशान था। उसी दौरान मैं अपने सीनियर बिस्वपति सरकार के पास गया। उन्होंने पहले से तय कर लिया था कि उन्हें राइटर बनना है तो वो प्लेसमेंट में बैठे ही नहीं। जब मैंने उन्हें अपनी बात बताई तो उन्होंने कहा कि वो मुंबई जा रहे हैं। अगर मैं चाहूं तो आ सकता हूं। वो लिखेंगे और मैं एक्टिंग कर लूंगा। उन्होंने ही मुझे टीवीएफ और यूट्यूब वीडियो के बारे में बताया, लेकिन उस वक्त तक कुछ भी पल्ले नहीं पड़ रहा था। फिर भी मैं उनके साथ मुंबई आ गया। शुरुआत में बिस्वा के साथ ही वर्सोवा में रहने लगा। उस वक्त जो स्केच बन रहे थे, उनमें भी मुझे एक्टिंग का काम नहीं मिल रहा था। जो काम मिल भी रहा था, उनमें चार लाइन बोलने का काम मिलता। मैंने अपने ऊपर जो भी कैरेक्टर ड्रिवन स्केच बनाया, वो काफी लोगों को दिखाया। लोगों ने अच्छा फीडबैक नहीं दिया और कहा कि इस पर बैकलैश आएगा। फिर मुझे लगा कि एक्टिंग शायद मेरे लिए वर्क नहीं कर रहा है और मुझे सीखने की जरूरत है।

8 महीने की नौकरी में हाथापाई की नौबत आ गई

मुंबई में एक्टिंग फील्ड में तीन महीने तक हाथ-पैर मारने के बाद मैंने मुंबई छोड़ने का फैसला किया। मैंने बेंगलुरु में अपने एक दोस्त को नौकरी के लिए कॉल किया। उसने कहा कि उसकी कंपनी में एक वैकेंसी है, लेकिन बॉस बहुत खड़ूस है। कोई उस इंसान के अंडर काम नहीं करना चाहता था। मेरा दोस्त एक जापानी एमएनसी के लिए काम करता था। मैंने उसे कहा कि मैं कर लूंगा और फिर मैं मुंबई से बेंगलुरु चला गया। तीन-चार महीने की ट्रेनिंग में उन्होंने मुझे अच्छे से ट्रेन किया। मैंने अच्छा काम किया, लेकिन असल दिक्कत साइट जाने पर शुरू हुई। वहां बहुत सारे इंडियन वेंडर्स और इंजीनियर होते थे। जापानीज फॉर्म को इंडियन कॉन्ट्रैक्ट के साथ काम करना था। बीच में मीडिएटर के तौर पर भारतीय इंजीनियर होते थे। जापानीज अपने काम में बहुत ज्यादा परफेक्शनिस्ट होते हैं। इंडियन कॉन्ट्रैक्टर्स इतनी बारीकी से काम नहीं करते हैं और इस बात को वो कॉन्ट्रैक्ट में भी लिखकर रखते थे। ऐसे में मेरी खूब लड़ाई हुई। एक-दो बार तो हाथापाई होते-होते बची। तंग आकर मैंने आठ महीने में ही नौकरी छोड़ दी। नौकरी छोड़ने वाली बात मैंने अपने घर में डरते-डरते बताई। मेरे घर में सभी सिविल इंजीनियर ही रहे हैं। ऐसे में अगर उन्हें मैं अपनी परेशानी बताता तो उनके लिए बेहद नॉर्मल बात होती।

वायरल वीडियो की वजह से एक्टिंग की तरफ लौटा

जब मैं बेंगलुरु में जॉब करता था, उस वक्त टीवीएफ लोगों के बीच पॉपुलर हो रहा था। उन लोगों ने जो भी वीडियो बनाए, वो खूब वायरल हुए। उसके बाद जब वो मेरा 'मुन्ना जज्बाती' लेकर आए तो वो और वायरल हुआ। उस समय लोग टीवीएफ को जानने लगे थे और उसके शो में कोई एक्टर दिखा तो वो भी पॉपुलर हो जाता था। फिर मैंने टीवीएफ के लिए 'पिचर्स' किया। इस शो का इम्पैक्ट बहुत ज्यादा रहा है। यूथ और स्टार्ट अप की दुनिया पर बुने उस शो को भी लोगों ने हाथों-हाथ लिया। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ये शो इतना पॉपुलर होगा। जब हम स्केच करते थे, तब हमारा एक स्केच पॉपुलर हो जाता था। फिर हम सब उसी उम्मीद के साथ दूसरा स्केच बनाते और वो नहीं चलता था। शुरुआती दिनों में टीवीएफ के साथ ऐसा ही होता रहा था। 'पिचर्स' से पहले 'परमानेंट रूममेट्स' हिट हो चुका था। स्केच को लेकर एक साल में टीवीएफ की जो हिस्ट्री रही थी, तो मेरे मन में डर था कि 'पिचर्स' नहीं चलेगी, लेकिन पिचर्स जबरदस्त हिट रही। उस शो को लेकर एक अलग ही फैनडम बन गया था। मैं फैंस का पागलपन भूल नहीं सकता हूं।

कोटा फैक्ट्री और पंचायत ने मुझे घर-घर पहुंचाया

मुझे टीवीएफ से बड़े पर्दे तक आने में टाइम लगा। मैं टीवीएफ के साथ बहुत ज्यादा बिजी था। मेरे अंदर उस वक्त तक फिल्मों को लेकर कोई रुझान नहीं था। वहां पर मेरा काम अच्छा चल रहा था। लोगों की तरफ से वैलिडेशन मिल रहा था। मुझे टीवीएफ के साथ काम करके मजा आ रहा था। मैं यहां पर खुद को सेफ और सिक्योर फील कर रहा था। मेरे पास 'चमनबहार' फिल्म का ऑफर पहले आया था, लेकिन मैंने मना कर दिया था। पहला काम था, जो टीवीएफ के बाहर था। फिर लोगों ने मुझे समझाया कि फिल्में करनी चाहिए। फिर मैंने हां बोल दिया। उसी दौरान 'गॉन केश' का ऑफर मिला। मेरी पहली फिल्म 'चमनबहार' थी, लेकिन 'गॉन केश' इससे पहले रिलीज हो गई थी। इसके बाद मैंने आयुष्मान खुराना के साथ 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' किया। फिर मेरी फिल्म 'जादूगर' आई। लेकिन 'कोटा फैक्ट्री', 'पंचायत' ने मेरी एक्टिंग को वो पहचान दी, जिसके लिए मैं लंबे समय से कोशिश कर रहा था। 'पंचायत' के पहले सीजन से ही फैंस मुझे पर प्यार बरसा रहे हैं। लोग बहुत प्यार और अपनेपन से मिलते हैं।

'रामायण' का रोंगटे खड़े करने वाला टीजर रिलीज रणबीर कपूर और यश की टक्कर ने जीता फैंस का दिल

रामायण की पहली झलक देखने का इंतजार खत्म हुआ! नितेश तिवारी की पौराणिक महाकाव्य का परिचय वीडियो रिलीज हो गया है, और इसे भारत के प्रमुख शहरों में दिखाया गया है। रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश की मुख्य भूमिकाओं वाली रामायण भाग 1 सबसे मनमोहक दृश्यों का वादा करती है। कुछ समय पहले ही सोशल मीडिया पर रामायण भाग 1 की आधिकारिक झलक सामने आई थी। कहने की जरूरत नहीं है कि इसे शानदार प्रतिक्रिया मिली है और दर्शकों में 2026 की दिवाली के लिए उत्साह है।

प्रशंसक अपनी उत्सुकता को कम नहीं कर पा रहे हैं। रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, सनी देओल और रवि दुबे की मुख्य भूमिकाओं वाली यह फ़िल्म शानदार और शानदार होने का वादा करती है। फ़िल्म की पहली झलक को हर तरफ़ से प्यार मिलने के साथ ही, प्रशंसकों ने वीडियो से अपने अनुभव साझा किए। जहाँ कुछ लोगों ने कपूर की झलक की प्रशंसा की, वहीं कुछ लोग बैकग्राउंड म्यूजिक से प्रभावित हुए। एक एक्स यूजर ने टीजर पर अपनी राय साझा की और लिखा, सबसे महान महाकाव्य सरामायण के सबसे महान अभिनेता द्वारा बनाई गई सबसे महान फिल्म। मेरे शब्दों पर ध्यान दें, यह 10,000 करोड़ पार करने वाली पहली बॉलीवुड फिल्म होगी, जबकि दूसरे ने लिखा, श्री राम के रूप में रणबीर कपूर। प्रचार वास्तविक है। एक तीसरे यूजर ने भी इसी तरह की भावनाओं को दोहराया और लिखा, रामायण के साथ रणबीर कपूर वैश्विक सिनेमा पर राज करने आ रहे हैं।

एक अन्य यूजर ने बैकग्राउंड म्यूजिक की तारीफ करते हुए लिखा, हंस जिमर एक जादूगर हैं, क्या बैकग्राउंड स्कोर है!! रोंगटे खड़े कर देने वाला। लॉन्च का जश्न नौ भारतीय शहरों में कई स्क्रीनिंग के साथ मनाया गया, साथ ही न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में भी एक प्रमुख उपस्थिति थी - जो इस परियोजना की वैश्विक दृष्टि को रेखांकित करती है। यह फिल्म राम और रावण के बीच शाश्वत संघर्ष पर आधारित है, जिसका उद्देश्य अपने पैमाने, कहानी और तमाशे से दुनिया भर के दर्शकों को लुभाना है। ब्रह्मा, विष्णु और शिव की ब्रह्मांडीय त्रिमूर्ति द्वारा शासित एक पौराणिक युग में स्थापित, कथा रावण का अनुसरण करती है-जो कभी एक असंभावित राक्षस बालक था- जो सार्वभौमिक संतुलन को खतरे में डालने के लिए उठता है। सद्भाव को बहाल करने के लिए, विष्णु राम के रूप में पृथ्वी पर उतरते हैं, जिससे एक महाकाव्य टकराव के लिए मंच तैयार होता है। नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित और यश द्वारा सह-निर्मित, यह फिल्म प्राइम फोकस स्टूडियो और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस द्वारा समर्थित है, जो DNEG के सहयोग से है - आठ बार ऑस्कर जीतने वाला वीएफएक्स पावरहाउस। भाग 1 दिवाली 2026 के दौरान वैश्विक रिलीज के लिए तैयार है, जबकि भाग 2 दिवाली 2027 में रिलीज होगी।

स्पेशल ऑप्स 2 एक्टर करण टैकर बोले- केके मेनन वाला टैलेंट सीखने के लिए मैंने खासतौर पर एक ट्यूटर लगाया था

छोटे पर्दे के जाने-माने अभिनेता करण टैकर कई टीवी शोज में नजर आ चुके हैं। वह फिल्मों में भी काम कर रहे हैं, लेकिन इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी वेब सीरीज स्पेशल ऑप्स 2 को लेकर।

जब फैंस आपसे मिलते हैं, तो पहले वाले सीजन के लिए ज्यादा प्यार मिलता है या बीच में आपने और भी अच्छे शोज किए उनको लेकर भी कुछ रिएक्शन रहता है?

करण टैकर ने कहा, सबसे पहले तो इस कॉम्प्लीमेंट के लिए बहुत शुक्रिया। हर चीज के लिए लोगों का प्यार मिलता है। जहां लोगों को चीजें पसंद आती हैं, वो कनेक्ट करते हैं, इसलिए दोनो सीजन के लिए प्यार मिला है। मुझे बड़ा अच्छा लगता है, जब कोई मुझसे पूछता है फारूक़ अली सेकंड सीजन कब आएगा? मुझे लोगों से अक्सर यही रिएक्शन मिले हैं। सिर्फ लोगों से ही नहीं, मेरे अपने दोस्तों से भी और जितने मेरे परिवार वाले हैं और उनके जितने दोस्त हैं, वो हमेशा बोलते हैं कि यार करण से पूछो सेकंड सीजन कब आएगा? मुझे बहुत अच्छा लगता है। मैंने खाकी में जो किया था, उसके लिए भी मुझे बहुत सारा प्यार मिलता है। खासकर क्योंकि मैंने पुलिस का किरदार निभाया था, तो जब भी मैं किसी सिचुएशन में होता हूं। जहां आसपास पुलिस वाले होते हैं, तो वे मुझे पहचान कर बड़े खुश होते हैं। क्योंकि किसी ने उनको रिप्रेजेंट किया, वो एक ऐसा शो है जो उनका प्रतिनिधित्व करता है।

आप जितना भी काम कर चुके हैं, कभी आप अपना पुराना काम देखते हैं?

मुझे लगता है कि ऐक्टर्स के लिए ये बड़ी मजेदार बात हो जाती है। दरअसल, ऐक्टर्स अपना पुराना काम देखने से असहज महसूस करते हैं। क्योंकि हमने प्रोजेक्ट की शूटिंग एक-डेढ़ साल पहले की होती है और इतने समय में आप भावनात्मक तौर और परिपक्क हो जाते हैं। आपके अनुभव उसके मुकाबले और बड़े हो जाते हैं। तो आप जब अपना पुराना काम देखते हैं, अपनी शूट की हुई चीज एक या डेढ़ साल बाद देखते हैं तो आप उससे जुड़ाव महसूस नहीं कर पाते हैं। क्योंकि आप उस समय अपने शूटिंग वाले अनुभव से भी बाहर आ चुके होते हैं। लेकिन मैं अपना काम वापस जरूर देखता हूं। जब मुझको लगता है कि मैं उससे कट चुका हूं तो मैं उसे जरूर देखता हूं। उसको देखने के बाद कुछ ऐसी चीजें जो मुझे लगता है कि मैं और बेहतर कर सकता हूं तो उस पर काम करता हूं। सिर्फ खुद से ही नहीं बल्कि मैं दूसरों की परफॉर्मेंस से भी उतना ही सीखता हूं।

शो के दौरान केके मेनन से आपने क्या कुछ सीखा है?

मैंने उनसे काफी कुछ सीखा है। केके सर का एक सीन है। उससे मैंने कुछ खास सीखा और ये तभी होता है जब आप अपने काम को दोबारा से देखते हैं। शो में केके मेनन सर कसाब के साथ पूछताछ कर रहे थे, लेकिन वहां केके सर का जो किरदार है वो ज्यादा बोलता नहीं है लेकिन फिर भी बहुत कुछ बोल जाता है। वो टैलेंट मेरे अंदर नहीं था, हालांकि केके सर वाला टैलेंट तो आज भी मुझमें नहीं है लेकिन उस चीज को सीखने के लिए मैंने खासतौर पर एक ट्यूटर लगाया था। मैंने उसको कहा था कि ये चीज सीखनी है।

जैसे आपने कहा कि आपने केके मेनन के एक सीन से उनकी चीज से सीख ली है, तो कहीं आपने उस सीख को यूज किया है? और क्या फिर केके मेनन को उसके बारे में पता चला या उन्होंने उसको लेकर आपकी तारीफ की?

हां बिल्कुल। मैंने खाकी में काम किया है, जहां मैंने उसको करने की कोशिश भी की है। खाकी के क्लाइमैक्स में मैंने अपने एक डायलॉग में वो कोशिश की। फिर एक दिन केके सर का कॉल आया, मैं अपनी बालकनी में था, तो मैंने उनसे बोला जी सर, कैसे हैं आप। तो उन्होंने कहा कि मैंने शो देखा, तुमने बड़ा अच्छा काम किया, अच्छा संभाला है तुमने। तो ये मेरे लिए बहुत गर्व की बात है कि केके मेनन जैसे ऐक्टर ने मुझे कॉल किया और मेरी तारीफ की।

पहला सीजन हिट होने के बाद निर्माताओं पर भी दबाव होता है कि किस तरह से और बेहतर सीजन बनाया जाए। इस वजह से कई बार कंप्रोमाइज भी करना पड़ जाता है और चीजें उस तरह से नहीं बन पातीं। इस बारे में आपका क्या सोचना है?

मुझे नहीं लगता कि मेकर्स सोचते हैं कि पहले कहानी को बड़ा कैसे बनाएं? वह कहानी पहले सोचते हैं और उसके साथ शो, स्केल वगैरह सब जुड़ता चला जाता है।

शुभमन ने गावस्कर, तेंदुलकर और कोहली के रिकॉर्ड तोड़े

इंग्लैंड में बेस्ट स्कोर, बतौर भारतीय कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाए

इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट में भारत ने 587 रन बना दिए। कप्तान शुभमन गिल ने 269 रन की पारी खेलकर सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के रिकॉर्ड तोड़े। वे सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय कप्तान बने। वहीं भारत ने 18 साल बाद इंग्लैंड में 500 रन का आंकड़ा पार किया।

25 की उम्र में 2 फॉर्मेट में दोहरे शतक

कप्तान शुभमन गिल ने बर्मिंघम में पहले दिन शतक लगाया, जिसे दूसरे दिन उन्होंने डबल सेंचुरी में बदल दिया। 25 साल के शुभमन 269 रन बनाकर आउट हुए। यह टेस्ट में उनका पहला ही दोहरा शतक रहा। वे 23 साल की उम्र में वनडे फॉर्मेट में भी डबल सेंचुरी लगा चुके हैं। शुभमन 2 अलग-अलग फॉर्मेट में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा प्लेयर बने। उन्होंने रोहित का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 32 साल की उम्र में दोनों फॉर्मेट में डबल सेंचुरी लगाई थी।

शुभमन ने इंग्लैंड में बेस्ट स्कोर बनाया

शुभमन इंग्लैंड में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय प्लेयर भी बने। उन्होंने सुनील गावस्कर का 46 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। गावस्कर ने 1979 में द ओवल के मैदान पर 221 रन बनाए थे। इन 2 के अलावा राहुल द्रविड़ ही 2002 में इंग्लैंड के मैदान पर दोहरा शतक लगा सके हैं।

एशिया के बाहर बेस्ट टेस्ट स्कोर बनाने वाले भारतीय

शुभमन एशिया के बाहर भी सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय बने। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2004 में सिडनी के मैदान पर 241 रन बनाए थे।

भारतीय कप्तान का बेस्ट स्कोर

शुभमन की डबल सेंचुरी किसी भारतीय कप्तान का भी टेस्ट में बेस्ट स्कोर रहा। उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पुणे में 254 रन की नॉटआउट इनिंग खेली थी।

एशिया के बाहर बेस्ट स्कोर बनाने वाले एशियन कैप्टन

शुभमन एशिया के बाहर सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले एशियन प्लेयर भी बने। उन्होंने श्रीलंका के मारवान अटापट्टू का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2004 में जिम्बाब्वे में 249 रन बनाए थे। विराट कोहली 2016 में वेस्टइंडीज के मैदान पर 200 रन बना चुके हैं।

दोहरा शतक लगाने वाले छठे भारतीय कप्तान बने

शुभमन ने अपने टेस्ट करियर का पहला ही दोहरा शतक लगाया, लेकिन यह उन्होंने अपनी कप्तानी में किया। वे टेस्ट में डबल सेंचुरी लगाने वाले छठे भारतीय कप्तान बने। विराट कोहली, एमएस धोनी, सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर और मंसूर अली खां पटौदी भी बतौर कप्तान दोहरा शतक लगा चुके हैं।

इंग्लैंड में भारतीय कप्तान का बेस्ट स्कोर बनाया

शुभमन ने इंग्लैंड में भारतीय कप्तान के रूप में भी बेस्ट स्कोर बनाया। उन्होंने मोहम्मद अजहरुद्दीन को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 1990 में मैनचेस्टर के मैदान पर 179 रन की पारी खेली थी।

इंग्लैंड में विदेशी कप्तान का तीसरा बेस्ट स्कोर

शुभमन के 269 रन इंग्लैंड में किसी विदेशी कप्तान का तीसरा बेस्ट स्कोर रहा। वे साउथ अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ से आगे निकले, जिन्होंने लॉर्ड्स स्टेडियम में 259 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के बॉब सिम्प्सन 311 रन बनाकर पहले नंबर पर हैं।

HIGHEST INDIVIDUAL SCORE FOR INDIA IN TESTS

VIRENDER SEHWAG VS SA, 2008	319
VIRENDER SEHWAG VS PAK, 2004	309
KARUN NAIR VS ENG, 2016	303*
VIRENDER SEHWAG VS SL, 2009	293
VVS LAXMAN VS AUS, 2001	281
RAHUL DRAVID VS PAK, 2004	270
SHUBMAN GILL VS ENG, 2025	269
VIRAT KOHLI VS SA, 2019	254*
VIRENDER SEHWAG VS PAK, 2006	254
SACHIN TENDULKAR VS BAN, 2004	248*

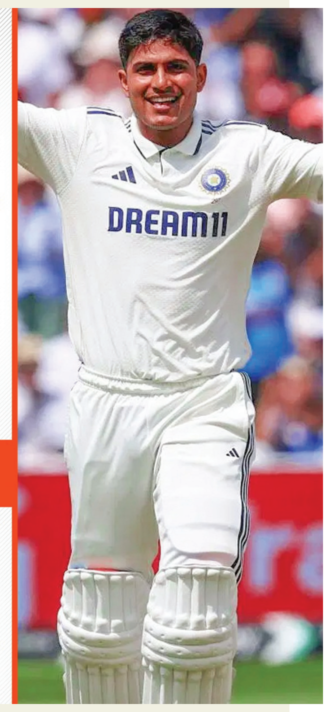

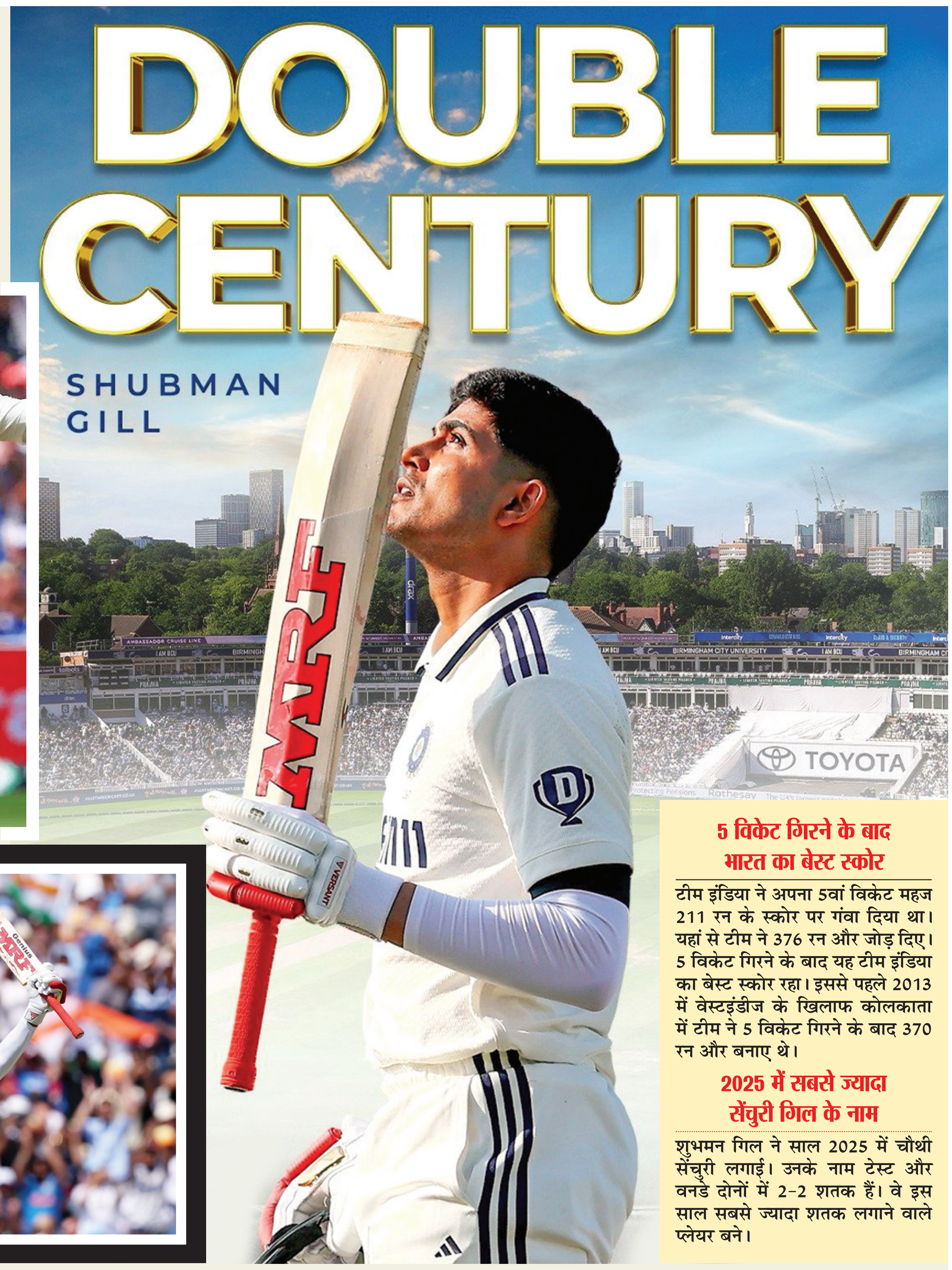

5 विकेट गिरने के बाद भारत का बेस्ट स्कोर

टीम इंडिया ने अपना 5वां विकेट महज 211 रन के स्कोर पर गंवा दिया था। यहां से टीम ने 376 रन और जोड़ दिए। 5 विकेट गिरने के बाद यह टीम इंडिया का बेस्ट स्कोर रहा। इससे पहले 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता में टीम ने 5 विकेट गिरने के बाद 370 रन और बनाए थे।

2025 में सबसे ज्यादा सेंचुरी गिल के नाम

शुभमन गिल ने साल 2025 में चौथी सेंचुरी लगाई। उनके नाम टेस्ट और वनडे दोनों में 2-2 शतक हैं। वे इस साल सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले प्लेयर बने।

भारत के बाहर 250+ बनाने वाले तीसरे भारतीय

शुभमन गिल भारत के बाहर 250 से ज्यादा का टेस्ट स्कोर बनाने वाले तीसरे ही भारतीय बने। उनसे पहले वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ ही ऐसा कर सके। दोनों ने पाकिस्तान ने 250 प्लस का स्कोर बनाया था।

शुभमन ने अपना बेस्ट फर्स्ट क्लास स्कोर बनाया

शुभमन गिल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी अपना बेस्ट स्कोर बना लिया। इससे पहले 2018 में उन्होंने मोहाली के मैदान पर तमिलनाडु के खिलाफ 268 रन बनाए थे। तब वे अपनी घरेलू टीम पंजाब के लिए खेल रहे थे।

इंग्लैंड में 18 साल बाद 550+ रन बनाए

भारत ने इंग्लैंड में 18 साल बाद 550 से ज्यादा का टीम स्कोर बनाया। टीम ने 2007 में आखिरी बार द ओवल के मैदान पर 664 रन बनाकर मुकाबला ड्रॉ कराया था। 587 रन इंग्लैंड में भारत का चौथा ही बेस्ट टेस्ट स्कोर है।

जडेजा की इंग्लैंड में दूसरी बार डबल सेंचुरी पार्टनरशिप

रवींद्र जडेजा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ छठे विकेट के लिए 203 रन की पार्टनरशिप की। इंग्लैंड में छठे विकेट के लिए भारत से बेस्ट साझेदारी में भी जडेजा शामिल हैं। उन्होंने 2022 में ऋषभ पंत के साथ 222 रन जोड़े थे।

साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया देशों में जडेजा का 8वीं 50+ स्कोर

साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में रवींद्र जडेजा ने 8वीं बार 50 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया। साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया देशों में वे एमएस धोनी के बाद सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले भारतीय बन गए। धोनी के नाम 10 और जडेजा के नाम 8 बार 50+ स्कोर हैं।

नीरज चोपड़ा ने जताई उम्मीद

एनसी क्लासिक भारत में बनेगा विश्वस्तरीय एथलेटिक्स इवेंट्स का रास्ता

नई दिल्ली।

दोहरे ओलंपिक पदक विजेता और विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा का सपना अब साकार होता दिख रहा है। शनिवार को बेंगलुरु में आयोजित होने जा रहे 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' (एनसी क्लासिक) जेवलिन थ्रो मीट को लेकर नीरज ने उम्मीद जताई है कि यह टूर्नामेंट भविष्य में भारत में और भी बड़े अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स आयोजनों की नींव बनेगा। यह टूर्नामेंट नीरज चोपड़ा और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है और यह भारत में आयोजित होने वाला अब तक का सबसे उच्च रेटिंग वाला एथलेटिक्स आयोजन माना जा रहा है। प्रतियोगिता की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में नीरज ने कहा, सबसे जरूरी बात ये है कि इस आयोजन को सफल बनाना है। प्रदर्शन की बात तो है ही, लेकिन उससे ज्यादा अहम ये है कि यह इवेंट सफल हो ताकि इसे और आगे बढ़ाया जा सके। भविष्य में इसमें और खेल जोड़ें जाएं और भारतीय खिलाड़ियों को बड़े मंच पर मौका मिले। 27 वर्षीय नीरज ने भावुक होते हुए कहा कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि उनके नाम से कोई अंतरराष्ट्रीय स्तर का आयोजन होगा। उन्होंने कहा, ये एक ऐसा सपना है जो मैंने कभी देखा भी नहीं था लेकिन अब जब एएफआई, सरकार, वर्ल्ड एथलेटिक्स और प्रायोजकों का साथ मिल रहा है तो लगता है कुछ भी संभव है। उन्होंने बताया, कल जब मैं जिम में ट्रेनिंग कर रहा था और थॉमस रोहलर और बाकी थ्रोअर मैदान पर अभ्यास कर रहे थे, तब मुझे अहसास हुआ कि यही वह पल है जिसका मैं इंतजार कर रहा था।

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का 30वां संस्करण 6 जुलाई को

नई दिल्ली।

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित होने वाले 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का 30वां संस्करण 6 जुलाई (रविवार) को देशभर के 6000 से ज्यादा स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। इसमें इस बार रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों की भागीदारी को विशेष रूप से जोड़ा गया है। इस एक दिवसीय फिटनेस अभियान में 50,000 से अधिक प्रतिभागी देशभर में साइकिल चलाकर स्वस्थ, प्रदूषणमुक्त और मोटापा रहित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाएंगे। मुख्य कार्यक्रम दिल्ली में सुबह 7 बजे मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम से आरंभ होगा। यहां से साइकिल सवार इंडिया गेट सी हेक्सागन होते हुए विजय चौक तक जाएंगे और फिर वापस मेजर ध्यानचंद स्टेडियम लौटेंगे। इस अभियान की शुरुआत दिसंबर 2024 में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा की गई थी। तब से यह कार्यक्रम हर रविवार हजारों स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है और हर हफ्ते 50,000 से अधिक लोग इसमें हिस्सा ले रहे हैं। डॉ. मांडविया ने कहा, फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल अब एक जन आंदोलन बन चुका है। इस सप्ताह इसे रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों के साथ मिलकर आयोजित किया जा रहा है।

भारत का बांग्लादेश दौरा तय समय पर नहीं होगा

सुरक्षा कारणों के चलते बीसीसीआई ने मना किया, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने मीडिया राइट्स की बिक्री रोकी

नई दिल्ली।

भारत का बांग्लादेश दौरा अब तय समय पर नहीं होगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड) ने भले ही आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन भारत के खिलाफ अगले महीने होने वाली वनडे और टी-20 सीरीज की तैयारियां रोक दी गई हैं। माना जा रहा है कि भारत और बांग्लादेश के बीच हाल ही में बिगड़े रिश्तों और सुरक्षा की वजह से यह फैसला लिया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड) ने सीरीज के मीडिया राइट्स की बिक्री भी टाल दी है। पहले 7 जुलाई को टेक्निकल बोली और 10 जुलाई को फाइनेंशियल बोली होनी थी। लेकिन अब बोर्ड ने तय किया है कि वह पहले पाकिस्तान सीरीज (17-25 जुलाई) के लिए मीडिया राइट्स बेचेगा और फिर बाकी मैचों के लिए फैसला लेगा।

एक हफ्ते पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा था कि दौरे में आने से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को अपनी सरकार की मंजूरी का इंतजार है।

बीसीसीआई ने भी मना किया, कोई तारीख तय नहीं : क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि भारत ने अगस्त में दौरे के लिए मना कर दिया है। बीसीसीआई ने फिलहाल कोई पक्की तारीख नहीं दी है। हालांकि, अगले हफ्ते तक इस पर आधिकारिक बयान आ सकता है। सीरीज को बाद में आयोजित किए जाने की उम्मीद है।

सरकार की सलाह के बाद बीसीसीआई ने फैसला लिया

भारत सरकार ने मौजूदा हालात को देखते हुए बीसीसीआई को बांग्लादेश दौरे से बचने की सलाह दी है। हालांकि, यह सलाह सिर्फ द्विपक्षीय सीरीज के लिए है। बांग्लादेश में आए दिनों हिंसा के मामले हो रहे हैं। ऐसे में भारतीय टीम को बांग्लादेश भेजना सही नहीं हैं।

शिखर धवन की आत्मकथा द वन की घोषणा

बोले- क्रिकेट के मैदान की बात नहीं इसमें उनके संघर्षों की पूरी कहानी

नई दिल्ली।

पूर्व भारतीय ओपनर शिखर धवन के जीवन पर उनकी आत्मकथा द वन आ रही है। उन्होंने इसकी घोषणा इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करके दी। धवन ने बताया कि मेरी किताब सिर्फ क्रिकेट के मैदान की बात नहीं करती। यह मेरे जीवन के उन पड़ावों, अनदेखे पलों, और मुश्किल दिनों की कहानी है, जब मुझे चोटों और चुनौतियों से जूझना पड़ा। यह किताब बताती है कि मैं आज जहां हूं, वहां तक कैसे पहुंचा। द वन में धवन के दिल्ली में बचपन से लेकर भारतीय जर्सी पहनने के सपने और वनडे क्रिकेट में भारत के सबसे शानदार ओपनर बनने तक का सफर शामिल है। किताब में उनके क्रिकेट करियर के शानदार पल तो होंगे ही, लेकिन इसमें उनकी निजी जिंदगी की चुनौतियां, चोटों का दर्द और क्रिकेट कमबैक की कहानियां भी होंगी।

धवन तीनों फॉर्मेट से ले चुके हैं संन्यास : धवन क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट के जरिए अपने शानदार करियर को अलविदा कहा था। धवन ने 167 वनडे मैचों में 44.1 की औसत से 6,793 रन बनाए, जिसमें 17 शतक और 39 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 34 मैचों में 40.6 की औसत से 2,315 रन बनाए, जिसमें 7 शतक और 5 अर्धशतक थे।

किदांबी श्रीकांत का जोरदार प्रदर्शन जारी, वांग पो-वेई को हरा क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली।

पूर्व विश्व नंबर वन किदांबी श्रीकांत ने वांग पो-वेई के खिलाफ शानदार जीत दर्ज कर कनाडा ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को मार्कहम पैन एम सेंटर में खेले गये प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में किदांबी ने चीनी पाइपे के वांग पो-वेई के खिलाफ 21-19, 21-14 से जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई। 41 मिनट तक चले मुकाबले में एक समय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी 18-13 से पीछे चल रहे थे, फिर उन्होंने वापसी करते हुए पहला गेम जीत लिया। श्रीकांत दूसरे गेम में भी 13-10 से पीछे थे, लेकिन फिर उन्होंने वापसी की और गेम और मुकाबला जीत लिया। श्रीकांत क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीयता प्राप्त और

ओलंपियन चोउ टिएन-चेन से भिड़ेंगे। श्रीकांत के हमवतन और विश्व में 57वें नंबर के खिलाड़ी शंकर सुब्रमण्यम भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये। उन्होंने चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को 21-19, 21-14 से हराया। शंकर सुब्रमण्यम अगले दौर में ओलंपियन और विश्व में 12वें नंबर के खिलाड़ी जापान के केंटा निशिमोटो से मुकाबला होगा। इस बीच बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में महिला एकल में भारतीय खिलाड़ी श्रीयांशी वलीशेट्टी भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने किया डूरंड कप 2025 ट्रॉफी का अनावरण

नई दिल्ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित एक भव्य समारोह में डूरंड कप प्रतियोगिता 2025 की ट्रॉफियों का अनावरण किया और हरी झंडी दिखाई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खेलों की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि यह अनुशासन, दृढ़ संकल्प और टीम भावना को बढ़ावा देता है। उन्होंने खेलों की लोगों, क्षेत्रों और देशों को जोड़ने की अनूठी शक्ति को रेखांकित किया और भारत में इसे राष्ट्रीय एकीकरण का शक्तिशाली साधन बताया। ओलंपिक या किसी भी अंतरराष्ट्रीय आयोजन में जब तिरंगा फहराया जाता है तो सभी नागरिक रोमांचित हो जाते हैं।

राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में लिखा, डूरंड कप जैसे आयोजन न केवल खेल भावना को बढ़ावा देते हैं बल्कि फुटबॉल खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को विकसित करने में भी मदद करते हैं, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के लिए एक मंच मिलता है। राष्ट्रपति ने कहा कि फुटबॉल का लाखों लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान है। यह सिर्फ एक खेल नहीं है; यह एक जुनून है। फुटबॉल का खेल रणनीति, धैर्य और एक साझा लक्ष्य की ओर मिलकर काम करने के बारे में है।

एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप का 2025 संस्करण 15 जुलाई से 23 अगस्त तक पांच राज्यों, पश्चिम बंगाल, असम, मणिपुर, मेघालय और झारखंड के छह स्थानों पर खेला जाएगा। असम का कोकराझार लगातार तीसरे साल डूरंड कप की मेजबानी करेगा जबकि झारखंड का जमशेदपुर और मेघालय का शिलांग पिछले साल मेजबान के रूप में शामिल हुए थे। सौ साल पुराने इस टूर्नामेंट ने 2019 में अपना घरेलू मैदान नई दिल्ली से कोलकाता में स्थानांतरित कर दिया था और लगातार छठे संस्करण के लिए यह बरकरार रहेगा।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर शनिवार, 5 जुलाई 2025
pratidinrajdhani.in

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने ऐतिहासिक एकीकृत विनिर्माण इकाई का किया उद्घाटन

एजेंसी, मुंबई। दुनिया के पांचवें सबसे बड़े खुदरा आभूषण विक्रेता (ज्वेलरी रिटेलर) मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने हैदराबाद, तेलंगाना में अत्याधुनिक, पूरी तरह से एकीकृत (इंटीग्रेटेड) आभूषण विनिर्माण इकाई (ज्वेलरी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट) की शुरुआत की है. यह इकाई अपनी तरह की सबसे बड़ी है। मलाबार गोल्ड के 13 देशों में 400 से ज्यादा शोरूम हैं। रंगा रेड्डी जिले के महेश्वरम के जनरल पार्क में स्थित और 3.45 लाख वर्ग फुट में फैली, अपनी तरह की यह पहली एकीकृत विनिर्माण इकाई, भारत और जीसीसी देशों में समूह की 14 विनिर्माण इकाइयों में सबसे बड़ी है। एकीकृत विनिर्माण इकाई में डिजाइनिंग, रिफाइनिंग, विनिर्माण (मैन्यूफैक्चरिंग), क्वालिटी एश्योरेंस, हॉलमार्किंग, वेयरहाउसिंग और सप्लाई चेन मैनेजमेंट जैसे सभी प्रमुख कार्य एक ही परिसर में हो सकते हैं। इस इकाई में सालाना 4.7 टन से अधिक सोने के गहने और 1.8 लाख कैरेट हीरे के गहने बन सकते हैं। इसके अलावा इस यूनिट में हर वर्ष 78 टन सोने की रिफाइनिंग हो सकती है। इस इकाई में 18 राज्यों के 2,750 कुशल कारीगर काम कर रहे हैं और यहां वर्कफोर्स की सेफ्टी, सिक्योरिटी, बेहतरी और सुविधा भी सुनिश्चित की जाती है। इस इकाई के कुल कार्यबल (वर्कफोर्स) में से 40 प्रतिशत की भर्ती स्थानीय आबादी से की गई है और कुल कार्यबल में पुरुष और महिला का अनुपात 80ः20 का तेलंगाना के मुख्यमंत्री श्री रेवंत रेड्डी ने जनरल पार्क इकाई का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया। मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम. पी. अहमद, वाइस–चेयरमैन अब्दुल सलाम के.पी; मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के मैनेजिंग डायरेक्टर (इंडिया ऑपरेशंस) आशेर ओ; एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर निषाद ए के और मलाबार ग्रुप के शीर्ष मैनेजमेंट के अन्य सदस्यों, तेलंगाना सरकार के अन्य गणमान्य लोगों एवं शुभचिंतकों की गरिमामयी उपस्थिति में इस इकाई की शुरुआत हुई। उत्पादन क्षमता बढ़ने से समूह को 'मेक इन इंडिया, मार्केट टू द वर्ल्ड' के अपने विजन के अनुरूप भारत और अंतरराष्टीय बाजारों में आक्रामक तरीके से अपने खुदरा कारोबार को बढ़ाने में मदद मिलेगी। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की सोने एवं हीरे के गहनों की कुल सालाना उत्पादन क्षमता 40.68 टनऔर 3.61 लाखकैरेटसेअधिकहै, जो इसे दुनिया की सबसे बड़ी आभूषण इकाई की शुरुआत को लेकर मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम पी अहमद ने कहा, ^हैदराबाद में हमारी अत्याधुनिक आभूषण करती है, आभूषण विनिर्माण मंर एक नए युग की शुरुआत है। यह इकाई हमारे 'मेक इन इंडिया, मार्केट टू द वर्ल्ड' दृष्टिकोण के अनुरूप वैश्विक बाजारों के लिए भारत में विश्वस्तरीय आभूषण तैयार करने की हमारी प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है।

यह भारत को उत्कृष्ट शिल्प कौशल (क्राफ्टमैनशिप) और डिजाइन उत्कृष्टता (एक्सीलेंस) के वैश्विक केंद्र (ग्लोबल हब) के रूप में स्थापित करने की दिशा में उठाया गया रणनीतिक कदम है। सोना हमेशा स्नेह और प्रेम का सबसे पवित्र प्रतीक रहेगा। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स में हम सिर्फ बेहतरीन सोने और हीरे के गहनों की पेशकश के जरिए इस विरासत का सम्मान करते हैं। इसके साथ ही हम लाइफटाइम मेंटेनेंस काविश्वसनीय'मलाबार प्रॉमिसेज' और पारदर्शी बायबैक गारंटी प्रदान करते हैं– जो दिखाता है कि हम हर खरीद के साथ कितनी अधिक वैल्यू और प्रमाणिकता प्रदान करते हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम
बीरगांव, जिला–रायपुर (छ.ग)

क्रमांक / 2053/न.पा.नि./ लो.नि.वि./2025–26
बीरगांव, दिनांक 03/07/2025

मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम बीरगांव क्षेत्रान्तर्गत पार्षद निधि मद अन्तर्गत भवन एवं रंगमंच, सी.सी. रोड, आर.सी.सी. नाली एवं अन्य मरम्मत / संधारण तथा निर्माण कार्य (08 कार्य) के लिए छत्तीसगढ़ के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र 'ए' में छत्तीसगढ़ के पी.डब्लू.डी. भवन/ एवं इलेक्ट्रीकल एस.ओ.आर 2020 (निविदा तिथि तक संशोधित) अनुसार प्रतिशत दर पर कार्य संपादन हेतु दिनांक 25.07.2025 (आवेदन करने की अंतिम तिथि) तक मैनुअल (तीन लिफाफा पद्धति द्वारा) निविदा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त कार्यो का निर्धारित अनुमानित लागत, अमानत राशि, निविदा की शर्ते, निविदा दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निगम कार्यालय के लोक निर्माण शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी डाउनलोड/प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला–रायपुर (छ.ग.)

सस्ता हुआ सोना, चांदी की कीमत 900 से अधिक बढ़ी

एजेंसी, नई दिल्ली। (आईएएनएस) सोना खरीदारों के लिए खुशखबरी है। पीली धातु की कीमत में गुरुवार को 100 रुपए से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, चांदी की कीमत में 900 रुपए से अधिक का इजाफा हुआ है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 143 रुपए कम होकर 97,337 रुपए हो गया है, जो कि पहले 97,480 रुपए था।

22 कैरेट के सोने का दाम कम होकर 89,161 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 89,292 रुपए था। वहीं, 18 कैरेट के सोने की कीमत 73,110 रुपए प्रति 10 ग्राम से कम होकर 73,002 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है।

सोने के विपरीत चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। चांदी का दाम 932 रुपए बढ़कर 1,07,620 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 1,06,688 रुपए प्रति किलो था।

हाजिर बाजार के साथ वायदा बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में विपरीत कारोबार देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 5 अगस्त 2025 के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.27 प्रतिशत कम होकर 97,129 रुपए और चांदी के 5 सितंबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.63 प्रतिशत बढ़कर 1,08,191 रुपए थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने और चांदी दोनों में मामूली तेजी के साथ कारोबार हो रहा है। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोना करीब 0.02 प्रतिशत बढ़कर 3,359.75 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.73 प्रतिशत बढ़कर 36.993 डॉलर प्रति औंस पर थी।

1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 21,175 रुपए या 27.80 प्रतिशत बढ़कर 97,337 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 21,603 रुपए या 25.11 प्रतिशत बढ़कर 1,07,620 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है।

भारत की रियल जीडीपी वृद्धि दर 6.4-6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने गुरुवार को कहा कि वित्त वर्ष 2026 में भारत की रियल जीडीपी वृद्धि दर 6.4–6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में देश की स्थिति को मजबूत करेगा। सीआईआई के अध्यक्ष राजीव मेमानी ने कहा कि ऐसे समय में जब वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता दो दशकों में अपने उच्चतम स्तर पर है, भारत एक उवल स्थान के रूप में सामने आया है। राष्टीय राजधानी में सीआईआई के एक कार्यक्रम में मेमानी ने कहा कि प्रतिस्पर्धा भारत की समृद्धि का पासपोर्ट है।

उन्होंने कहा, लेकिन प्रतिस्पर्धा को सुधार, इनोवेशन और विश्वास के माध्यम से अर्जित किया जाना चाहिए। सीआईआई सरकार, उद्योग और नागरिकों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि भारत को एक आत्मविश्वासी, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक रूप से जुड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने में मदद मिले। उन्होंने कहा कि भारत की आंतरिक गति बाहरी झटकों को झेलने के लिए पर्याप्त मजबूत है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा, ऐसी दुनिया में जहां व्यापार और टेक्नोलॉजी के नियम तेजी से बदल रहे हैं, हमें भारत की वृद्धि को प्रतिस्पर्धा में स्थिर करना चाहिए, जो पैमाने, उत्पादकता और इनोवेशन पर आधारित हो। यह हमारा समय है। लेकिन हमें निर्णायक रूप से कार्य करना चाहिए। सीआईआई राजकोषीय संतुलन बनाए रखते हुए विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के कैलिब्रेटेड विनिवेश के माध्यम से सरकारी राजस्व बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव देता है।

मॉयल का मैंगनीज अयस्क उत्पादन बढ़कर रिकॉर्ड 1.68 लाख टन हुआ

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी मैंगनीज अयस्क उत्पादक कंपनी मॉयल ने जून में अब तक का सर्वाधिक 1.68 लाख टन मैंगनीज अयस्क उत्पादन कर अपनी मजबूत वृद्धि दर जारी रखी है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी गुरुवार को जारी किए गए एक आधिकारिक बयान में दी गई।

मॉयल ने 2025–26 की अप्रैल–जून तिमाही के दौरान 5.02 लाख टन का अब तक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही उत्पादन दर्ज किया है, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 6.8 प्रतिशत अधिक है।

यह सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी स्टील बनाने के लिए इनपुट के रूप में मैंगनीज अयस्क की सप्लाई करती है। कंपनी ने 34,900 मीटर की अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ पहली तिमाही एक्सप्लोरेटरी कोर ड्रिलिंग भी हासिल की, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 16.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाती है। परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए मॉयल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अजीत कुमार सक्सेना ने कहा कि अमॉयल का मैंगनीज अयस्क उत्पादन बढ़कर रिकॉर्ड 1.68 लाख टन हुआ

प्रैल–जून अवधि में कंपनी का शानदार प्रदर्शन इसकी मजबूत बुनियादी बातों और निरंतर ग्रोथ आउटलुक को दर्शाता है।

वित्त वर्ष 2024–25 की जनवरी–मार्च तिमाही में मॉयल ने कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट में 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 91.1 करोड़ रुपए की तुलना में 115.7 करोड़ रुपए रहा। तिमाही के दौरान परिचालन से राजस्व 433.4 करोड़ रुपए रहा, जो एक वर्ष पहले के 415.9 करोड़ रुपए से 4.2 प्रतिशत अधिक है। परिचालन प्रदर्शन स्थिर रहा, ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 8.7 प्रतिशत बढ़कर 139.4 करोड़ रुपए हो गया। ईबीआईटीडीए मार्जिन एक वर्ष पहले की अवधि में 30.9 प्रतिशत से बढ़कर 32.2 प्रतिशत हो गया, जो बेहतर लागत नियंत्रण और दृढ़ मूल्य निर्धारण को दर्शाता है। मॉयल बोर्ड ने तीसरी तिमाही के परिणामों की घोषणा के दौरान वित्त वर्ष 2024–25 के लिए 4.02 रुपए प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश के भुगतान को भी मंजूरी दी है।

50 करोड़ रुपए के अल्ट्रा-लग्जरी घरों की बिक्री में 2,550 प्रतिशत की वृद्धि हुई

एजेंसी, नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मजबूत होने के कारण देश में अल्ट्रा–लग्जरी घरों की मांग तेजी से बढ़ रही है। 2025 की पहली छमाही (जनवरी–जून अवधि) में 50 करोड़ रुपए मूल्य के अल्ट्रा–लग्जरी घरों की बिक्री में 2,550 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, इस दौरान 20–50 करोड़ रुपए के घरों की बिक्री में 1,233 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। यह जानकारी गुरुवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई।

एनसीआर के आवासीय बाजार में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है और अब प्रीमियम एवं लग्जरी आवासों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

नाइट फ्रैंक इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में 2 करोड़ रुपए से अधिक के घरों की कुल बिक्री में हिस्सेदारी 57 प्रतिशत से अधिक थी, जबकि पिछले साल समान अवधि में यह आंकड़ा 43 प्रतिशत पर था।

गोल्फ कोर्स रोड और सदर्न पेरिफेरल रोड जैसे गुरुग्राम के प्रमुख स्थानों पर अल्ट्रा–लक्जरी प्रोजेक्ट में कुछ यूनिट 50 करोड़ रुपए से अधिक की हैं और उन्हें घर खरीदारों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। अकसर लॉन्च के तुरंत बाद 60–70 प्रतिशत घर बिक जाते हैं।

नाइट फ्रैंक इंडिया के उत्तर में कार्यकारी निदेशक मुदस्सिर जैदी ने कहा, आवासीय बाजार का प्रीमियमीकरण की ओर झुकाव बदलती आकांक्षाओं की एक आकर्षक कहानी बताता है। हम जो देख रहे हैं वह एक महत्वपूर्ण बाजार विकास है। खरीदार अटकलों की तुलना में गुणवत्ता, जीवनशैली और विशिष्टता को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो एनसीआर के प्रीमियम कॉरिडोर में दीर्घकालिक विकास के लिए अधिक टिकाऊ आधार बनाता है।

एनसीआर में गुरुग्राम ने आवासीय बिक्री में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखी है और इससे शहर की 2025 की पहली छमाही में कुल आवासीय बिक्री में 51 प्रतिशत और नए लॉन्च में 55 प्रतिशत हिस्सेदारी रही है। रिपोर्ट में बताया गया कि आवासीय बिक्री में शहर की लीडरशीप को द्वारका एक्सप्रेसवे, सोहना रोड और सदर्न पेरिफेरल रोड जैसे प्रमुख कॉरिडोर में चल रहे इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड का सपोर्ट मिल रहा है, जिसने समग्र कनेक्टिविटी और रहने की क्षमता में काफी सुधार किया है।

वहीं, नोएडा और ग्रेटर नोएडा ने एनसीआर की कुल आवासीय बिक्री में 30 प्रतिशत और नए लॉन्च में 29 प्रतिशत का योगदान दिया, ग्रेटर नोएडा ने अधिक भूमि उपलब्धता और जेवर में आगामी नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे जैसे बुनियादी ढांचे के अपग्रेड के कारण बड़ी हिस्सेदारी हासिल की है। रिपोर्ट में बताया गया कि दक्षिण दिल्ली, गोल्फ कोर्स रोड, पेरिफेरल रोड जैसे प्रमुख सूक्ष्म बाजारों ने रणनीतिक कनेक्टिविटी और प्रीमियम स्थिति के कारण सबसे तेज मूल्य वृद्धि दर्ज की।

सेबी ने अमेरिकी फर्म जाने स्ट्रीट पर लगाई रोक

मुंबई, । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अमेरिकी ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट और उससे जुड़ी तीन अन्य संस्थाओं को शेयर बाजार में कारोबार करने से रोक दिया है। साथ ही उसे 4,843.5 करोड़ रुपए जमा करने का आदेश किया गया है।

अपने आदेश में नियामक ने इन संस्थाओं के बैंक खातों से डेबिट फ्रीज करने का भी निर्देश दिया है, जिनमें जेएसआई2 इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड, जेन स्ट्रीट सिंगापुर पीटीई लिमिटेड और जेन स्ट्रीट एशिया ट्रेडिंग लिमिटेड शामिल हैं। सेबी के आदेश के अनुसार, जेन स्ट्रीट ने 1 जनवरी, 2023 से 31 मार्च, एक्सचेंजों पर इंडेक्स ऑप्शंस में ट्रेडिंग के जरिए 43,289.33 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया।

पीएम गति शक्ति मास्टर प्लान ने भारत की लॉजिस्टिक्स लागत को जीडीपी के 5 प्रतिशत तक घटाया

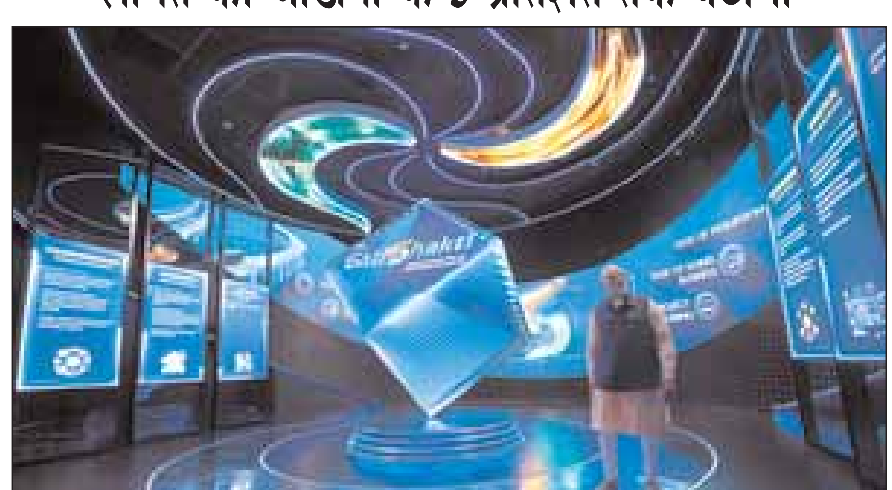

एजेंसी, नई दिल्ली,। नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) द्वारा की गई स्टडी के अनुसार भारत की लॉजिस्टिक्स लागत जीडीपी के 7.8–8.9 प्रतिशत के बीच रह गई है, जो पहले अनुमानित 13–14 प्रतिशत के आंकड़ों से काफी कम है। यह बुनियादी ढांचे के विकास के लिए लाए गए पीएम गति शक्ति राष्टीय मास्टर प्लान की सफलता को दर्शाता है। यह जानकारी गुरुवार को जारी गति से प्रगति नामक एक रिपोर्ट में दी गई।

हालांकि, देश की लॉजिस्टिक्स लागत अभी भी विकसित अर्थव्यवस्थाओं के 6–8 प्रतिशत के वैश्विक बेंचमार्क से ऊपर है।

रिपोर्ट में बताया गया कि विश्व बैंक के लॉजिस्टिक्स परफॉरमेंस इंडेक्स में भारत का 2023 में 44वें स्थान से 38वें स्थान पर पहुंचना सकारात्मक गति को दर्शाता है, हालांकि आगे और प्रगति की पर्याप्त गुंजाइश है।

पीएम गति शक्ति राष्टीय मास्टर प्लान भारत की सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा समन्वय पहल है, जो देश के कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को तेजी से बदल रही है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, इस योजना ने मजबूत संस्थागत ढांचे स्थापित किए हैं और शुरुआती समन्वय सफलताएं हासिल की हैं, लेकिन इसके सात बुनियादी ढांचे के इंजनों में लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से भारत के आर्थिक परिवर्तन को गति देने के लिए पर्याप्त अवसर बने हुए हैं।

सात इंजन फ्रेमवर्क सड़क, रेलवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह, जलमार्ग, जन परिवहन और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को शामिल करते हुए एक समग्र दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है, जिनमें से प्रत्येक भारत के कनेक्टिविटी इकोसिस्टम में अलग–अलग मूल्य का योगदान देता है।

रिपोर्ट में बताया गया कि इस योजना का लक्ष्य महत्वाकांक्षी हैं, जिसमें राष्टीय राजमार्गों को 2,00,000 किलोमीटर तक विस्तारित करना, रेलवे माल ढुलाई क्षमता को 1,600 मिलियन टन तक बढ़ाना, 200–220 नए हवाई अड्डे स्थापित करना और व्यापक मल्टी–मॉडल एकीकरण करना शामिल है।

रिपोर्ट में बताया गया कि सभी सात इंजनों में कार्यान्वयन चुनौतियां बनी हुई हैं, जिनमें फंडिंग अंतराल, नियामक जटिलताएं, भूमि अधिग्रहण में देरी और केंद्रीय और राय एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी शामिल है।

विश्लेषण से पता चलता है कि संस्थागत ढांचा मौजूद होने के बावजूद समन्वय तंत्र को त्वरित परियोजना वितरण में बदलने के लिए प्रौद्योगिकी अपनाने, निजी क्षेत्र की भागीदारी और सुव्यवस्थित अनुमोदन प्रक्रियाओं पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएम गति शक्ति की सफलता अंततः निरंतर राजनीतिक प्रतिबद्धता, पर्याप्त संसाधन आवंटन और उभरती चुनौतियों और अवसरों के लिए समन्वय तंत्र के निरंतर अनुकूलन पर निर्भर करती है। –रिपोर्ट में बताया गया कि विश्व बैंक के लॉजिस्टिक्स परफॉरमेंस इंडेक्स में भारत का 2023 में 44वें स्थान से 38वें स्थान पर पहुंचना सकारात्मक गति को दर्शाता है, हालांकि आगे और प्रगति की पर्याप्त गुंजाइश है।

पीएम गति शक्ति राष्टीय मास्टर प्लान भारत की सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा समन्वय पहल है, जो देश के कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को तेजी से बदल रही है।

राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन ने 2 महीने में उपभोक्ताओं को 7.14 करोड़ का रिफंड दिलवाने में की मदद

एजेंसी, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, 4 जुलाई (आईएएनएस) । केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि राष्टीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) ने पिछले दो महीनों में उपभोक्ताओं को 7.14 करोड़ रुपए का रिफंड सफलतापूर्वक उपलब्ध करावाया है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, रिफंड दावों से संबंधित 15,426 उपभोक्ता शिकायतों का प्रभावी ढंग से समाधान करते हुए 30 क्षेत्रों में निवारण किया गया। ई–कॉमर्स क्षेत्र में सबसे अधिक शिकायतें दर्ज की गईं, जिसमें 8,919 शिकायतें दर्ज की गईं और तदनुसार, सबसे अधिक 3.69 करोड़ रुपए की रिफंड सुविधा प्रदान की गई। इसके बाद यात्रा और पर्यटन क्षेत्र का स्थान रहा, जिसमें 81 लाख रुपए का रिफंड किया गया।

मंत्रालय के अनुसार, ई–कॉमर्स रिफंड से संबंधित शिकायतें पूरे देश से आईं, जिनमें उत्तर प्रदेश से 1242 सबसे अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। इसके बाद सिक्किम तथा दादरा और नगर हवेली जैसे छोटे क्षेत्रों से शिकायतें दर्ज की गईं। विभाग ने कहा, 25 अप्रैल से 30 जून 2025 के बीच 7.14 करोड़ रुपए के रिफंड की सुविधा हेल्पलाइन की प्रभावकारिता और जवाबदेही को दर्शाती है। एनसीएच में पंजीकृत शिकायतों और डॉक की संख्या में यह वृद्धि विशेष रूप से कॉल, वेब पोर्टल, व्हाट्सएप, एनसीएच ऐप, उमंग, सीपीजीआरएएमएस, एसएमएस, ईमेल और एआई–सक्षम चैटबॉट जैसे डिजिटल तरीकों के माध्यम से प्लेटफॉर्म की बढ़ती पहुंच को भी दर्शाती है।

यह समय पर परेशानी मुक्त शिकायत निवारण सुनिश्चित करने में एनसीएच की महत्वपूर्ण भूमिका को भी उजागर करता है। यह हेल्पलाइन देश भर के उपभोक्ताओं के लिए प्री–लिटिगेशन फेज में शिकायत निवारण की मांग करने के लिए सिंगल–पॉइंट ऑफ एक्सेस के रूप में उभरी है। उपभोक्ता टोल–फ्री नंबर 1915 के माध्यम से 17 भाषाओं में अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। विभाग ने कंज्यूमर प्रोटेक्शन फ्रेमवर्क को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और सभी उपभोक्ताओं से अपने अधिकारों की रक्षा करने और समय पर निवारण पाने के लिए हेल्पलाइन का सक्रिय रूप से उपयोग करने का आग्रह किया।

एनसीएच उपभोक्ता शिकायतों को तेजी से और सौहार्दपूर्ण तरीके से हल करने में एक महत्वपूर्ण पूर्व–मुकदमेबाजी भूमिका निभाता है, जिससे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उपभोक्ता आयोगों पर बोझ कम होता है।

Pratidinrajdhani.in

Daily Morning Newspaper & Webportal

E Paper Also Available

Web Portal : www.pratidinrajdhani.in
Youtube : Pratidin Rajdhani

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार

आम ईश्तहार, खरीदी बिक्री,
नाम परिवर्तन, आवश्यकता, कोर्ट नोटिस

संपर्क करें:
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
62629 04444
ई-मेल : pratidincg@gmail.com
E-paper : https://epaper.pratidinrajdhani.in

विज्ञापन एजेंसियां

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, रायपुर, फोन 2223699, 2539578, 94252 11222

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13 14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1, रायपुर, मो. 99811-30300

अजय एडवरटाइजर्स, पब्लिसिटी
समलेंद शिखर कॉम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर
फोन :2224371, 2537569,94242-01700

ए.एस. एसोसिएट्स
प्रथम तल, आनंद भवन गुरुनानक चौक, रायपुर
मो. 93020-77741, 98271-62101

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, मेवीलॉन इन के बाजू में, रायपुर
फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269-06113

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य साईं प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल, पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर, रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

सुमीत एडवरटाइजर्स
शहीद स्मारक भवन, रजबंधा, रायपुर
फोन नं. 0771-4031319, मो. 98261-61116, 98267-08989

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-9329100268

चित्रांश पब्लिसिटी
24, प्रथम तल, चित्रेता कॉम्प्लेक्स शास्त्री बाजार, रायपुर
मो. 94252 04920, फोन : 2234944, 2582593

देव एड एजेंसी
आशीर्वाद टॉवर, राज टॉकीज, रायपुर , फोन नं. 2537897
मो. 7987854705, 98268 77609

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबास टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

अनिश एड.
बादल हाउस के पास, शंकर नगर, रायपुर
मो. 93021-19222, 9303119222

श्रीराम एडवरटाइजिंग एंड मार्केटिंग रायपुर ब्रांच
403 चौथी मंजिल मेग्नेटो, जीई रोड, रायपुर
फोन नं. 0771 4055015

श्री सीमेंट प्लांट की वादाखिलाफी से नाराज ग्रामीणों का प्रदर्शन

प्रतिदिन राजधानी, बलौदाबाजार सिमगा विकासखंड के ग्राम पंचायत चंडी में शुक्रवार को सीमेंट प्लांट खपराडीह की वादाखिलाफी को लेकर नाराज ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया. ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व में हुई बैठक में 15 दिन के भीतर मांगें पूरी करने का आश्वासन कंपनी द्वारा दिया गया था, लेकिन समय बीत जाने के बाद भी कोई ठोस पहल नहीं हुई है. जिससे ग्रामीण काफी नाराज है. रोजगार देने की प्रमुख मांग सहित सात बिंदुओं पर ग्रामीणों का यह धरना प्रदर्शन चल रहा है. दरअसल, स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार में प्राथमिकता, अधिग्रहीत आदिवासी भूमि का पुन: पंजीयन, जलाशय क्षेत्र में हुए अतिक्रमण की जांच, विस्थापित परिवारों को रोजगार, ट्रक यार्ड और सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि की वापसी और ग्राम विकास फंड की राशि

का उपयोग जैसे मुद्दों पर ग्रामीणों ने प्रदर्शन शुरू किया है. इस प्रदर्शन को देखते हुए जिला प्रशासन के तरफ एसडीएम सिमगा अंशुल वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह की मौजूदगी में श्री सीमेंट प्लांट प्रबंधन और प्रदर्शन कर रहे ग्रामीण के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता जारी है. ग्रामीणों का स्पष्ट आरोप है कि कंपनी ग्राम विकास को लेकर कोई काम नहीं कर रही है. विकास ठप पड़े है, गांव के युवा बेरोजगार है. बांध पर अतिक्रमण कर रहे हैं. साथ ही पानी की समस्या भी है. शासकीय जमीन पर यार्ड बनाये गए हैं, सौर पैनलों की जगह पर कब्जा किया है. साथ ही प्रशासन भी इन समस्याओं पर आज तक कोई ध्यान नही दे रही है.नवनिर्वाचित सरपंच सत्यभामा विनोद बंछोर ने बताया कि कंपनी को स्थापित हुए 15 वर्ष हो चुके हैं लेकिन ग्राम चंडी का कोई विकास नहीं हुआ है. वहीं शासकीय भूमि पर कंपनी ने कब्जा कर लिया है. बेरोजगार युवाओं को रोजगार नहीं दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि अगर कंपनी ने हमारी मांग को पूरा नहीं किया तो आगे उग्र प्रदर्शन किया जाएगा.अब देखना होगा कि कंपनी प्रबंधन, प्रशासन और ग्राम चंडी के ग्रामीण प्रतिनिधियों के बीच संवाद से क्या समाधान निकलता है. यदि ग्रामीणों की मांगों पर सहमति बनती है, तो स्थिति सामान्य हो सकती है, अन्यथा असंतोष गहराने की आशंका बनी रहेगी.

छत्तीसगढ़ के रितेश ने बेंगलुरु में रचा इतिहास

प्रतिदिन राजधानी,सक्ती सक्ती से सिलिकॉन वैली तक, संघर्षों की धरती से सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचे रितेश कुमार, ग्राम बेलादुला, तहसील जैजैपुर, जिला सक्ती (छत्तीसगढ़) के निवासी, आज बेंगलुरु की एक प्रतिष्ठित कंपनी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। एक साधारण परिवार से आने वाले रितेश ने अपनी मेहनत और संकल्प से असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं, साथ ही समाज सेवा एवं उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए राज्यस्तरीय पहचान भी मिल चुका है।

प्लास्टिक्स इंजीनियरिंग में बी.टेक की पढ़ाई रितेश ने सिपेट रायपुर से की, जहाँ वे क्लास रिप्रेजेंटेटिव के साथ-साथ राष्ट्रीय सेवा योजना कमांडर भी रहे। उन्होंने हस्त के 3 कैंप अटेंड किए, जिसमें एक स्टेट लेवल और दो यूनिट लेवल कैंप शामिल हैं– उन दोनों यूनिट कैंपों का नेतृत्व स्वयं रितेश ने किया । रितेश ने सिर्फ किताबों तक खुद को सीमित नहीं रखा ,बल्कि हर मंच पर अपनी मौजूदगी और पहचान दर्ज कराई

छोटे गांव से उठकर बना सिलिकॉन वैली में इंजीनियर, सांसदों ने 4 बार किया है

है। कॉलेज जीवन में रितेश ने निबंध, वीडियो मेकिंग, क्रिकेट, शतरंज, जनरल नॉलेज सहित कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया और बहुत बार प्रथम स्थान भी प्राप्त किया। उनकी उत्कृष्टता के लिए उन्हें विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर द्वारा भी सम्मानित किया गया।

उनकी कुशल नेतृत्व क्षमता और समाज सेवा के साथ विभिन्न कार्यक्रम में प्रथम आने के लिए उन्हें अब तक चार बार सांसद जी ने मेडल, शील्ड और सर्टिफिकेट से सम्मानित किया है। जिनमें से दो बार पूर्व सांसद श्री सुनील सोनी जी और दो बार वर्तमान सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल जी द्वारा । इसके अतिरिक्त उन्हें पूर्व के केंद्रीय मंत्री सम्माननीय श्री भगवंत खुबा जी से भी सम्मानित होने का मौका मिला साथ ही रायपुर ग्रामीण के विधायक श्री मोतीलाल साहू जी द्वारा भी सम्मानित होने का मौका मिला। रितेश के पिता श्री सेतराम कुर्रे जी, बिलासपुर हाई कोर्ट में अधिवक्ता और प्र. छ. स. स. के (जिला सचिव) हैं। रितेश की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से आज पूरा परिवार, गांव और समाज गर्व से गूंज उठा है।

रितेश कहते हैं – मैं उन सभी युवाओं को कहना चाहता हूं जो खुद को कम आंकता है, वे याद रखे पहचान जन्म से नहीं, संघर्ष से बनती है, छोटे शहरों में बड़े सपने पलते हैं, और अगर इरादे सच्चे हों तो रास्ते खुद बनते हैं।

बस ठान लो तो कुछ भी नामुमकिन नहीं होता ।

सढ़ौली और मरौदा में धरती आबा जनजातीय शिविर

प्रतिदिन राजधानी,गरियाबंद धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत जिले के 187 ग्राम पंचायतों के 334 ग्राम बसाहटों में विशेष लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया गया। इसी तारतम्य में विकासखण्ड गरियाबंद के ग्राम सढ़ौली एवं मरौदा में धरती आबा जनजातीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जनजातीय परिवार के लोगों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

शिविर में शासकीय योजनाओं का लाभ लेने बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शिविर

जनजातीय परिवारों को विभिन्न योजनाओं से किया लाभान्वित

के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं उनके लाभ लेने के लिए पात्रता की भी जानकारी विशेष रूप से दी गई। इनमें हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, नया राशन कार्ड, आधार कार्ड, प्रधानमंत्री जनधन योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड, जीवन ज्योति बीमा योजना, वन धन योजना, सामाजिक पेंशन प्रदान किया गया। इसी तरह हितग्राहियों को वृद्धावस्था पेंशन की स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही पशु पालन विभाग के विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। समाज के लोगों द्वारा शासन के विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया।

बिना एचएसआरपी नंबर के वाहनों पर चालान

नम्बर प्लेट बनवाने बेलर-गरियाबंद में शिविर

प्रतिदिन राजधानी,गरियाबंद जिले में परिवहन विभाग के द्वारा बिना एच.एस.आर.पी. नंबर प्लेट, हेलमेट के उपयोग को लेकर एवं यातायात नियमों के उल्लंघन पर सघन कार्यवाही की जा रही है। नम्बर प्लेट बनवाने पूर्व में भी समस्त ब्लॉक मुख्यालयों में शिविरों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। इसी तारतम्य में 4 जुलाई शुक्रवार को छ.ग. राज्य ग्रामीण बैंक बेलर (फिंगेश्वर) एवं 5 जुलाई शनिवार को ग्रामीण बैंक गरियाबंद में शिविर का आयोजन

विशेष शिविरों का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया गया था। अब विभाग द्वारा बिना एचएसआरपी नम्बर प्लेट के वाहनों पर चालानी कार्यवाही शुरू हो गई है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार 01 अप्रैल 2019 के पूर्व के समस्त वाहनों में एच.एस.आर.पी. नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य किया गया है, जिसके अंतर्गत जिला परिवहन कार्यालय के द्वारा जिला गरियाबंद अंतर्गत किया जायेगा। इसके अतिरिक्त ब्लाक मुख्यालयों में भी परिवहन सुविधा केन्द्र स्थापित की गई है, जिसमें नागरिक उपस्थित होकर अपनी एच.एस.आर.पी. नंबर प्लेट लगवाने के संबंध में आवेदन कर हेल्पलाईन नंबर 9981329779 से संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त हन की आर.सी. बुक, आधार कार्ड (छायाप्रति) एवं मोबाईल नंबर प्रस्तुत कर आवेदन भी किया जा सकता है।

नशे में धुत युवक ने 5 लोगों को कुचला, 3 की मौत, 2 घायल

प्रतिदिन राजधानी, कोरबा. छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया. नशेड़ी युवक की बेकाबू कार ने दो बाइक और साइकिल को टक्कर मारने के बाद विपरीत दिशा से आ रही बाइक को चपेट में ले लिया. कार चालक ने लगभग 100-150 मीटर तक घसीटता रहा. कार सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड से टकराई, जिससे एयरबैग खुला और गाड़ी रुकी. इस दर्दनाक हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. पूरी घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है. जानकारी के मुताबिक, कार चालक राहुल यादव ने पहले आईटीआई चौक से कुछ दूर पर टीवीएस चैम्प और यामाहा मोटरसाइकिल को टक्कर मारी, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. कार चालक ने नियंत्रण खो दिया और एक साइकिल सवार को भी अपनी चपेट में ले लिया. अभी भी उसने कार नहीं रोकी, विपरीत दिशा से आ रही बाइक को घसीटते हुए 100-150 मीटर तक दूर ले गया. कार और अन्य वाहनें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई. आरोपी

चालक राहुल यादव के हाथ में फैंक्चर था, इसके बावजूद वह तेज रफ्तार में कार चला रहा था. वहीं दुर्घटना में घायल हुए 5 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिनमें से 3 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई है.

हादसे के बाद आक्रोशित भीड़ ने कार चालक राहुल यादव की जमकर पिटाई कर दी. सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद चालक को भीड़ से छुड़ाकर हिरासत में लिया. आरोपी के पिता लाइन मेन का काम करते हैं. आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 और धारा 110 गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है.

महासमुंद के वार्डों के समग्र विकास विकास के लिए तैयार हो रही पंचवर्षीय योजना

प्रतिदिन राजधानी,महासमुंद छग शासन के नगरीय प्रशासन विभाग के द्वारा नगर पालिका क्षेत्रों में समग्र विकास को लेकर सिटी डेवलपमेन्ट प्लान प्रदेश में तैयार कराया जा रहा है जिसके तहत महासमुंद नगर पालिका के 30 वार्डों में पार्षदों द्वारा पंचवर्षीय विकास की कार्ययोजना बनाकर पालिका में जमा की जा रही है। नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचन्द राठी ने भी वार्ड क्र 14 के समग्र विकास को लेकर कार्ययोजना बनाई है साथ ही शहर के प्रमुख विकास कार्यों को प्राथमिकता से जोड़ने के लिए कार्ययोजना मुख्य नगर पालिका अधिकारी अशोक सलामे को 10 पत्रों में दिया गया है। शहर के लिए करोड़ों की योजना बनाकर पूर्व में केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू छग शासन के उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री को दिया जा चुका है। श्री राठी ने बताया कि शासन की अच्छी पहल है इससे पांच वर्षों में शहर में क्या क्या काम विकास के कराये जाने है जिसकी रूपरेखा तैयार हो जायेगी। वार्ड क्रमांक 14 में दो गली मृत है जिसे चालू कराया जा सकता है। एक मुर्गा दुकान को हटाकर नया रोड बन सकता है। उसी तरह आलोक चन्द्राकर घर के पास 3 फीट की गली है उस गली को 10 फीट करने से आवागमन सुलभ होगा। पुराना मण्डी में कॉम्प्लेक्स बन रहा है जिसमें एक नया रोड प्राप्त होगा। इसके लिए संबंधित भूमि धारक को मुआवजा देना पड़ेगा जिससे दो नये रोड वार्ड नं. 14 को मिल सकेगा। इसके अलावा ओव्हरब्रीज के नीचे व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स, वार्ड में सीसी, रोड नाली, आंगनबाड़ी भवन जैसे को कार्ययोजना में शामिल किया गया है। वार्ड नं. 14 के पांच वर्षीय कार्ययोजना पत्रक को सौंपते वक्त भाजपा शहर मण्डल अध्यक्ष

भंवरपुर महाविद्यालय का 3 साल बाद भी अपना भवन नहीं

प्रतिदिन राजधानी,महासमुंद । महासमुंद जिले के बसना ब्लॉक स्थित भंवरपुर में महाविद्यालय खुले 3 साल होने को है, लेकिन कॉलेज नए भवन को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। अत: यह नवीन महाविद्यालय आज भी उधार के भवन संचालित हो रहा है। गौरतलब है कि कांग्रेस शासनकाल में बसना ब्लॉक के भंवरपुर में तात्कालिक सरकार द्वारा महाविद्यालय खोलने की घोषणा की गई थी।

फिर उन्हीं की सरकार में कन्या शाला भंवरपुर में महाविद्यालय की पढ़ाई शुरू हो गयी। इसके बाद भाजपा की सरकार आई और अब 3 वर्ष बीत की सुधि किसी ने नहीं ली है। हालात यह है कि विद्यार्थियों को अब बी कन्या शाला में पढ़ाई करना पड़ रहा है।

आयुक्त ने किया देर रात तक शहर के जल भराव क्षेत्र का निरीक्षण

प्रतिदिन राजधानी, रायगढ़ मंगलवार की शाम हुई तेज बारिश से शहर के विभिन्न स्थान मोहल्लों पर जल भराव की स्थिति निर्मित हुई, जिस पर कच्ची नाली निकालकर, नाले के मुहानों पर जमे कचरा को जेसीबी से निकलवाकर एवं पानी निकासी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर पानी निकासी बहाल किया गया। इससे कुछ ही समय में जल भराव की स्थिति सामान्य हुई। इस दौरान देर रात तक निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय ने जल भराव क्षेत्र का निरीक्षण किया। मंगलवार की शाम अचानक करीब 3 घंटे तक तेज बारिश हुई। इससे शहर के निचले स्तर पर जल भराव की स्थिति निर्मित हो गई थी। इसे लेकर कमिश्नर बृजेश श्री क्षत्रिय ने पैठु डबरी ल, निर्मल लॉज, संजय काम्प्लेक्स, सिद्धि विनायक कॉलोनी, इंदिरा नगर, भगवानपुर, कृष्ण कुंज कॉलोनी, न्यू होराइजन स्कूल, रामभाठा सब स्टेशन, मोहदापारा पुल, चांदनीराम पुल, किसान राइस मिल के पीछे निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बाढ़ निवारण की टीम भी साथ थी। इस दौरान भगवानपुर में नाले से जलकुंभी निकल गया, जिससे पानी निकासी बहाल हुई। इसी तरह न्यू होराइजन स्कूल कॉलोनी में जल भराव होने पर जेसीबी से कच्ची नाली निकालकर पानी निकासी बहाल कराया गया। किसान राइस मिल के पीछे नाले के मुहाने पर जलकुंभी एवं बड़ी मात्रा में कचरा फंसा हुआ था, जिसे जेसीबी के माध्यम से निकल गया और अपनी निकासी की स्थिति बनाई गई। इसी तरह बेलादुला खेतपारा में नाली पर घर बनने, अतिक्रमण होने एवं पानी निकासी के लिए नाली नहीं होने के कारण यहां ज्यादा जल भराव की स्थिति निर्मित हो गई थी। पानी निकासी के लिए नाली एवं स्थल जगह नहीं होने के कारण यह स्थिति निर्मित हुई।

पानी निकासी के लिए कच्ची नाली निकाल किया गया वैकल्पिक

रेलवे ठेकेदार को एफआईआर की चेतावनी, तत्काल हुआ काम चालू रेलवे द्वारा चौथी लाइन के विस्तार कार्य के कारण संजय नगर स्थित पानी निकासी के पुल को पाठ दिया गया था। इसमें पानी निकासी के लिए एक कम चैड़ाई का ह्यूम पाइप डाल गया था, क्योंकि संजय नगर से लगे करीब निकासी नहीं होने पर यहां ज्यादा निगम कमिश्नर ने रेलवे प्रबंधन से स्थिति को अवगत कराते हुए, चर्चा की एवं पत्र लिखते हुए ठेकेदार के विरुद्ध एफ आई आर करने की चेतावनी दी।

शांति समिति की बैठक, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दिए निर्देश

प्रतिदिन राजधानी, रायगढ़ 6 जुलाई रविवार को मनाए जाने वाले मुहर्रम पर्व को लेकर पुलिस कंट्रोल रूम में आज शांति समिति की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश मरकाम ने की, जिसमें मुस्लिम समुदाय के सक्रिय सदस्यगण, जनप्रतिनिधि, पार्षद एवं प्रशासनिक अधिकारी मार्ग पर सुचारु यातायात व्यवस्था और साफ-सफाई सुनिश्चित कराने की मांग की गई। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि जुलूस मार्गों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा तथा यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने पुलिस बल एवं वालंटियर की तैनाती रहेगी। साथ ही आपात स्थिति के मद्देनजर मोबाइल एम्बुलेंस की भी व्यवस्था

शामिल हुए।

बैठक में मुहर्रम के दौरान शहर के किन-किन क्षेत्रों से ताजिया और अखाड़ों के जुलूस निकाले जाएंगे, इस संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने अखाड़ों में शस्त्रों के प्रदर्शन तथा ध्वनि यंत्रों के उपयोग पर शासन द्वारा जारी नियमों का पालन करने के निर्देश दिये। सलीम नियारिया, नेता प्रतिपक्ष द्वारा चांदनी चौक और ताजिया की जाएगी।

एएसपी श्री मरकाम ने कहा कि पुलिस द्वारा कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु व्यापक सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। साथ ही ताजिया एवं अखाड़ा आयोजकों से अपील की गई कि वे अपनी समिति स्तर पर वालंटियर नियुक्त करें जो जुलूस के दौरान अनुशासन और समन्वय में सहयोग करें। बैठक में एसडीएम रायगढ़ महेश कुमार शर्मा, नगर पुलिस

कांग्रेस की दोहरी नीति पर सियासी टकराव- रायगढ़ की खदान में जनता की ज़रूरत या राजनीति का खेल?

प्रतिदिन राजधानी, रायगढ़ रायगढ़ – महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी कोयला खदान परियोजना को लेकर कांग्रेस ने एक बार फिर भाजपा सरकार को घेरने की कोशिश की है। रायगढ़ जिले में प्रस्तावित इस परियोजना को लेकर कांग्रेस ने जिस तरह से भ्रम की स्थिति उत्पन्न की है, उसने मीडिया का ध्यान आकर्षित किया है।

कोयला और कांग्रेस का पुराना संबंध रहा है। 1970 के दशक में इंदिरा गांधी सरकार ने कोल इंडिया लिमिटेड की स्थापना की थी, जो आज विश्व की सबसे बड़ी सरकारी खनन कंपनियों में से एक है। इसकी सबसे बड़ी सहायक कंपनी, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में फैले 92 कोयला ब्लॉकों से खनन करती है। यह कंपनी छत्तीसगढ़ में अब तक सबसे

अधिक वृक्षों की कटाई करने वाली संस्था रही है। वहीं, मनमोहन सिंह सरकार के दौरान हुए कोयला घोटाले को देश भूला नहीं है।

इस बार कांग्रेस ने महाराष्ट्र राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी (महाजेनको) की कोयला खदान परियोजना को निशाना बनाया है। यह वही परियोजना है जिसे 2016 में महाराष्ट्र सरकार को आवंटित किया गया था। कांग्रेस का विरोध इस समय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि महाराष्ट्र को बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इस कोयले की सख्त जरूरत है। यदि यह परियोजना बाधित होती है, तो महाराष्ट्र की भाजपा सरकार को बिजली उत्पादन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा, जिससे उपभोक्ताओं को महंगी बिजली मिल सकती है और राज्य की प्रगति प्रभावित हो सकती है।

दिलचस्प बात यह है कि महाजेनको को इस परियोजना के लिए आवश्यक पर्यावरणीय स्वीकृतियाँ कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ही मिली थीं

सितंबर 2019: भूपेश बघेल सरकार के दौरान जीपी द्वितीय खदान के लिए जन सुनवाई आयोजित की गई।

अक्टूबर 2019: पर्यावरण मंत्रालय को परियोजना की सिफारिश भेजी गई।

जुलाई 2022: केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने परियोजना को पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान की।

इन तथ्यों से स्पष्ट है कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए परियोजना को आगे बढ़ाया और अब विपक्ष में आकर उसका विरोध कर रही है। इससे भाजपा सरकार के लिए जनमत और प्रशासनिक दबाव दोनों बढ़ सकते हैं।

अब सवाल यह है कि क्या भाजपा सरकार कांग्रेस के इस विरोध का जवाब तथ्यों के साथ देगी या केवल देखती रहेगी? महाजेनको की 2.2 करोड़ टन क्षमता वाली यह खदान लाखों महाराष्ट्रवासियों और रायगढ़ के हजारों श्रमिकों व परिवहन कर्मियों के लिए रोजगार और ऊर्जा का स्रोत बन सकती है – बशर्ते कि इसका उत्पादन शीघ्र शुरू हो।

कृषि महाविद्यालय में चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों को दी विदाई

प्रतिदिन राजधानी, कवर्धा संत कबीर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, कवर्धा में चतुर्थ वर्ष के पासआउट छात्र-छात्राओं के लिए एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजीव श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। समारोह में पासआउट विद्यार्थियों ने अपने चार वर्षों की शैक्षणिक यात्रा को स्मरण करते हुए अनुभव साझा किए। उन्होंने महाविद्यालय में मिले शिक्षण, अनुशासन और मार्गदर्शन के लिए समस्त शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट किया। अधिष्ठाता डॉ. श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को कृषि विज्ञान के विविध क्षेत्रों में करियर की संभावनाओं की जानकारी दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी बताया कि संत कबीर कृषि महाविद्यालय

कॉलेज परिसर में पौधारोपण भी

को एक मॉडल कॉलेज के रूप में विकसित करने की दिशा में सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के समस्त प्रोफेसरों ने भी विद्यार्थियों को भावी योजनाओं, अनुसंधान, उच्च शिक्षा एवं स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी। मंच संचालन रविशंकर नाग द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन साक्षी मिश्रा ने किया।

सीएम फडणवीस बोले- मराठी पर गर्व करना गलत नहीं, लेकिन भाषा के आधार पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में मराठी भाषा पर गर्व करना गलत नहीं है। लेकिन अगर कोई भाषा के नाम पर गुंडागर्दी करता है, तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर किसी के साथ भाषा के आधार पर कोई मारपीट करता है, तो इसे भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

'भाषा विवाद खड़ा किया तो कड़ी कानूनी कार्रवाई करेंगे'

फडणवीस की ओर से यह मराठी भाषा न बोलने को लेकर विवाद बढ़ रहा है। यह विवाद उस समय और बढ़ गया, जब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर एक गुजराती व्यक्ति को मराठी न बोलने को लेकर पीट दिया और घटना का वीडियो वायरल हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा, पुलिस ने इस घटना पर प्राथमिकी दर्ज की है और कार्रवाई भी की है। अगर भविष्य में कोई इस तरह का भाषा विवाद खड़ा करता है, तो उस पर भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हमें अपनी मराठी भाषा पर गर्व है, लेकिन भारत की किसी भी भाषा के साथ इस तरह का अन्याय नहीं किया जा सकता, यह बात हमें ध्यान में रखनी होगी।

'अंग्रेजी को गले लगाते हैं, हिंदी पर विवाद खड़ा करते हैं'

फडणवीस ने आगे कहा, कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता है कि ये लोग अंग्रेजी को तो गले लगाते हैं, लेकिन हिंदी को लेकर विवाद खड़ा करते हैं। यह किस तरह की सोच है और यह किस तरह का व्यवहार है? इसलिए जो लोग कानून अपने हाथ में लेते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'मराठी बोलने के लिए नहीं कर सकते जबरदस्ती'

उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई मराठी व्यक्ति असम जाकर कारोबार करता है और उसे असम की भाषा नहीं आती, तो क्या उसकी पिटाई होनी चाहिए? उन्होंने कहा, अगर मराठी को लेकर अभिमान है, तो मराठी सिखाओ, क्लास शुरू करो। मराठी पर अभिमान है तो लोगों को मराठी बोलने के लिए प्रेरित करो। मराठी पर अभिमान है तो अपने बच्चों को मराठी पढ़ाओ, उन्हें ऐसे स्थानों पर क्यों पढाते हैं, जहां मराठी तीसरी भाषा है? हम लोगों से मराठी बोलने की अपील कर सकते हैं, लेकिन जबरदस्ती नहीं कर सकते। मुझे मराठी बोलना है तो बोलूंगा लेकिन अगर नहीं आती, तो क्या मारपीट करना ठीक है क्या?

'शरद पवार ने कहा था जय महाराष्ट्र-जय कर्नाटक'

फडणवीस ने आगे कहा, 'मैं याद दिलाना चाहता हूं कि जिस समय छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा का अनावरण हो रहा था, उस समय शरद पवार ने 'जय महाराष्ट्र-जय कर्नाटक' कहा था। इसका मतलब यह होता है कि शरद पवार को कर्नाटक ज्यादा प्यारा है और महाराष्ट्र प्यारा नहीं है? हम लोग जहां जाते हैं, वहां के लोगों को जो अच्छा लगता है, हम बात करते हैं, सभी नेता करते हैं। अब गुजराती समाज में जाने के बाद 'जय महाराष्ट्र-जय गुजरात' कहा गया, तो मुझे लगता है कि इसमें इतना बवाल करने की जरूरत नहीं है।

'बगल के राज्यों का नहीं किया जा सकता तिरस्कार'

उन्होंने आगे कहा, हम एक भारत के लोग हैं। हम सारे लोग भारतीय हैं। हमको पहला अभिमान महाराष्ट्र पर होना चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दूसरे राज्यों के प्रति हमको कोई गुस्सा हो या उनके प्रति हमारा कोई तिरस्कार हो। पाकिस्तान के प्रति तिरस्कार समझा जा सकता है। पर बाजू के राज्यों के प्रति तिरस्कार तो नहीं हो सकता है ना। इसलिए मुझे लगता है कि कहीं भी इस वाकिये के माध्यम से शिंदे के महाराष्ट्र प्रेम पर अगर कोई प्रश्नचिह्न लगाता है तो बहुत संकुचित विचार वह रख रहा है।'

'देश में नक्सलवाद अब सिर्फ पांच-छह जिलों तक ही सीमित'

हैदराबाद। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि अब देश में नक्सलवाद केवल पांच से छह ही जिलों तक सीमित रह गया है और आने वाले समय में यह वहां भी पूरी तरह खत्म हो जाएगा। उन्होंने यह बात स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू की 128वीं जयंती के मौके पर हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में कही है।

हैदराबाद में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

'नक्सल क्षेत्र बन रहा शिक्षा और विकास का केंद्र'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले जो इलाके नक्सल गतिविधियों के लिए जाने जाते थे, वे अब शिक्षा के केंद्र बनते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'रेड कॉरिडोर (नक्सल प्रभावित क्षेत्र) अब तेजी से ग्रोथ कॉरिडोर में बदल रहा है।'

मार्च 2026 तक नक्सलमुक्त भारत का लक्ष्य

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने यह फैसला लिया है कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश को नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर पर भी दिया बयान

इस दौरान राजनाथ सिंह ने हाल ही में पाकिस्तान में हुए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन में 'सिर्फ आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। पाकिस्तान के किसी भी आम नागरिक या सैन्य ठिकाने पर हमला नहीं किया गया।' उन्होंने यह भी साफ कहा कि अगर भविष्य में पाहलगाम जैसे आतंकी हमले फिर होते हैं, तो भारत उसकी पूरी ताकत से मुंहतोड़ जवाब देगा।

अल्लूरी सीताराम राजू को दी श्रद्धांजलि

इस मौके पर राजनाथ सिंह ने महान स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि 'वह एक महान योद्धा थे जिन्होंने देश की आजादी के लिए बलिदान दिया। उनका जीवन आज के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।'

चुनाव आयोग का दावा– बिहार में 1.5 करोड़ घरों में पहुंचे बीएलओ, 87 फीसदी मतदाताओं को मिले नामांकन फॉर्म

नई दिल्ली। बिहार में 1.5 करोड़ घरों में बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) की पहली यात्रा आज पूरी हो गई है और राज्य में चल रहे विशेष तीव्र पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत अब तक कुल 7,89,69,844 यानी लगभग 7.90 करोड़ मतदाताओं में से 87 प्रतिशत से अधिक नामांकन फॉर्म (यानी 6,86,17,932 फॉर्म) वितरित किए जा चुके हैं। चुनाव आयोग ने यह जानकारी दी है।

आयोग ने बताया कि बाकी घर या तो बंद थे या उनमें मृत मतदाता रहते थे या वे प्रवासी हो सकते हैं या यात्रा पर गए होंगे। चूंकि, बीएलओ तीन बार घरों पर जाएंगे, इसलिए यह आंकड़ा आगे और बढ़ सकता है। चुनाव आयोग ने बताया कि आंशिक रूप से भरे हुए फॉर्म चुनाव आयोग की वेबसाइट (https://voters.eci.gov.in) और ECINET ऐप पर डाउनलोड के लिए भी उपलब्ध हैं और मतदाता स्वयं ECINET ऐप के जरिए भरे हुए फॉर्म अपलोड कर सकते हैं।

एसआईआर प्रक्रिया में सहयोग कर रहे बीएलए

इसके अलावा, विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त किए गए 1,54,977 बूथ स्तर एजेंट (बीएलए) भी एसआईआर प्रक्रिया में सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। दो जुलाई तक भाजपा ने 52,689 बीएलए नियुक्त किए हैं। इसके बाद राजद ने 47,504; जेडीयू ने 34,669; कांग्रेस ने 16,500; राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी ने

1913, भाकपा माले (लिबरेशन) ने 1271, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने 1153, माकपा ने 578, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी ने 270 बीएलए नियुक्त किए हैं। इसके अलावा, बसपा (74), एनपीपी (3) और आम आदमी पार्टी (1) ने भी अपने एजेंट तैनात किए हैं। हर बीएलए एक दिन में अधिकतम 50 प्रमाणित फॉर्म जमा कर सकता है।

'बीएलओ प्राप्त कर चुके 38 लाख भरे हुए फॉर्म'

चुनाव आयोग ने बताया, अब तक करीब पांच फीसदी भरे और हस्ताक्षरित फॉर्म यानी करीब 38 लाख फॉर्म बीएलओ प्राप्त कर जा चुके हैं, जो पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं। उनका एकमात्र उद्देश्य 'पहले समावेश' (Inclusion First) है, जिसे आयोग बार-बार दोहराता रहा है। एसआईआर के अनुसार, किसी भी मतदाता का नाम 1 अगस्त 2025 को प्रकाशित होने वाली प्रारंभिक मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए आवश्यक शर्त यह है कि प्री-प्रिंटेड नामांकन फॉर्म को 25 जुलाई 2025 से पहले हस्ताक्षर करके जमा किया जाए। साथ ही, अपलोड किए गए फॉर्म का सत्यापन भी शुरू कर दिया गया है। कुछ जगहों से संदेह जताए जाने के बावजूद आयोग का मानना है कि एसआईआर के जरिए सभी पात्र लोगों का नाम शामिल किया जाएगा।

30 सितंबर को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची

आयोग के उप निदेशक पी. पवन की ओर से जारी बयान में कहा गया, प्रत्येक प्राप्त फॉर्म के साथ लगे या न लगे दस्तावेजों के आधार पर पात्रता की जांच की जाएगी। प्रारंभिक मतदाता सूची के 1 अगस्त को प्रकाशित होने के बाद 2 अगस्त 2025 से सत्यापन का काम जोरशोर से शुरू किया जाएगा। उसी दिन से कोई भी राजनीतिक दल या आम नागरिक प्रारंभिक सूची में दावे और आपत्तियां दर्ज कर सकता है। अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर 2025 को प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद जिलाधिकारी (डीएम) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के समक्ष भी अपीलें दाखिल की जा सकेंगी।

मार्च-अप्रैल में 479 किसानों ने की आत्महत्या, बस 110 को मिला मुआवजा; अधर में 150 से ज्यादा मामले

मुंबई। महाराष्ट्र में किसानों के आत्महत्या का मामला हमेशा से ही सुर्खियों में रहा है। ऐसे में एक बार फिर महाराष्ट्र विधानसभा में शुक्रवार को एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ। राज्य के राहत और पुनर्वास मंत्री मकरंद पाटिल ने बताया कि मार्च और अप्रैल 2025 में कुल 479 किसानों ने आत्महत्या की। यह आंकड़े मराठवाड़ा और विदर्भ समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों से सामने आए हैं।

मामले में मंत्री ने प्रश्नकाल के दौरान लिखित जवाब में बताया कि मार्च में 250 किसानों की आत्महत्या के मामले दर्ज हुए, जिनमें से 102 मामलों को सरकारी सहायता के योग्य पाया गया, लेकिन अब तक केवल 77 मामलों में ही सहायता राशि वितरित हुई है। वहीं, 62 मामलों को अयोग्य माना गया और 86 मामलों की जांच अभी भी जारी है।

अप्रैल में भी चौंकाने वाला आकड़ा

मंत्री ने अपने लिखित जवाब में अप्रैल महीने के आकड़े का जिक्र करते हुए बताया कि अप्रैल में 229 किसानों ने की आत्महत्या, जिनमें से 74 मामले सहायता के योग्य पाए गए, लेकिन अब तक सिर्फ 33 मामलों में ही परिजनों को मुआवजा दिया गया है।

गौरतलब है कि सरकार की 24 जनवरी 2006 की एक नीति के अनुसार, अगर किसान की आत्महत्या फसल खराब होने, कर्ज न चुका पाने या कर्ज बढ़ने जैसे कारणों से होती है, तो उसके परिजनों को 1 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाती है। मामले में मंत्री मकरंद पाटिल ने बताया कि हालांकि, इस मुआवजा राशि में फिलहाल किसी वृद्धि का कोई प्रस्ताव सरकार के पास नहीं है। ऐसे में मंत्री द्वारा किए गए इस खुलासे के बाद विधानसभा में किसानों की स्थिति को लेकर चिंता जताई गई। साथ ही विपक्ष ने सरकार से किसानों के लिए और सशक्त कदम उठाने की मांग की।

व्यापार समझौते के लिए अमेरिका गया भारतीय दल वापस लौटा, कृषि-वाहन क्षेत्रों पर अभी नहीं बनी सहमति

नई दिल्ली। अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत करने के बाद वॉशिंगटन गया भारतीय दल वापस लौट आया है। इस समझौते को नौ जुलाई से पहले अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है, लेकिन कृषि और वाहन सेक्टर में कुछ मुद्दों को अभी भी सहमति नहीं बनी है, इसलिए दोनों देशों के बीच चर्चा जारी रहेगी। भारतीय दल का नेतृत्व मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल कर रहे हैं। वे वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव भी हैं।

मामले में एक अधिकारी ने बताया कि वार्ता अंतिम चरण में है और इसके निष्कर्ष की घोषणा नौ जुलाई से पहले होने की उम्मीद है, जो भारत समेत कई देशों पर लगाए गए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क के 90-दिवसीय निलंबन की अवधि का अंतिम दिन है। अधिकारी ने कहा, भारतीय टीम वॉशिंगटन से वापस आ गई है, वार्ता जारी रहेगी, कृषि और वाहन क्षेत्रों में कुछ मुद्दे हैं जिन्हें हल करने की जरूरत है।

कृषि क्षेत्र में अमेरिका डेयरी उत्पादों, सेब, वृक्षों से प्राप्त मेवों और आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों जैसे उत्पादों पर शुल्क रियायतें चाहता है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र होने के कारण, भारत के लिए कृषि क्षेत्र में कोई रियायत देना कठिन और चुनौतीपूर्ण होगा। भारत ने अब तक जितने भी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं, उनमें से किसी भी व्यापारिक साझेदार के लिए डेयरी क्षेत्र को नहीं खोला है। भारत ने अमेरिकी कृषि और डेयरी उत्पादों को शुल्क रियायत देने पर अपना रुख कड़ा कर लिया है।

डब्ल्यूटीओ के सामने उठाया वाहन क्षेत्र में 25% शुल्क का मुद्दा

भारत ने वाहन क्षेत्र में 25 प्रतिशत शुल्क को लेकर मुद्दा उठाया है। इसने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की सुरक्षा समिति में इस मामले को उठाया है। भारत ने डब्ल्यूटीओ को यह भी बताया है कि उसने इस्पात और एल्युमीनियम पर अमेरिकी शुल्क के जवाब में चुनिंदा अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित रखा है।

भारत ने डब्ल्यूटीओ को भेजे एक पत्र में कहा, 26 मार्च 2025 को अमेरिका ने भारत में बने या वहां से आयातित यात्री वाहनों और हल्के ट्रकों तथा कुछ वाहन कलपुर्जों के आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क वृद्धि की है। जो तीन मई 2025 से असीमित अवधि के लिए लागू हो गई। पिछले साल अमेरिका ने वैश्विक स्तर पर 89 अरब डॉलर के वाहन कलपुर्जों का आयात किया। इसमें मेक्सिको का हिस्सा 36 अरब डॉलर, चीन का 10.1 अरब डॉलर और भारत का हिस्सा सिर्फ 2.2 अरब डॉलर का था।

दो अप्रैल को अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क लगाया था, लेकिन इसे 90 दिनों के लिए निलंबित कर दिया था। हालांकि, अमेरिका द्वारा लगाया गया 10 प्रतिशत मूल शुल्क अभी भी लागू है। भारत अतिरिक्त 26 प्रतिशत शुल्क से पूरी छूट चाहता है। अमेरिका कुछ औद्योगिक वस्तुओं, वाहन, विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों, वाइन और पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर शुल्क रियायतें चाहता है।

दूसरी ओर, भारत प्रस्तावित व्यापार समझौते में कपड़ा, रत्न और आभूषण, चमड़े के सामान, परिधान, प्लास्टिक, रसायन, झींगा, तिलहन, अंगूर और केले जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए शुल्क रियायतें चाहता है। दोनों देश इस साल सितंबर-अक्टूबर तक प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण के लिए बातचीत पूरी करने की उम्मीद कर रहे हैं।

चलती ट्रेन में लगी आग, यात्रियों में मची अफरातफरी, रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

बेंगलुरु। कर्नाटक में एक बड़ा रेल हादसा टल गया जब उदयपुर जा रही हमसफर एक्सप्रेस के इंजन में अचानक आग लग गई। यह घटना उस वक्त हुई जब ट्रेन बेंगलुरु से गुजर रही थी। हादसे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें ट्रेन के इंजन से धुआं और आग की लपटें साफ दिखाई दे रही हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन के आगे वाले डिब्बों से धुआं उठता देख यात्रियों में हड़कंप मच गया। कुछ यात्रियों ने तुरंत चेन खींच कर ट्रेन को रुकवाया और अन्य लोगों को आग के बारे में सूचित किया। आनन-फानन में ट्रेन को रोका गया और रेलवे स्टाफ को इसकी जानकारी दी गई।

सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर नियंत्रण पा लिया। सौभाग्य से किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं आई और सभी लोग सुरक्षित हैं। समय रहते आग बुझा दिए जाने से एक बड़ा हादसा टल गया।

रेलवे विभाग ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग इंजन में किसी तकनीकी खराबी के कारण लगी हो सकती है। इंजन की उम्र और उसकी हालिया सर्विसिंग की भी समीक्षा की जा रही है।

'भाजपा धर्मनिरपेक्ष, कांग्रेस सबसे ज्यादा सांप्रदायिक', किरन रिजिजू का विपक्ष पर करारा हमला

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा धर्मनिरपेक्ष है, जबकि कांग्रेस सबसे ज्यादा सांप्रदायिक पार्टी है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि कांग्रेस और कुछ अन्य दल अल्पसंख्यकों के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'बार-बार कांग्रेस और उसके साथी दल अल्पसंख्यकों को डराने की कोशिश करते हैं। वे जनता को गुमराह कर रहे हैं।'

भारत में सभी को समान अधिकार- रिजिजू

उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत में मुसलमान, सिख, ईसाई, पारसी, जैन और बौद्ध – ये छह समुदाय अल्पसंख्यक माने जाते हैं, और सभी को समान अधिकार और अतिरिक्त सुविधाएं भी मिलती हैं। 'दुनिया में कोई देश नहीं है जो अल्पसंख्यकों को इतनी सुविधाएं देता हो जितनी भारत में मिलती हैं।'

'मुस्लिमों को सिर्फ वोट बैंक समझती है कांग्रेस'

किरेन रिजिजू ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पिछले 75 वर्षों में मुस्लिम समुदाय को सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया और उनकी वास्तविक तरक्की नहीं होने दी। 'कांग्रेस ने जानबूझकर मुस्लिमों को गरीब बनाए रखा और अब बार-बार मुस्लिम-मुस्लिम चिल्लाकर उनका अपमान कर रही है।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नारा 'सबका साथ, सबका विकास' इस बात को दर्शाता है कि सरकार सभी धर्मों के लोगों को समान मानती है। 'भारत में जितनी आजादी मुस्लिमों को है, वह कहीं और नहीं है। यहां मुस्लिम उतने ही सुरक्षित हैं जितने हिंदू हैं।'

'संविधानिक संस्थाओं पर हमला कर रही कांग्रेस'

केंद्रीय मंत्री ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की तरफ से एसआईआर पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि यह केवल राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश है। उन्होंने कहा, 'पहले कांग्रेस ने नागरिकता के नाम पर मुस्लिमों को डराया, अब मतदाता सूची के विशेष संशोधन के नाम पर डर फैला रही है। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, उस पर हमला बंद होना चाहिए।'

विपक्षी दलों की शिकायत

बता दें कि इंडिया गठबंधन के कई दलों ने बुधवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की थी और SIR प्रक्रिया पर चिंता जताई थी। उनका आरोप है कि यह प्रक्रिया चुनाव से ठीक पहले शुरू की गई है और इससे बिहार के दो करोड़ से ज्यादा मतदाता प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि चुनाव आयोग ने गुरुवार को कहा कि उसने इस प्रक्रिया को विस्तार से समझाया है और विपक्ष की चिंताओं को दूर करने की कोशिश की है।

अहमदाबाद में घटनास्थल से मिल कई शवों के अवशेष, डीएनए जांच के बाद छह परिवारों को सौंपे गए

अहमदाबाद। अहमदाबाद में बीते 12 जून को हुए एअर इंडिया के विमान हादसे ने देशभर में लोगों को झकझोर कर रख दिया। हादसा इतना भयावह था कि इसमें लगभग 260 लोगों की मौत हो गई और मृतकों के पहचान के लिए डीएनए प्रोफाइलिंग की मदद लेनी पड़ी। इसी सिलसिले में दुर्घटनास्थल से मिले कुछ और शव के अंग डीएनए जांच के बाद छह परिवारों को सौंपे गए हैं। यह जानकारी अहमदाबाद सिविल अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ राकेश जोशी ने शुक्रवार दी। वहीं इस मामले में डॉ. जोशी ने बताया कि हादसे में मरने वालों की संख्या अब भी आधिकारिक तौर पर 260 ही है। उन्होंने बताया कि जिन शव के हिस्सों को गुरुवार को सौंपा गया, वे पहले से पहचान किए जा चुके उन्हीं मृतकों के हैं। बता दें कि 27 जून को अधिकारियों ने यह घोषणा की थी कि आखिरी मृतक का शव उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। हालांकि, उस समय ही अस्पताल प्रशासन ने यह स्पष्ट कर दिया था

कि हादसा विस्फोट जैसा था, जिससे कई शव के अंग इधर-उधर बिखर गए थे और आगे भी कुछ हिस्से मिलने की संभावना है। इसके साथ ही डॉ. जोशी ने ये भी बताया कि मामले में ज्यादातर परिवारों ने पहले ही अनुमति दे दी थी कि अगर आगे और कोई अवशेष मिलते हैं, तो अस्पताल खुद उनका अंतिम संस्कार कर दे। लेकिन 16 परिवारों ने कहा था कि अगर और कुछ मिलता है.

एअर इंडिया विमान हादसा, एक नजर

गौरतलब है कि बीते 12 जून को गुजरात के अहमदाबाद से लंदन के गैटविक जा रहा एअर इंडिया का विमान उड़ान भरते ही हादसे का शिकार हो गया था। विमान में कुल 242 यात्री और चालक दल के सदस्य थे। हादसे में एक यात्री को छोड़कर बाकी सभी लोग मारे गए थे। एअर इंडिया विमान एआई-171 अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरते ही एक हॉस्टल की इमारत पर क्रैश हो गया था। जिससे हॉस्टल में मौजूद अन्य 29 लोग मारे गए थे। इस तरह एअर इंडिया विमान हादसे में लगभग 260 लोगों की जान गई।

व्यापारियों को साइबर अपराधों से बचाने छत्तीसगढ़ चेंबर ने की कार्यशाला, किया जागरूक

जतिन नचरानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और रायपुर पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में 4 जुलाई 2025 को चेंबर कार्यालय, बाम्बे मार्केट, रायपुर में व्यापारियों के लिए साइबर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। चेंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यापारियों को साइबर अपराधों से बचाने और डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित बनाने के लिए जागरूक करना था। उन्होंने डिजिटल युग में साइबर खतरों की गंभीरता पर चिंता जताते हुए कहा कि व्यापारी समुदाय को इन खतरों से बचाने के लिए जागरूकता जरूरी है।

मुख्य अतिथि रायपुर क्राइम ब्रांच के सतीश पुरिया ने व्यापारियों को साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के उपाय सुझाए। कायर्शाला में तीन विशेषज्ञों ने साइबर सुरक्षा पर विस्तृत जानकारी दी। साइबर एक्सपर्ट चिंतामणि साहू ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े साइबर खतरों और बचाव के तरीकों पर प्रकाश डाला, जबकि नितेश राजपूत ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रकार और उनसे बचने की सावधानियों पर जोर दिया। कायर्शाला में उपस्थित व्यापारियों ने साइबर सुरक्षा के प्रति गहन रुचि दिखाई। कार्यक्रम का संचालन कायर्कारी महामंत्री कपिल दोशी ने किया, और चेंबर मंत्री प्रशांत गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। अतिथियों को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन और प्रभारी उपाध्यक्ष जितेंद्र शादीजा, कन्हैया महतो, योगेश होतवानी, मंत्री प्रशांत गुप्ता, राकेश वाधवानी, जितेंद्र जैन, राजीव जैन और मुकेश पटेल रहे। इस अवसर पर चेंबर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, कोषाध्यक्ष निकेश बरडिया, सतीश पुरिया, उप निरीक्षक, रायपुर क्राइम ब्रांच, गणेश मलानी साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट, चिंतामणी साहू साइबर एक्सपर्ट ए आई, साइबर एक्सपर्ट फ्राड नितेश राजपूत, सलाहकार गुरजीत सिंग संधू, लखमशी पटेल, कायर्कारी अध्यक्ष राधा किशन सुंदरानी, कायर्कारी महामंत्री कपिल दोशी , विकास आहूजा, उपाध्यक्ष लोकेश जैन , नीलेश मूंधड़ा, शंकर बजाज, राजकुमार तारवानी,महेंद्र बागरोडिया, लखविंदर सिंह,सोनिया साहू, जतिन नचरानी, जितेंद्र शादिजा ,सुदेश मध्यान, जितेंद्र जैन, सुनील कुकरेजा, महेंद्र तलरेजा,जयचंद नवानी, शांतिलाल बजाज,अजय जयसिंग ,राजेश गुरनानी, राजकिशोर नत्थानी, मंत्री राकेश (जनक) वाधवानी, राजीव जैन, प्रशांत गुप्ता, आकाश धावना , भरत पमनानी, सतीश बागड़ी,लोकेश साहू,राजेंद्र पारख, महेश जेठानी, पंकज जैन, डॉ.मनीष गुप्ता, निखिल जावेरी, रितेश वाधवा, पंकज छीजवानी, जितेंद्र जैन, आलोक शर्मा, धनेश मटलानी, अमर बरलोटा, विनोद पहावा, सदस्य रवि सचदेव, गोविंद वाधवानी दल्ली राजहरा, दौलत परयानी, अरुण छाबड़ा, अमर परचानी सहित बड़ी संख्या में व्यापारीगण उपस्थित रहे।

बीजापुर जिले के तुमनार अस्पताल को मिला एनक्यूएएस प्रमाण पत्र

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बीजापुर जिले के तुमनार ब्लाक में स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर तुमनार ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) प्रमाणन में शानदार प्रदर्शन करते हुए 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। बीजापुर के सुदूर क्षेत्र तुमनार में ये उपलब्धि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और समुदाय के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो आयुष्मान भारत योजना के तहत व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के मिशन को मजबूत करती है।

एनक्यूएस मूल्यांकन में राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य केंद्र की सेवाओं, बुनियादी ढांचे, रिकॉर्ड प्रबंधन, स्वच्छता और रोगी देखभाल की गुणवत्ता का गहन निरीक्षण किया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर तुमनार ने निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक, पुनर्वास और उपचारात्मक देखभाल जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर तुमनार को क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक मॉडल के रूप में स्थापित किया है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा है कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर तुमनार को एनक्यूएस प्रमाण पत्र मिलना बीजापुर जिले के लिए गौरव का क्षण है। यह उपलब्धि हमारे स्वास्थ्य कर्मियों के समर्पण और सहयोग के प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि राज्य के प्रत्येक नागरिक को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों और यह उपलब्धि उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बोल बम जयकारों के साथ अमरनाथ यात्रा पर जवाहर नगर मंडल अध्यक्ष एवं प्रभारी रवाना

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर से शुक्रवार को सुबह 11 बजे राजधानी रायपुर – दुर्ग हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस से 'बम बम भोले' और 'हर हर महादेव' के जयकारे लगाकर रवाना हुआ ।

इस पवित्र अमरनाथ यात्रा ने जवाहर नगर मंडल के अध्यक्ष संदीप जंघेल मंडल प्रभारी अर्चना शुक्ला के साथ अन्य यात्री शामिल हुए है। बाबा बर्फानी के दर्शन करने के लिए तीर्थयात्रियों में काफी उत्साह दिखा। मंडल अध्यक्ष संदीप जंघेल द्वारा अमरनाथ यात्रा में जा रहे सभी तीर्थयात्रियों को निर्भय होकर तीर्थ यात्रा करने का आव्हान किया है। मंडल प्रभारी अर्चना शुक्ला ने केंद्र पर स्थित मोदी सरकार की ओर से मुहैया कराई गई सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं की तारीफ की और भारतीय सेना पर पूरा भरोसा जताया है। इस पवित्र अमरनाथ यात्रा के अवसर पर मंडल के मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन ,सोशल मीडिया प्रभारी सूरज साहू उपस्थित होकर सभी तीर्थ यात्रियों का पुष्पहार एवं भगवा गमछा पहना कर सभी का अभिवादन किया। सभी तीर्थयात्रियों की यात्रा निर्विघ्न सकुशल संपन्न हो ऐसी मंगलकामना सभीं के लिए की गई।

डॉक्टर कमलेश जैन की सेवाएं समाप्त

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

चिकित्सा शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन महानदी भवन द्वारा जारी एक आदेश में डॉक्टर कमलेश जैन सहायक प्राध्यापक संविदा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर को संचनालय स्वास्थ्य सेवाएं नया रायपुर के अधीन आवंटित समस्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है यह आदेश लवीना पांडे उप सचिव चिकित्सा शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के माध्यम से प्रसारित किया गया है

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में पैरामेडिक्स पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर में 4 जुलाई 2025 को पैरामेडिक्स के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह वर्कशॉप C-ब्लॉक की 5वीं मंज़िल पर आयोजित की गई, जिसका विषय था "First to Respond – First to SaveÑ Strengthening Skills & Competencies"Ð कार्यशाला में क्षेत्रभर के आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन (EMTs) और पैरामेडिक्स ने भाग लिया, जहां उन्हें हाथों–हाथ प्रशिक्षण और महत्वपूर्ण कौशलों का अभ्यास कराया गया।

इस कार्यशाला का नेतृत्व रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. संदीप दवे एवं आपातकालीन विभाग के प्रमुख डॉ. संतोष कुमार सिंह ने किया।

डॉ. सिंह ने कहा, पहला रिस्पॉन्डर किसी भी आपातकालीन स्थिति में सबसे अहम भूमिका निभाता है। यदि वह सही तरीके से कार्य करता है, तो जीवन बचाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर में हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हर व्यक्ति जो सबसे पहले मरीज के संपर्क में आता है, वह पूरी तरह से प्रशिक्षित हो और सही समय पर सही निर्णय ले सके– क्योंकि इमरजेंसी कभी भी किसी के साथ भी हो सकती है।

इस अवसर पर डॉ. संदीप दवे ने कहा, हर जीवन को बचाना हमारा मुख्य उद्देश्य है और हम इसी दिशा में निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

वर्कशॉप की मुख्य विशेषताएँ:

विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत सत्रः
एक्यूट स्ट्रोक
मायोकार्डियल इन्फार्क्शन (MI)
CRTA और GCS मूल्यांकन
पेट दर्द की प्राथमिक जांच
साँप काटने के मामले का प्रबंधन
हेमोडायनामिक मॉनिटरिंग
विषाक्तता (ज़हर) के मामलों में प्रतिक्रिया

व्यावहारिक, सिमुलेशन आधारित कार्यशालाएँ:

मरीजों के स्थानांतरण की तकनीक
डिफिब्रिलेशन / कार्डियोवर्शन / पेसिंग
गर्दन की हड्डी को स्थिर करना और कॉलर लगाना
IO नीडल प्लेसमेंट
IV कैनुला लगाना
एयरवे मैनेजमेंट (OPA/NPA/ET ट्यूब इन्सर्शन)
ड्रेसिंग और प्लास्टर (कास्ट) लगाना
बेसिक लाइफ सपोर्ट (BLS)

दिनभर प्रतिभागियों ने व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्रों में सक्रिय भाग लिया, जहाँ उन्हें ट्रॉमा और आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक प्रक्रियाओं का अनुभव कराया गया। इस प्रशिक्षण ने न केवल तकनीकी कौशलों को बेहतर बनाया, बल्कि टीमवर्क, तेज निर्णय क्षमता और मरीज की सुरक्षा पर भी विशेष बल दिया।

कार्यशाला में पैरामेडिक्स, नर्सिंग स्टाफ और आपातकालीन विभाग के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सामुदायिक वन अधिकार के संबंध में वन विभाग को बनाया गया नोडल एजेंसी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

MOTA (Ministry of Tribal Affairs) âð CFRR प्रबंधन के संबंध में स्र्श्वस्त्रद्ग्द्य CFR Management Plan को लेकर छत्तीसगढ़ वन विभाग ने वन अधिकार पट्टा को लेकर एक आदेश जारी किया था।

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख छत्तीसगढ़ द्वारा वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार से मॉडल सीएफआर Management Plan की प्रति. Traning Hand Book, सीएफआर Management Plan के क्रियान्वयन में वन विभाग की भूमिका तथा वन एवं आदिम जाति विभाग हेतु CFRR क्रियान्वयन एवं एकीकरण के संबंध में विस्तृत दिशा–निर्देश चाही गयी है। जो आज दिनांक तक अप्राप्त एवं अपेक्षित है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, छत्तीसगढ़ द्वारा सामुदायिक वन संसाधन क्षेत्रों में वनों के संरक्षण एवं संवर्धन के संबंध में अन्य विभाग/गैर शासकीय संस्थाए/निजी संस्थाओं की भागीदारी एवं क्रियान्वयन हेतु संदर्भित पत्र के माध्यम से दिशा–निर्देश जारी किया गया था।

उक्त दिशा–निर्देश के प्रसारण होने से समाचार पत्रों एवं सार्वजनिक चर्चाओं के माध्यम से ग्रामीणों में ष्टस्नक्रक्र के प्रति भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। साथ ही संदर्भित पत्र 01 एवं 02 में चाहा गया मार्गदर्शन प्राप्ति में हो रहे विलंब को दृष्टिगत रखते हुए माननीय वनमंत्री केदार कश्यप के दिशा निर्देश पर भारत सरकार से मार्गदर्शन प्राप्त होने तक जारी दिशा–निर्देश को स्थगित किया जाता है।

प्रगतिशील छग सतनामी समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की प्रथम बैठक आज

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के नवनिर्वाचित/मनोनीत पदाधिकारियों की ऐतिहासिक पहली बैठक का आयोजन 5 जुलाई 2025, शनिवार को गिरौदपुरी धाम, मड़वा स्थित सतनाम धर्मशाला में किया गया है। यह बैठक समाज की भावी दिशा और आगामी कार्ययोजना को लेकर अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बैठक का समय दोपहर 12 बजे से निर्धारित किया गया है, जिसमें समाज के सभी नवनिर्वाचित/मनोनीत पदाधिकारीगण शामिल होंगे।

बैठक का शुभारंभ समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री एल. एल. कोशले के नेतृत्व में गिरौदपुरी धाम स्थित बाबा गुरुघासीदास जी के पावन मंदिर में सामूहिक दर्शन, पूजा–अर्चना एवं मत्था टेक कर किया जाएगा। सभी नवनियुक्त पदाधिकारी सामूहिक रूप से गिरौदपुरी धाम पहुंचकर आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ बैठक की शुरुआत करेंगे।

शपथग्रहण समारोह की रूपरेखा पर होगी चर्चा

बैठक में समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथग्रहण समारोह की रूपरेखा और संभावित तिथि पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम के आयोजन स्थल, स्वरूप, आमंत्रित विशिष्टजनों एवं सामाजिक सहभागिता को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

आगामी कार्ययोजना पर गहन मंथन

बैठक में प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज की आगामी कार्ययोजना, सामाजिक उत्थान, शिक्षा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण, युवा सशक्तिकरण एवं संगठन विस्तार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। समाज को और अधिक संगठित, सक्रिय और प्रभावशाली बनाने के लिए ठोस रणनीतियाँ तय की जाएंगी।

सभी प्रकोष्ठों को भेजी गई सूचना

बैठक को सफल और प्रभावी बनाने हेतु प्रदेश स्तर से लेकर जिला एवं प्रकोष्ठ स्तर तक के सभी पदाधिकारियों को सूचना प्रेषित की जा चुकी है। इसमें संरक्षकों ,जिला अध्यक्षों, युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ सहित सभी संबंधित पदाधिकारियों को बैठक में समय पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश महासचिव एवं मीडिया प्रभारी ने की अपील

नवनियुक्त प्रदेश महासचिव श्री मोहन बंजारे एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री लक्ष्मीकांत कोसरिया ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थिति दर्ज कराएं, ताकि समाज की एकता, संगठनात्मक मजबूती और विकास की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

गिरौदपुरी धाम में आयोजित यह बैठक समाज के नवयुग की शुरुआत मानी जा रही है, जहां नेतृत्व में आए परिवर्तन के साथ एक नई सोच, नई दिशा और नए उत्साह के साथ समाज को उन्नति की ओर अग्रसर करने का संकल्प लिया जाएगा।

सोना तस्करी सिंडिकेट से जुड़े सदस्यों की 3.76 करोड़ की संपत्ति अटैच

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के प्रवर्तन निदेशालय रायपुर जोनल कार्यालय ने शुक्रवार को सोना तस्करी सिंडिकेट से जुड़े सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की है। जिसमें सचिन केदार और पुरुषोत्तम कवले की करीब 3.76 करोड़ रुपए की संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच की है। ईडी ने यह जांच डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने कस्टम्स एक्ट 1962 की धारा 135 के तहत दर्ज शिकायत के आधार पर शुरू की थी।

सोना तस्करी सिंडिकेट से जुड़े इस मामले में तस्करी करके सोना लाने वाले कैरियर्स को डीआरआई ने पकड़ा था। बरामद सोना विदेश से लाया जा रहा था, जिसे भारत में अवैध तरीके से लाकर रायपुर में खपत के लिए भेजा गया था।

रायपुर में खपाते थे गोल्ड

ईडी के मुताबिक, इसका मास्टरमाइंड विजय बैद उर्फ विक्की है। ईडी की जांच में सामने आया कि सचिन केदार ने विजय बैद के निर्देश पर कोलकाता से रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, नागपुर और मुंबई तक विदेशी सोने की तस्करी की। यह सोना भारत–बांग्लादेश बॉर्डर के जरिए लाया गया था। इसके बाद इसे रायपुर के नामचीन ज्वैलर्स को बेचा गया।

ग्रीन आर्मी द्वारा एक माह में पॉलीथिन मुक्त शीतला बाजार का संकल्प

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पॉलिथीन के अभिशाप से धरती को मुक्त करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए, ग्रीन आर्मी संस्था ने अब कमर कस ली है! संस्था ने एक बेहद महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया हैः राजधानी के शीतला बाज़ार, पुरानी बस्ती को मात्र एक महीने के भीतर पॉलिथीन–मुक्त बनाना!

संस्था के प्रदेश अध्यक्ष अमिताभ दुबे ने बताया कि यह सिर्फ एक संकल्प नहीं, बल्कि एक पूर्णकालिक मिशन है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए ग्रीन आर्मी की पुरानी बस्ती, ब्राह्मण पारा और बुढ़ापारा की टीमें दिन–रात एक कर रही हैं, एक ऐसी सुनियोजित और व्यापक कार्ययोजना पर काम चल रहा है जो इसे हकीकत में बदलेगी। आगामी 5 जुलाई से 5 अगस्त तक, ग्रीन आर्मी 'मिशन मोड' पर कार्य करेगी, जिसके लिए एक विस्तृत 16–सूत्रीय कार्ययोजना तैयार की गई हैः

शीतला बाज़ार को 'पॉलिथीन–फ्री' बनाने का रोडमैपः 16–सूत्रीय महाअभियान

घर–घर दस्तक, जागरूकता की अलखः प्रतिदिन पंपलेट वितरित कर स्थानीय निवासियों को पॉलिथीन के घातक प्रभावों से अवगत कराया जाएगा।

व्यापारियों से सीधा संवादः फल और सब्जी विक्रेताओं के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए 500 पंपलेट बांटे जाएंगे, जो उन्हें पॉलिथीन मुक्त विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

शर्मिंदगी से मुक्ति, जागरूकता का मंत्रः पॉलिथीन मांग कर शर्मिंदा न करें卐 जैसे सशक्त संदेश वाले 50 बोर्ड बाज़ार और प्रमुख स्थानों पर लगाए जाएंगे।

झोला क्रांति का आगाज़ः 25 नई कपड़े के

झोलों की दुकानें खुलवाई जाएंगी और हर दुकानदार को शुरुआत में 25 झोले निःशुल्क दिए जाएंगे।

ज्ञान की पाठशाला, भविष्य की तैयारीः आसपास के 10 स्कूल और कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए पॉलिथीन मुक्ति पर नियमित प्रशिक्षण सेमिनार आयोजित होंगे।

युवाओं में चेतना, रचनात्मकता से बदलावः स्कूली विद्यार्थियों के लिए ड्राइंग, स्लोगन और भाषण प्रतियोगिताएं (जैसे पॉलिथीन जहर है, समाज पर कहर है) आयोजित कर जन जागरण किया जाएगा।

कानून का डंडा, जागरूकता का पाठः नगर निगम से नोटिस चिपकवाए जाएंगे, जिनमें स्पष्ट होगा कि पॉलिथीन का उपयोग एक कानूनी जुर्म है।

शनिवार शाम, जागरूकता के नामः प्रत्येक शनिवार शाम 6:30 बजे भव्य जन जागरण अभियान रैली निकाली जाएगी, जिसमें झोला वितरण भी होगा।

प्रभावशाली चेहरों का साथः स्थानीय प्रसिद्ध और प्रमुख लोगों की 2 मिनट की वीडियो बाइट बनाकर जन जागरण का कार्य किया जाएगा, ताकि उनके संदेश का व्यापक प्रभाव पड़े।

मीडिया की शक्ति, समाज को जोड़नाः प्रेस, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार कर पूरे समाज को इस महाअभियान से जोड़ा जाएगा।

घर–घर तक पहुंच, मितानिन और आंगनबाड़ी का सहयोगः मितानिन और आंगनबाड़ी टीमों की सहायता से 5000 घरों तक पहुंच बनाई जाएगी और पॉलिथीन के नुकसान बताए जाएंगे।

मंदिरों से पवित्र संकल्पः स्थानीय 11 मंदिरों और ट्रस्टों को पत्र देकर इस मुहिम से जोड़ा जाएगा, ताकि धार्मिक स्थलों में पॉलिथीन पर प्रतिबंध लग सके। सामाजिक संगठनों की साझेदारी, व्यापक प्रभावः विभिन्न स्थानीय समाजों को पत्र देकर उन्हें इस मुहिम में शामिल किया जाएगा, जिससे सामाजिक स्तर पर पॉलिथीन के उपयोग पर रोक लगे। हर रसोई में बदलाव, हर घर में जागरूकताः 1000 स्टिकर मेरा किचन पॉलिथीन मुक्त है घर–घर लगवाए जाएंगे, जो गृहणियों को पॉलिथीन छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। बुजुर्गों की समझाइश, अनुभवी मार्गदर्शनः सीनियर सिटीजन की एक 11 सदस्यीय निरीक्षण टीम का गठन किया जाएगा, जो लोगों को प्यार से समझाएगी और प्रेरित करेगी।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.– 0771–2223399, मो.–6262904444